अक्तूबर में वृद्धि दर सुस्त पड़कर 0.4 प्रतिशत पर आई, आईआईपी में वृद्धि दर 13 माह के निचले स्तर पर-12

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान वक्फ संपत्ति विवरण पर समय सीमा बढ़ाने से किया इन्कार-12

एस जयशंकर बोले- जैविक हथियार की चुनौती से निपटने को खाका तैयार करने की जरूरत-13

कोच ने की तारीफ कहा- फिटनेस और फॉर्म बरकरार विराट के भविष्य को लेकर सवाल ही नहीं उठता-14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वादशी 03:57 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 2 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 8, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

संसद ड्रामा करने की जगह नहीं : मोदी

शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री बोले-विपक्ष इसे हताशा निकालने का मंच बना रहा

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

हंगामे के बीच एक विधेयक पारित, सरकार ने माना-देशभर के एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि संसद ड्रामा करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष संसद को चुनावी हार के बाद हताशा निकालने का मंच बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्र को राजनीतिक ड्रामे का रंगमंच नहीं बनाना चाहिए, बल्कि यह रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का मंच होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष चाहे तो वह उसे राजनीति में सकारात्मकता लाने के कुछ सुझाव देने को तैयार हैं। मोदी ने संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, हमें जिम्मेदारी की भावना से काम करने की जरूरत है। पिछले सत्रों के दौरान संसदीय कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, नाटक के लिए बहुत जगह है जो लोग यह करना चाहते हैं, वे इसे करते रहें। संसद नाटक के लिए जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। हाल में संपन्न बिहार विधानसभा चुनावों में राजग को मिली शानदार जीत से उत्साहित मोदी ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा, यहां तक कि आप देश भर में ऐसा कर सकते हैं। आपने वहां बोला है जहां आप हार गए हैं। आप वहां भी बोल सकते हैं जहां आपको हार का सामना करना बाकी है। लेकिन संसद में, ध्यान नीति पर होना चाहिए, न कि नारों पर। बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों की कार्यवाही बार बार बाधित हुई थी। कहा कि पिछले 10 वर्षों से विपक्ष जो खेल खेल रहा है, वह अब जनता को स्वीकार नहीं है। मोदी ने उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन को राज्यसभा के सभापति के तौर पर पहले सत्र की अध्यक्षता के लिए बधाई दीं।

संसद सत्र की कार्रवाई के पहले दिन मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा व संसदीय कार्यमंत्री मंत्री किरेन रीजीजू। ● एजेंसी

सरकार एसआईआर पर चर्चा के खिलाफ नहीं : रीजीजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने राज्यसभा में जोर दिया कि सरकार मतदाता सूची के एसआईआर व चुनाव सुधारों पर चर्चा के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसे जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाए। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया। रीजीजू ने उच्च सदन में यह टिप्पणी उस समय की जब कांग्रेस नीत विपक्ष एसआईआर पर तत्काल चर्चा की मांग कर रहा था। उन्होंने कहा कि सरकार एसआईआर पर चर्चा की विपक्ष की मांग पर विचार कर रही है और इस मांग को खारिज नहीं किया गया है। विपक्ष की इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग पर कहा कि वह एसआईआर पर चर्चा के समय के लिए शर्त नहीं रखे।

विपक्ष का हंगामा

पहले दिन लोकसभा में एसआईआर और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही लोकसभा ने 'मणिपुर माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025' पारित किया। विपक्ष की नारेबाजी के बीच ही वित्त मंत्री सीतारमण ने 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' व 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पेश किया। सुबह 11 बजे सदन की बैठक राष्ट्रगान की धुन के साथ शुरू हुई। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ने कुछ दिवंगत पूर्व सदस्यों के निधन की जानकारी दी जिसके बाद कुछ पल मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद बिरला ने महिला विश्वकप क्रिकेट और महिला कबड्डी विश्वकप में भारत की जीत पर खिलाड़ियों को बधाई दी। इसके बाद जैसे ही उन्होंने प्रश्नकाल शुरू करने का निर्देश दिया, कांग्रेस, सपा समेत विपक्षी दलों के सदस्य एसआईआर समेत कुछ मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए अपने स्थानों पर खड़े हो गए। कुछ सदस्य आसन के समीप आ गए। बिरला ने कार्यवाही चलने देने की अपील की। वहीं सरकार ने माना-देशभर के एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए थे।

सदन की लक्ष्मण रेखा का पालन करें सदस्य : राधाकृष्णन

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को उच्च सदन में अपने प्रथम संबोधन में सदस्यों से संविधान के प्रति निष्ठावान रहने और संसदीय आचरण की निर्धारित लक्ष्मण रेखा का पालन करने की अपील की। सोमवार को सभापति के तौर पर पहली बार सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे राधाकृष्णन ने अपने पहले भाषण में सदस्यों से संस्थानों का सम्मान करने और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का भी आह्वान किया।

तीन नवनिर्वाचित सांसदों ने राज्यसभा में शपथ ली

नई दिल्ली। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से राज्यसभा के लिए नवनिर्वाचित तीन सदस्यों को सोमवार को सभापति सीपी राधाकृष्णन ने शीतकालीन सत्र के पहले दिन शपथ दिलाई। चौधरी मोहम्मद रमजान, सज्जाद अहमद किचलू और गुरविंदर सिंह ओबेरॉय समेत तीनों सदस्य सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेस के हैं।

रेणुका चौधरी कुत्ते के साथ संसद पहुंचीं, विवाद खड़ा हुआ

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी सोमवार को अपनी कार में एक आवारा कुत्ते को लेकर संसद पहुंच गईं जिससे विवाद खड़ा हो गया और सत्तापक्ष के सांसदों ने उन पर नाटक करने का आरोप लगाया। विवाद के बीच रेणुका ने कहा कि जो लोग अंदर बैठे हैं वो काटते हैं, कुत्ते नहीं काटते। उनका कहना था कि वह आवारा जानवर को उठाकर पशु चिकित्सक के पास ले जा रही थीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं और उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आवारा कुत्ते को बचाने के खिलाफ कोई कानून नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

सीमा पर 10,000 से अधिक बांग्लादेशी पकड़े गए: बीएसएफ

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की पूर्वी कमान ने सोमवार को कहा कि पिछले एक साल में सीमापार से घुसपैठ करने या देश से बाहर जाने का प्रयास करते समय 10,263 बांग्लादेशियों को पकड़ा। सुरक्षा बल ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या घुसपैठ रोधी उपायों में की गई वृद्धि दर्शाती है, विशेष रूप से बांग्लादेश में अशांति के दौरान, जब बीएसएफ के जवानों ने अवैध प्रवासियों को भारत में प्रवेश करने से रोकने के लिए कड़ी निगरानी की।

वाणिज्यिक एलपीजी की दरें घटीं

नई दिल्ली। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 5.4 प्रतिशत की सोमवार को वृद्धि की गई, जबकि वाणिज्यिक रसोई गैस की कीमतों में 10 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने वैश्विक रुझानों के अनुरूप मासिक मूल्य संशोधन की घोषणा की है। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में विमान ईंधन की कीमतें 5,133.75 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़कर 99,676.77 रुपये प्रति किलोलीटर हो गईं। यह तीसरी मासिक वृद्धि है। एक नवंबर को कीमतों में करीब एक प्रतिशत और एक अक्टूबर को 3.3 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी।

पराली जलाने को दोष नहीं दे सकते वायु प्रदूषण के कई अन्य कारक

नई दिल्ली, एजेंसी

- **शीर्ष कोर्ट ने कहा- प्रदूषण संकट पर सर्दियों में केवल रस्मी सुनवाई नहीं, नियमित निगरानी की जरूरत**
- **अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान के के लिए महीने में दो बार होगी सुनवाई**

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सुनवाई को केवल सर्दियों के महीनों में 'रस्मी' सुनवाई के तौर पर नहीं देखा जा सकता है, और इस समस्या के अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए महीने में दो बार सुनवाई की जाएगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सामान्य विमर्श में एक अहम बदलाव करते हुए कहा, पराली जलाने का मुद्दा अनावश्यक रूप से राजनीतिक मुद्दा या अहम का मुद्दा नहीं बनना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने दिल्ली- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण के लिए पराली जलाने को मुख्य कारण बताए जाने पर सवाल उठाते हुए पूछा, कोविड के दौरान पराली जलाई जा रही थी, लेकिन फिर भी लोगों को साफ नीला आसमान क्यों दिखाई दे रहा था? इससे ज्ञात होता है कि इसके पीछे अन्य कारक भी हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत के स्वयं का पैतृक निवास हरियाणा के हिसार में स्थित है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम पराली जलाने पर टिप्पणी नहीं करना चाहते, क्योंकि इसका बोझ उन लोगों (किसानों) पर डालना गलत है, जिनका इस न्यायालय में बहुत कम प्रतिनिधित्व है। प्रधान न्यायाधीश ने तात्कालिक और दीर्घकालिक उपायों में स्पष्टता की मांग करते हुए केंद्र से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य के विशिष्ट कदमों को बताने को कहा ताकि वह जान सके कि वायु प्रदूषण के खतरे से निपटने के लिये क्या अल्पकालिक और दीर्घकालिक कदम उठाए गए। शीर्ष अदालत ने इसी के साथ मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 दिसंबर की तारीख तय की।

डिजिटल अरेस्ट मामलों में तुरंत एक्शन ले सीबीआई

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने सीबीआई को देशभर में डिजिटल अरेस्ट घोटाले की एकीकृत जांच का सोमवार को निर्देश दिया और आरबीआई से पूछा कि वह साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे बैंक खातों का पता लगाने और उन्हें फ्रीज करने के लिए एआई का इस्तेमाल क्यों नहीं कर रहा है? प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति बागची की पीठ ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना सहित गैर-राजग शासित सभी राज्य सरकारों से कहा कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में डिजिटल अरेस्ट के मामलों की जांच के लिए सीबीआई को अनुमति दें। शीर्ष अदालत ने हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति की शिकायत पर स्वत: संज्ञान वाले मामले में निर्देश पारित करते हुए कहा कि साइबर अपराधी ज्यादातर वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाते हैं और उनकी गाढ़ी कमाई हड़प लेते हैं।

एनआईए ने लखनऊ में कई घंटे खंगाला डॉ. शाहीन का घर, डिजिटल सामग्री की जब्त

दिल्ली विस्फोट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। दिल्ली लाल किला मेट्रो स्टेशन के बाहर हुए बम धमाके की मास्टर माइंड डॉ. शाहीन शाहिद के खंदारी बाजार स्थित आवास पर सोमवार को एनआईए की टीम पहुंची। एनआईए के अधिकारियों ने यहां करीब छह घंटे तक पूरे घर की तलाशी ली। वहीं, भाई व पिता से लगातार पूछताछ की गई। तलाशी के दौरान घर के अंदर से कई दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस बरामद हुए। जिनको जांच टीम साथ लेकर गई।

- **खंदारी बाजार में छह घंटे तक रही एनआईए की टीम**

इसके पहले टीम के आने की सूचना मिलते ही पर इलाके में भारी पुलिस तैनात कर दिया गया था। खंदारी बाजार की कई गलियों में आवागमन पर रोक लगा दी गई थी। टीम में फोरेंसिक विशेषज्ञ समेत आठ सदस्य शामिल थे। इसके अलावा दो अन्य टीमें भी लखनऊ के कई इलाकों में जांच कर रही थीं।

एनआईए ने कश्मीर में आठ स्थानों पर छापे मारे

नगर। एनआईए ने पुलवामा, शोपियां और कुलगाम जिलों में कई स्थानों पर छापेमारी की। टीम ने शोपियां में मौलवी इरफान अहमद वागे के आवास पर छापा मारा। वागे का नाम कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल में लोगों की शामिल करने के मुख्य साजिशकर्ता के रूप में उभरा है। उसे अक्टूबर में पुलिस ने गिरफ्तार किया था और एनआईए ने कार विस्फोट मामले की जांच अपने हाथ में लेने के बाद उसे हिरासत में ले लिया था।

पछुआ पवन ने ठिठुराया प्रदेश में गिरा तापमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में पछुआ पवन के चलते तापमान तेजी से गिर रहा है। कई जिलों में सोमवार को मौसम बदला है, लखनऊ, कानपुर, इटावा, बरेली में मध्यम शीतलहर की स्थिति है। इस बीच कई शहरों में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस से नीचे जाने की संभावना है। वहीं, चक्रवात दित्वाह के असर से कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश की भी आशंका है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक अब पछुआ हवा की रफ्तार बढ़ेगी और ठंड का प्रभाव तेजी पकड़ेगा। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, हाल के दिनों में सक्रिय रहे दो पश्चिमी विक्षोभ अपना प्रभाव खो चुके हैं। जिसके चलते प्रदेश में ठंडी और सूखी पछुआ, उत्तर-पश्चिमी हवाएं तेज होने लगी हैं। अगले तीन–चार दिनों में तापमान में 2C से 4C तक गिरावट की संभावना है। जिसके साथ ठिठुरन और कोहरे का असर दिखेगा।

लखनऊ में धूप तो निकली, मगर पछुआ हवाओं ने उसकी गर्माहट को कमजोर कर दिया। हवा के झोंकों में ठंडक तेज रही और दोपहर में भी हल्की सिहरन महसूस होती रही। आने वाले दिनों में सुबह और शाम दोनों समय ठंड और गलन का असर साफ महसूस होगा। लखनऊ में हवा की गुणवत्ता की बात करें तो रविवार रात सात बजे एक्यूआई 200 के पार दर्ज किया गया, जो स्वास्थ्य के लिए खराब श्रेणी में आता है।

बरेली में सोमवार को न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मुरादाबाद में सोमवार को न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दिन में तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है, जबकि रात में यह 11.2 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की उम्मीद है।

- **कई जिलों में बदला मौसम, कानपुर, इटावा, बरेली में शीतलहर**
- **कई शहरों में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंचा**

आचार संहिता को कानूनी रूप देने से इसे लागू करने में आएगी रुकावट: विधि आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

- **संसद की संयुक्त समिति को दी अपनी राय**

विधि आयोग ने कहा है कि आदर्श आचार संहिता लागू करने के लिए कानून लाने से चुनावों के दौरान इसके क्रियान्वयन में रुकावट आएगी और हो सकता है कि निर्वाचन आयोग की शक्ति कम हो जाए, जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और समय पर चुनाव कराने के अनुकूल नहीं होगा।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से जुड़े विधेयकों का अध्ययन कर रही संसद की संयुक्त समिति को दी गई अपनी राय में, विधि आयोग ने कहा कि आदर्श आचार संहिता की 'सबसे बड़ी ताकत' इसकी तेजी से सुधार करने की क्षमता में है।

उसने कहा, चुनाव सख्ती से समय पालन करते हुए होते हैं, जिसके कारण उल्लंघन पर कुछ दिन या घंटों के भीतर ही ध्यान देना होता है, ताकि चुनावी प्रक्रिया को ऐसा नुकसान न हो जिसकी भरपाई ही न हो सके। विधि आयोग ने कहा कि अगर आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) वैधानिक हो जाती है, तो उल्लंघन के बाद औपचारिक कानूनी कार्रवाई शुरू हो जाएगी, जिससे न्यायिक पड़ताल शुरू हो सकती है।

2001 में भी आयोग ने ऐसा ही पक्ष रखा था

आयोग ने चेतावनी दी कि फैसले की प्रक्रिया हमेशा तेज, निर्णायक और असल कार्रवाई की जरूरत को पूरा नहीं कर सकती। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने याद दिलाया कि 2001 के आसपास, जब आयोग से चुनाव सुधार के बारे में पूछा गया था, तो उसने ऐसा ही पक्ष रखा था। विधि आयोग ने कहा कि मौजूदा प्रणाली निर्वाचन आयोग को अनुच्छेद 324 के तहत अपनी संपूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल करके बिना किसी प्रक्रियागत देरी के समय पर दखल देने की इजाजत देती है।

निर्देश | मुख्यमंत्री योगी ने कहा- धान उठान, मिल मैपिंग की प्रक्रिया और सरल होगी

धान खरीद के बाद भुगतान में देरी नहीं करेंगे बर्दाश्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि धान क्रय केंद्र पर आने वाले प्रत्येक किसान का धान खरीदा जाए और भुगतान समय पर सीधे उनके खाते में पहुंच जाए। चेतावनी दी कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने धान उठान, मिल-मैपिंग और अन्य प्रक्रियाओं को और सरल बनाने पर भी जोर दिया, ताकि खरीद सुचारु और निरंतर गति में बनी रहे।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को आवास पर शासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ धान खरीद की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि धान खरीद की गति तेज हो और किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष कॉमन धान का एमएसपी 2369 रुपये और ग्रेड-ए का 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 69 रुपये अधिक है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि 30 नवंबर तक 1,51,030 किसानों से 9.02 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है और 1,984 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी गई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी।

आंगनबाड़ी में फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति के निर्देश : मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि मिड-डे मील और आंगनबाड़ी केंद्रों में फोर्टिफाइड चावल की सप्लाई निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जाए। इसके लिए पर्याप्त उपलब्धता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एफआरके सप्लाई सुचारु रखने हेतु वेंडरों की संख्या बढ़ाई जाए और तकनीकी अड़चनों का तत्काल समाधान किया जाए। बैठक में बताया गया कि अब तक लगभग 2,130 मीट्रिक टन एफआरके गुणवत्ता परीक्षण में उत्तीर्ण हुआ है।

- **1,984 करोड़ रुपये किसानों के खातों में ट्रांसफर, सीएम ने सभी किसानों का धान खरीदने का दिया निर्देश**

खाद-बीज की कमी नहीं होनी चाहिए

बैठक में खाद और बीज की उपलब्धता पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी जिले में खाद या बीज की कमी नहीं होनी चाहिए और किसानों को दोनों वस्तु आसानी से उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग स्टॉक और आपूर्ति की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करें।

धान क्रय केंद्रों की संख्या होगी 5 हजार

राज्य कुल 4,227 खरीद केंद्र संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि क्रय केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 5000 की जाए, ताकि किसानों को अपने गांव-कस्बे के निकट ही सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने खरीद केंद्रों पर आवश्यकता के अनुसार मैनपावर बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र पर भीड़ न लगे और किसानों को वापस न जाना पड़े, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

परामर्श केंद्र पर दंपती में कराया समझौता

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुलिस लाइन परिसर में परिवार परामर्श केंद्र पर 10 पत्रावली की सुनवाई की गई, जिसमें एक दंपती का समझौता हुआ। रोजा थाना क्षेत्र की एक दंपती जिनकी शादी को छह माह हो गए है। महिला 20 दिन से मायके में रह रही है। आरोप है कि मायके में फोन से बात करती है तो पति मारता-पीटता है। इसी कारण नाराज होकर मायके चली आई। दोनों को परामर्श केंद्र पर बुलाया गया और आपस में बातचीत कराई गई। दोनों एक साथ रहने को तैयार हो गए। प्रभारी मधु यादव, सिपाही चंद्रकांता, बबिता, मोनिका आदि मौजूद रही।

आरएसएस ने चलाया गृह संपर्क अभियान

तिलहर, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने सह विभाग कार्यवाह रघुवीर सहाय के नेतृत्व में गृह संपर्क अभियान चलाया। रविवार की देर शाम गुरुनानक बस्ती में कार्यकर्ताओं ने हिंदू परिवारों से संपर्क किया और चित्र वितरित किए। सह विभाग कार्यवाह ने बताया आरएसएस राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाला संगठन है और सदैव राष्ट्रहित के लिए कार्यकर्ता है। संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। इसे लेकर प्रत्येक हिंदू परिवार तक भारत माता का चित्र और संघ का साहित्य पहुंचाया जा रहा है। इस दौरान अतुल, पीयूष राठौर, अनुराग मोहन, आदित्य मोहन गटनायक, आकर्ष राठौर आदि मौजूद रहे।

घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप

सिंधौली, अमृत विचार : नव भारती किसान यूनियन संगठन (अराजनैतिक) के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार उर्फ सोनू मिश्रा ने गत सप्ताह खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन देकर ग्राम पनवड़ी में ग्राम प्रधान द्वारा खड़ंजे की पुरानी ईंट उखाड़ कर और पिला ईंट सहित घटिया समग्री का इस्तेमाल किए जाने को लेकर शिकायत की थी। जिस पर खंड विकास अधिकारी ओमप्रकाश ने जांच हेतु त्रिस्तरीय कमेटी गठित कर तीन दिवस के अंदर रिपोर्ट प्रेषित करने के लिए आदेश जारी किया।

नाटक और रैली से एचआईवी से बचने का दिया संदेश

विश्व एड्स दिवस पर वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय ने चलाया अभियान, लाल रिबन मानव श्रृंखला बनाकर किया लोगों को जागरूक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

विश्व एड्स दिवस पर बंथरा में निकाली गई विशाल रैली में लाल रिबन बनाकर जागरुकता का संदेश देते विद्यार्थी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः विश्व एड्स दिवस पर वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज, रोहिलखंड अस्पताल और वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय के पैरामेडिकल कॉलेज की बंथरा क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह पहल एचआईवी-एड्स से जुड़े भ्रम, डर और सामाजिक भेदभाव को मिटाने की दिशा में एक सामूहिक प्रयास रही।

कार्यक्रम की शुरुआत पैरामेडिकल छात्रों की ओर से नुक्कड़ नाटक से हुई, जिसमें एक एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के संघर्षों को दर्शाते हुए संक्रमण के मुख्य कारणों, लक्षणों और बचाव उपायों को प्रभावी रूप से बताया गया। छात्रों ने स्पष्ट रूप से समझाया कि एड्स न तो स्पर्श से और न ही हवा से फैलता है, बल्कि रक्त, वीर्य, योनि स्राव और स्तन दूध के माध्यम से फैलता है। कंडोम के उपयोग, सुरक्षित सुइयों, जांच और प्री-एक्सपोजर प्रोफिलैकिस पर जोर दिया गया।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य और डीन डॉ. आरएन शुक्ला ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का मजबूत आधार हैं। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. धर्मेन्द्र गुप्त ने कहा सही जानकारी ही एचआईवी से बचाव की सबसे प्रभावी ढाल है। क्वालिटी ऑफिसर डॉ. शिवानी गुप्ता ने बताया समय पर जांच, नियमित एआरटी और सामाजिक सहयोग के साथ एचआईवी के साथ जीवन सहज संभव है। विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल, कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल और प्रो वाइस चांसलर डॉ. लेखराज वर्मा ने भी जागरूकता को समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया।

कॉलेज ऑडिटोरियम में डॉ. दानिश द्वारा आयोजित विशेष सेमिनार में एचआईवी के कारण, लक्षण, निदान, उपचार एवं एआरटी की आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की गई। छात्रों को समाज में सही जानकारी पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके बाद रैली निकाली गई, जो रोहिलखंड अस्पताल से होते हुए आसपास के गांवों और बाजारों तक पहुंची। छात्रों और डॉक्टरों ने लाल रिबन, बैनर और संदेश-पट्टिकाएं लेकर एचआईवी के खिलाफ लोगों को जागरूक किया। रैली का सबसे प्रेरक क्षण वह रहा जब बच्चों एवं छात्रों ने मानव श्रृंखला बनाकर विशाल लाल रिबन का आकार दिया, जिसने जागरूकता और एकता का मजबूत संदेश दिया। रैली के दौरान "एड्स नहीं है अंत, जागरूकता है संत" और "जांच कराओ, डर मिटाओ" जैसे नारों से माहौल गूंज उठा।

रोहिलखंड अस्पताल परिसर में निःशुल्क जांच एवं परामर्श शिविर में लोगों ने उत्साह से भाग लिया। विश्वविद्यालय के आरएचटीसी और यूएचटीसी में भी चिकित्सकों ने विस्तृत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों और लघु प्रस्तुतियों ने माहौल को जागरूकता एवं संवेदना से भर दिया। सभी ने सामूहिक शपथ लेकर एड्स के खिलाफ संघर्ष, भेदभाव खत्म करने और सही जानकारी फैलाने का संकल्प लिया।

विश्व एड्स दिवस पर निकाली जागरुकता रैली

शाहजहांपुर, अमृत विचार : विश्व एड्स दिवस पर एचआईवी-एड्स के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रैली निकाली गई। कलेक्ट्रेट से शुरू हुई रैली को सीडीओ अपराजिता सिंह सिनसिनवार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली विश्व एड्स दिवस 2025 की थीम "बाधाएं दरकिनार-एचआईवी पर सशक्त प्रहार" के संदेश वाले बैनर-पोस्टरों के साथ निकाली गई। रैली कलेक्ट्रेट से चलकर सीएमओ कार्यालय परिसर में पहुंचकर समाप्त हुई। इसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हाथों में जागरूकता संदेश लिखे बैनर और पोस्टर लेकर भागीदारी की। आर्य महिला इंटर कॉलेज, स्काउट गाइड बैंड, बेसिक शिक्षा विभाग, जनता इंटर कॉलेज, आर्य महिला डिग्री कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, देवी प्रसाद इंटर कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज, जीआईएफ कॉलेज तथा सार्वजनिक ग्रामीण विकास संस्थान टीआई शाहजहांपुर के प्रतिभागी रैली में शामिल हुए। इसके अलावा समस्त एनएसीपी स्टाफ और विभिन्न एनजीओ के प्रतिनिधि भी रैली के साथ जुड़े। अभियान के दौरान लोगों को एचआईवी-एड्स की रोकथाम, बचाव और जागरूकता के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सीएमओ डॉ. विवेक कुमार मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

उर्से लियाकती आज से, तैयारियां पूरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : तिलहर में हजरत मौलाना लियाकत हुसैन फाजिले तिलहर का 28वां सालाना दो दिवसीय उर्स शरीफ मंगलवार से शुरू होगा। सज्जादानशीन हाजी मोहम्मद स्वालेह कादरी उर्फ शद्दन मियां की देखरेख में सालाना उर्स मोहल्ला कांकड़ स्थित मस्जिद व दरगाह शरीफ पर कुरआन ख्वानी व गुलपोशी और चादरपोशी के साथ उर्स शुरू होगा। बाद नमाज ए इशा रात 9 बजे से जलसा शुरू होगा। जिसमें मुफ्ती सुल्तान रजा बहराइची, मुफ्ती जीशान रजा कादरी पूरनपुर, मौलाना अशहद रजा पलिया, मौलाना नाजिम रजा बदायूंनी, अफजल रजा शम्साबाद, रिजवान रजा उड़ीसा, मौलाना अकीलुर्रहमान रजा को आमंत्रित किया गया है। उर्स का कुल शरीफ 3 दिसंबर को सुबह 9:45 बजे को होगा। जिसमें मुफ्ती एहसन रजा खां कादरी सज्जादानशीन खानकाह रजविया बरेली शरीफ और मौलाना सैयद लकाउल अमीन काजमी सज्जादानशीन खानकाह काजमिया अमरोहा शिरकत करेंगे।

संस्कृत बोर्ड के लिए जिले में बनाए गए दो परीक्षा केंद्र

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : जिले में उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत बोर्ड की परीक्षा के लिए दो परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा में जिले के 16 संस्कृत विद्यालयों के लगभग 438 छात्र सम्मिलित होंगे। परीक्षा को नकल विहीन कराने के लिए डीआईओएस ने सभी 16 संस्कृत विद्यालयों के प्रबंधकों तथा प्रधानाचार्य की मंगलवार को बैठक बुलाई है।

प्रभारी डीआईओएस अनिल कुमार ने बताया के जिले में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षाओं की तरह ही संस्कृत परीक्षाओं को लेकर भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। माध्यमिक संस्कृत परीक्षाएं फरवरी के तीसरे सप्ताह में कराई जाएं। इस परीक्षा के लिए जलालाबाद में काकोरी शहीद इंटर कॉलेज और महानगर शाहजहांपुर में क्रिश्चियन गर्ल्स इंटर कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा की तीन सदस्यीय कमेटी में डीआईओएस, बीएसए और प्रधानाचार्य जीआईसी शामिल होंगे। इंचार्ज डीआईओएस अनिल कुमार ने बताया कि बैठक में संस्कृत विद्यालयों के प्रबंधकों व प्रधानाचार्यों को परीक्षा कराने के सम्बंध में बोर्ड के आवश्यक दिशा निर्देश बताए जाएंगे। फ्लाइंग स्क्वायड भी बनाया जाएगा। ताकि परीक्षा की शुचिता सुरक्षित बनी रहे।

कैडेट्स ने रैली निकाल किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

विश्व एड्स दिवस पर जागरुकता रैली निकालते छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

अमृत विचारः जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाहजहांपुर ने विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता शिविर का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में किया गया।

यह कार्यक्रम जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विष्णु कुमार शर्मा के निर्देशानुसार हुआ। शिविर की अध्यक्षता सीडीओ डॉ अपराजिता सिंह सिनसिनवार ने की।

सीडीओ और सीएमओ ने जागरुकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के साथ एनसीसी के कैडेट और स्काउट-गाइड के छात्र भी शामिल हुए। रैली के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में जागरुकता शिविर आयोजित हुआ, जिसमें जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कुमार शर्मा और डॉ. पीपी श्रीवास्तव ने विश्व एड्स दिवस के विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए उपस्थित लोगों को विभिन्न पहलुओं पर जागरुक किया। पीएलवी अनिल कुमार वर्मा ने एड्स दिवस से संबंधित जानकारी दी। शिविर में पीएलवी राकेश कुमार, आशा कार्यकत्री तथा स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

जन समस्याओं को लेकर राष्ट्रवादी पार्टी ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

ज्ञापन देते राष्ट्रवादी पार्टी कार्यकर्ता।

अमृत विचार : राष्ट्रवादी पार्टी के मंडल प्रभारी आचार्य सुभाष पांडेय के नेतृत्व में जन समस्याओं को लेकर कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। साथ ही मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को दिया। ज्ञापन में मांग उठाई गई कि महानगर में प्रतिदिन लगने वाले जाम से मुक्ति दिलाईजाए। जनपद में यूरिया की कालाबाजारी रोकी जाए। छुट्टा पशुओं को गौशाला में भेजने की व्यवस्था की जाए। शहर के अंदर टूटी हुई सड़कों की अति शीघ्र मरम्मत करने की मांग भी की गई। ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह चंदेल, मंडल प्रभारी आचार्य सुभाष पाण्डेय, मण्डल सह प्रभारी दिलीप सिंह, जिलाध्यक्ष एससी एसटी प्रकोष्ठ रामवीर कठेरिया, जिला महासचिव गोविन्द सिंह चौहान, जिला सचिव अर्पित सिंह, उदयवीर सिंह, दयाराम, रामदीन, राजबहादुर आदि मौजूद रहे।

आज का मौसम

26.6°
अधिकतम तापमान
11.1°
न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.47
सूर्यास्त 05.15

सांड़ से टकराकर बाइक सवार की मौत

ममेरी बहन की शादी से लौटते समय देर रात युवक की हादसे में गई जान, घर में मचा कोहराम

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः मदनापुर क्षेत्र में फाजिलपुर गांव के सामने बरात से लौट रहे एक व्यक्ति की बाइक छुट्टा पशुओं (सांड़)से टकरा गई जिससे बाइक सवार घायल हो गया। घायल को मदनापुर सीएचसी पर भेजा गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक रवि रतन।

मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव गांव गिरधरपुर निवासी 38 वर्षीय रवि रतन अपने मामा की लड़की की शादी में शामिल होने के लिए कांट थाना क्षेत्र के गांव कुतुआपुर गए थे। उनके मामा की लड़की की शादी रविवार को थी। रविवार को शादी होने के बाद देर रात बाइक से कांट से मदनापुर अकेले लौट रहे थे। मदनापुर-बुधवाना रोड पर फाजिलपुर गांव के सामने छुट्टा पशुओं से उनकी बाइक अचानक टकरा गयी, जिससे बाइक सवार रवि रतन घायल हो गए। राहगीरों ने मदनापुर थाना को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सीएचसी पर भेज दिया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिवार वालों को सूचना दी। परिवार सीएचसी पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की। मृतक रवि रतन खेती बाड़ी करते थे। उसकी पत्नी का नाम ममता यादव, छोटा बेटा लविश है। दो भाइयों में बड़ा था और उसकी मां का नाम द्रोपदी है। मृतक के पिता बेसुध हो गए। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अब तक छुट्टा पशुओं से जा चुकी लोगों की जान

- मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव ककरौआ निवासी मीना देवी की छुट्टा पशुओं से जान जा चुकी है।
- कांट थाना क्षेत्र के गांव जमौर गौटिया निवासी अखिलेश की बाइक छुट्टा पशुओं से टकराने पर मौत हो चुकी है।
- सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के गांव हंसुआ जाजू निवासी छोटे लाल की बाइक छुट्टा पशुओं से टकरा जाने पर सरकारी अस्पताल में मौत हो गयी थी।
- पुवायां थाना क्षेत्र में साड़ के आपस में लड़ने से लखीमपुर खीरी के बाइक सवार अनिल की मौत हो चुकी है।
- अल्हागंज थाना क्षेत्र में सुनसुनी मोड़ पर छुट्टा पशुओं से बाइक टकरा जाने से बाइक सवार मनीराम की मौत हो चुकी है।

सड़क पर घूम रहे छुट्टा पशु

जिला प्रशासन ने दावा किया था कि सड़क पर छुट्टा पशु नजर नहीं आएंगे। शहर और हाईवे व स्टेट हाइवे पर खुले आम छुट्टा पशु घूमते देखे जा सकते है। खेत पर फसल चर जाने पर किसान काफी परेशान है। रात में सड़क पर छुट्टा पशु बैठे रहते है, जिससे आए दिन बाइक सवार टकराकर अपनी जान दे चुके है। रात में सड़कों पर अंधेरा होने के कारण सड़क पर पशु नजर नहीं आते है। प्रशासन का छुट्टा पशुओं को पकड़कर गौशाला में भेजने का दावा खोखला साबित हो रहा है।

बाइक ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर तीन घायल

कलान, अमृत विचार : कलान थाना क्षेत्र के गांव बाराकला मार्ग पर सोमवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। दसिया निवासी दिव्यांग सुखपाल, जो ई–रिक्शा चलाकर जीविकोपार्जन करता है, लगभग 3 बजे गांव की ओर लौट रहा था। रास्ते में ब्रह्मदेव महाराज के पड़ोस के पास पहले बाइक और साइकिल की भिड़ंत हुई, जिसके बाद साइकिल सवार मौके से भाग गया। इसी दौरान वहां पहुंचे दिव्यांग सुखपाल के ई–रिक्शा पर दो सवारियां थीं, जिन्हें किसी प्रकार की चोट नहीं आई। टक्कर के तुरंत बाद बाइक अनियंत्रित होकर ई–रिक्शा से जा भिड़ी, जिससे ई–रिक्शा पलट गया। हादसे में बाइक सवार अशोक सिंह और उनकी पत्नी विमलेशा देवी गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि ई–रिक्शा चालक दिव्यांग सुखपाल भी घायल हुआ। तीनों घायलों को एंबुलेंस की सहायता से कलान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उपचार के बाद सभी को छुट्टी दे दी गई।

नशे में धुत्त बाइक चालक ने दो को मारी टक्कर

तिलहर, अमृत विचार : नशे में धुत बाइक सवार ने हाईवे किनारे खड़े बाइक सवारों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें सीएचसी पहुंचाया। जहां से एक वृद्ध को मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। सोमवार शाम 4:45 बजे नगर के मोहल्ला घेर चौबा निवासी रामपाल (60) भतीजे सूरज के साथ बाइक से गांव बिलहरी जा रहे थे। सूरज ने बताया कि बिलहरी मोड़ पर वह बाइक खड़ी करके रूका था कि पीछे से आर रहे बाइक सवार युवक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में रामपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दूसरा बाइक सवार गांव हरनोखा निवासी जगवीर उर्फ कल्लू पुत्र जगतपाल भी चोटिल हो गया।

हिस्ट्रीशीटर शराब माफिया को पुलिस ने भेजा जेल

पुलिस हिरासत में आरोपी। ● अमृत विचार

संवाददाता, खुटार

- हिस्ट्रीशीटर के पांच साथियों की पुलिस कर रही तलाश

अमृत विचारः खुटार पुलिस ने रविवार को कच्ची शराब के खिलाफ अभियान चलाते हुए दिउरिया जंगल झुकना नदी के किनारे से सुजानपुर निवासी रंजीत सिंह को कच्ची शराब निकालने हुए पकड़ा था। जिसके पास 50 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई थी व 400 लीटर लहन भी बरामद हुई थी। जिसे पुलिस ने मौके पर ही नष्ट कर दिया था। पुलिस टीम के पहुंचने पर रंजीत के साथी कश्मीर सिंह, सुरजीत सिंह उर्फ छैनी, चमन सिंह निवासी मेनिया, बलजीत सिंह उर्फ बल्ली निवासी सुजानपुर, गुरुमीत सिंह उर्फ बब्बू निवासी मंडनपुर पुलिस को चकमा देकर मौके से भाग गए। सभी आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट व हिस्ट्रीशीटर के लगभग दो दर्जन मुकदमे अलग-अलग थानों में दर्ज हैं जो कोर्ट में विचाराधीन चल रहे हैं। थाना प्रभारी आरके रावत ने बताया कि बहुत जल्द फरार पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

कलान में बिजली व्यवस्था लड़खड़ाई

कलान, अमृत विचार : क्षेत्र में बिजली व्यवस्था लड़खड़ाई हुई है, यहां विभाग के कर्मचारी मनमाना रवैया अपना रहे हैं। कलान टाउन की बिजली सुबह 4 के बाद चली गई, जो पांच घंटे बाद सुचारू हो सकी। बताया जाता है कि स्टेट हाईवे मुरादाबाद फर्रुखाबाद बिजली घर के पास ही एक चक्की के पास लाइन में फाल्ट हो गया। जिसको ठीक करने में बिजली कर्मियों कोपांच घंटे से ज्यादा का समय लगा। स्थानीय लोगों ने नगर में बिजली व्यवस्था सुचारू किए जाने की मांग की है।

घर में घुसकर किशोरी से की छेड़खानी

कलान, अमृत विचार : एक ग्रामीण ने थाने पर तहरीर देकर बताया उसके घर में रविवार रात परिवार का कोई सदस्य नहीं था और उसकी पुत्री घर पर अकेली थी। मौका पाकर एक युवक घर में घुस गया और बेटी से छेड़खानी करने लगा। उसने थाना प्रभारी प्रभाष चंद्र से रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी पर कार्रवाई की मांग की है।

हादसे में बाइक सवार चाचा-भतीजा घायल

तिलहर अमृत विचार : शादी समारोह में शामिल होकर बाइक से घर जा रहे हैं चाचा– भतीजा गन्ने से भरी ट्राली में टकरा गए। जिससे दोनों घायल हो गए। लोगों ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। फतेहगंज निवासी कमलेश कुमार एक शादी समारोह में शाहजहांपुर भतीजे राजेश के साथ रविवार को शामिल होने आए थे। सोमवार की सुबह वह घर वापस बाइक से जा रहे थे। तभी रास्ते में कपसेड़ा गांव से पहले हाईवे पर खड़ी गन्ने से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली में उनकी बाइक टकरा गई। जिससे दोनों लोग घायल हो गए। लोगों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया और परिवार को सूचना दी।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- सद्भावना एक्सप्रेस 25 मिनट खड़ी रही, शव की शिनाख्त नहीं

अमृत विचारः तेल टंकी मोड़ पर पुल के नीचे रेल लाइन पार करते समय सद्भावना एक्सप्रेस की चपेट में आकर महिला की मौत हो गई। लोको पायलट ने कंट्रोल रूम और स्टेशन मास्टर को सूचना दी। जीआरपी मौके पर पहुंची और महिला के शव को रेलवे लाइन के किनारे किया। ट्रेन करीब 25 मिनट खड़ी रही।

सद्भावना एक्सप्रेस रविवार की रात 9 बजकर 15 मिनट पर लखनऊ से शाहजहांपुर आ रही थी। पुलिस चौकी अशफाकनगर के पीछे रेलवे पुल के नीचे से एक महिला रेलवे लाइन पर करके तेल टंकी मोड़ की ओर जा रही थी। ट्रेन की चपेट में आकर महिला नीचे गिर गया और सिर में चोट लगने पर घायल हो गई। लोको पायलट ने ट्रेन को रोकर कंट्रोल और स्टेशन मास्टर को सूचना दी कि एक महिला ट्रेन टकराकर घायल हो गई है। स्टेशन मास्टर ने जीआरपी को मेमो दिया। जीआरपी व आरपीएफ मौके पर पहुंची और घायल महिला को रेलवे ट्रैक से हटाया। जीआरपी घायल महिला को लेकर थाना पर आई। रेलवे अस्पताल की टीम ने महिला को देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। महिला की उम्र करीब 32 साल है। जीआरपी ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया और शव की शिनाख्त नहीं हो पायी। ट्रेन करीब 25 मिनट खड़ी रही। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि महिला के शव की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

रोडवेज बस में जेवर और नकदी समेत लाखों की चोरी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः रोडवेज बस अड्डे पर एक दंपती का बस के अंदर से नकदी, जेवर, साड़ी समेत लाखों रुपये का बैग चोरी हो गया। दंपती हरदोई जाने वाली बस में सवार हुए थे। सदर बाजार पुलिस ने बस अड्डे पर सीसीटीवी कैमरे चेक किए। कैमरे एक युवक बस के अंदर खाली हाथ चढ़ा है और बैग लेकर उतर रहा है। दंपती ने सदर बाजार थाना पर तहरीर दी है।

सदर बाजार थाना गेट के बाहर पीड़ित परिवार। ● अमृत विचार

- दंपती शादी से लौट रहे थे, हरदोई जाने के लिए बस में हुए सवार

हरदोई जिले के थाना बेहटा गोकुल के गांव सिरामननगर निवासी बाल कृष्ण बाजपेई अपनी पत्नी लता बाजपेई और भाभी कूपरा देवी के साथ बरेली रिश्तेदारी में एक शादी में गए थे। उन्होंने त्रिवेणी एक्सप्रेस इज्जतनगर रेलवे स्टेशन से पकड़ी और दोपहर साढ़े 12 बजे रेलवे स्टेशन पर उतर गए। वह परिवार समेत ई-रिक्शे से रोडवेज बस अड्डे पर पहुंचे। उन्होंने हरदोई जाने वाली रोडवेज बस में अपना बैग रख दिया और अपनी पत्नी व भाभी को सीट बैठाकर पानी बोतल लेने दुकान पर आ गए। वह पांच मिनट बाद बस के अंदर गए तो बैग दिखायी नहीं दिया। उन्होंने अपनी पत्नी और भाभी से पूछा बैगके बारे में कुछ जानकारी नहीं मिली। उन्होंने बस के अंदर तलाश किया और बैग नहीं मिला।

इस दौरान कर्मचारियों और यात्रियों की भीड़ लग गयी। उन्होंने बैग चोरी की सूचना थाना सदर बाजार में दी। उन्होंने बताया कि बेग में 10 हजार रुपये, दो जेंट्स सोने की अंगूठी, तीन लेडिज अंगुठी, एक सोने का मंगल सूत्र, सोने के एक जोड़ी झाले, कीमती साड़ी आदि सामान था। उन्होंने बताया कि नगदी, जेवर समेत बैग करीब सात लाख रुपये का सामान था। पुलिस रोडवेज में सीसीटीवी कैमरे चेक किए और कैमरे एक युवक आफ स्वेटर पहने बैग लेकर उतर रहा है और बस में खाली हाथ चढ़ा था। पुलिस फुटेज को मोबाइल में ले लिया है। प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश सिंह ने बताया कि तहरीर मिल गयी और जांच की जा रही है।

पुलिस की पिकेट ड्यूटी रहती है

रोडवज परिसर में सदर बाजार से सिपाही और होमगार्ड की चौबीस घंटे पिकेट ड्यूटी रहती है। बताते है ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मचारी बस अड्डे परिसर में न होकर सड़क पर खड़े रहते है। इसके अलावा ट्रैफिक सिपाही भी रहते है। रोडवेज के के सामने सड़क की पटरी पर ठेले आदि खड़े होने से जाम लग जाता है। लोगों को निकलने में दिक्कत होती है।

टैक्सी स्टैंड बना असामाजिक तत्वों का अड्डा

रोडवेज बस अड्डे से कुछ दूरी पर छावनी का टैंक्सी स्टैंड बना है। जहां पर अवैध रुप से किनारे पर ठेले लगते है। शाम आठ बजे के बाद टैंक्सी स्टैंड शराबियों और जुआरियों का अड्डा बन जाता है। मैजिक के अंदर लोग लाइट जलाकर जुआ खेलते है। शराब पीकर आए दिन विवाद होता है। शाम को असामाजिक तत्वों का अड्डा लग जाता है। किसी दिन बड़ी घटना हो सकती है।

रोजा पावर परियोजना से हटाई गई स्ट्रीट लाइटें चौढ़ेरा गांव में लगवाने की मांग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- लालबाग चौराहे से पंथवारी मंदिर होते हुए भठ्ठा चौराहे तक प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने की अपील

अमृत विचारः ग्राम पंचायत चौढ़ेरा के ग्राम परमाली, थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर रोजा पावर परियोजना की ओर से राष्ट्रीय राजमार्ग से हटाई गई स्ट्रीट लाइटों को लालबाग चौराहे से पंथवारी मंदिर होते हुए भठ्ठा चौराहे तक लगाने की मांग की है।

ग्रामीणों ने कहा यह वहीं स्ट्रीट लाइटें हैं, जिन्हें परियोजना ने वर्ष 2018 में सीएसआर के तहत आमजन की सुविधा के लिए लगाया था, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्य में बाधा आने के कारण एनएचएआई ने इन्हें हटाने के निर्देश दिए थे।ग्रामीणों का कहना है कि प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार जिला प्रशासन जहां आवश्यक समझे, वहां इन लाइटों को पुनः लगाया जा सकता है। ग्रामीणों ने इस मार्ग को सबसे आवश्यक बताते हुए इसे प्रकाशयुक्त करने की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि चौढ़ेरा क्षेत्र के कई युवा सेना एवं पुलिस भर्ती की तैयारी करते हैं। उन्हें अभ्यास के लिए सुरक्षित स्थान नहीं मिलता। मजबूरी में वे हाईवे पर दौड़ लगाते हैं, जहां पहले भी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। लालबाग चौराहे से पंथवारी मंदिर तक रास्ता अंधेरे में रहता है, जिससे युवाओं के सामने बड़ा खतरा रहता है। लाइटें लगने से उनके अभ्यास में सुविधा होगी और जोखिम भी कम होगा। ज्ञापन में कहा गया है कि इसी मार्ग से रोजा पावर की लेबर कॉलोनी के मजदूर रात में परियोजना से लौटते हैं। अंधेरा होने की वजह से रास्ते में जानवरों का खतरा बना रहता है। लाइटें लगने से दुर्घटना की आशंका कम होगी और मजदूर सुरक्षित घर पहुंच सकेंगे। रोजा पावर परियोजना का तीन तरफ यही मार्ग पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि अंधेरा रहने से सुरक्षा में लगे कर्मचारियों को निगरानी में दिक्कत आती है। लाइटें लग जाने से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और संभावित खतरों से बचाव भी आसान हो जाएगा।

गैंगस्टर एक्ट में दोषी को साढ़े चार साल की सजा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट के आरोपी को कैद और जुर्माने की सजा सुनाई। ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत शाहजहांपुर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित आरोपी विजय कुमार पाल को अदालत ने 4 वर्ष 7 माह छह दिन के कारावास और 5000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह कार्रवाई न्यायालय एजीजे 05 में प्रभावी पैरवी और समयबद्ध साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने के बाद संभव हुई।

पुलिस अधीक्षक और मॉनीटरिंग सेल की देखरेख में थाना रामचंद्र मिशन पुलिस एवं अभियोजन विभाग ने संयुक्त रूप से कार्य कर इस मुकदमे की पैरवी को मजबूती दी। साक्ष्यों को समय पर प्रस्तुत कर प्रभावी बहस की गई, जिसके परिणामस्वरूप आरोपी को सजा दिलाई गई। आरोपी विजय कुमार पाल निवासी ग्राम रसूलपुर चठिया, थाना सिंधौली है। उस पर संगठित गिरोह बनाकर अपहरण और हत्या जैसे गंभीर अपराधों में शामिल होकर आर्थिक व भौतिक लाभ कमाने का आरोप था। यह मामला मुकदमा संख्या 812/2017, धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट, थाना रामचंद्र मिशन से संबंधित है। अदालत ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों को पूर्णतया स्वीकार करते हुए अभियुक्त को दोषी पाया और सजा सुनाई।

तिलक समारोह में हर्ष फायरिंग का वीडियो वायरल

शाहजहांपुर, अमृत विचारः निगोही क्षेत्र में तिलक समारोह में हर्ष फायरिंग का वीडियो वायरल हुआ है। पंडाल के अंदर एक व्यक्ति लाइसेंसी राइफल से फायर कर रहा है। प्रदेश सरकार की तरफ से हर्ष फायरिंग पर प्रतिबंध है। निगोही पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो को संज्ञान में लिया है। वायरल वीडियो निगोही थाना क्षेत्र के एक गांव का बताया जा रहा है। तिलक समारोह में एक व्यक्ति लाइसेंसी राइफल से फायर कर रहा है। फायरिंग करने वाला निगोही क्षेत्र का ही है। लाइसेंस धारक एक नौसिखिया को फायर करने का तरीका बता रहा है, जिसको फिल्म शोले के डायलॉग से जोड़ा गया है।

लेखपाल पर तीन हजार रुपये लेने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- पीड़ित ने डीएम को शिकायती पत्र देकर की कार्रवाई की मांग

अमृत विचारः एक युवक ने लेखपाल पर तीन हजार रुपये लेने का आरोप लगाते हुए डीएम को शिकायती पत्र दिया हैं। पीड़ित का आरोप है लेखपाल ने पैमाइश का खर्चा बताकर रुपये लिए हैं और अभी तक पैमाइश नही की हैं।

ब्लॉक कांट के गांव कुटरा आजादपुर निवासी भैया लाल ने बताया उसकी भूमि गाटा संख्या 254 एवं 255 है। उन्होंने अपनी भूमि की पैमाइश के लिए आवेदन किया था, लेकिन पैमाइश के दौरान लेखपाल द्वारा उनसे पांच हजार रुपये की मांग की गई। रुपये न होने पर उन्होंने उसी समय पर 3,000 रुपये उनकी पत्नी से ले लिए। जिसे लेखपाल ने पैमाइश का सरकारी खर्च बताया है। उन्होंने इसके बाद उसकी शिकायत जनसुनवाई पोर्टल पर की, जिस पर भी गलत रिपोर्ट लगा दी गई। रिपोर्ट में जो फोटो और विवरण की जिक्र की गई वह नगर निगम क्षेत्र से संबंधित हैं जबकि उसकी भूमि ग्रामीण क्षेत्र में आती हैं। आरोप है कि उनकी अभी तक पैमाइश नहीं की गई और वह अधिकारियों से चक्कर लगाते घूम रहा है। मांग कि उनकी सही पैमाइश कराई जाए, लेखपाल द्वारा ली गई धनराशि पर विभागीय कार्रवाई की जाए अन्यथा उनकी धनराशि वापस कराई जाए, निस्तारण की जानकारी उन्हें लिखित उपलब्ध कराने की मांग की है।

मांग | परिवार बोला–बाहर रहने से बढ़ रहा खतरा, जेल में ही हो इलाज

आसाराम की जमानत खत्म करने की अपील

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- परिजनों का दावा-समर्थक दे रहे धमकियां, सुरक्षा बढ़ाई गई

अमृत विचारः जिले की दुष्कर्म पीड़िता के पिता ने राजस्थान हाईकोर्ट से आसाराम को मिली छह माह की जमानत को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनका कहना है कि वह बीमार होने का नाटक कर रहा है। वह ऋषिकेश से लेकर महाराष्ट्र तक घूम रहा है, ऐसे में उसे जेल से छोड़ने का औचित्य नहीं है और उसका इलाज भी अन्य कैदियों की तरह जेल के अंदर ही होना चाहिए।

पीड़िता के परिजन ने अदालत को पुनर्विचार याचिका में बताया आसाराम को जेल से बाहर रहने देना उनके परिवार के लिए खतरा है। उसके समर्थक कई बार परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दे चुके हैं, इससे सभी डरे हुए है। उनका कहना है कि बीमारी का हवाला देकर दी गई राहत गलत है और इसे तुरंत रद्द किया जाना चाहिए। राजस्थान हाईकोर्ट ने 29 अक्टूबर को उम्र और स्वास्थ्य का तर्क देते हुए छह माह की अंतरिम जमानत मंजूर की थी। इसके बाद 6 नवंबर को गुजरात हाईकोर्ट ने भी एक अन्य मामले में जमानत दे दी। सुनवाई में आसाराम की ओर से कहा गया था कि वह हृदय संबंधी बीमारी से जूझ रहा है। पीड़िता की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश वकील एल्जो जोसफ ने बताया कि अगस्त में बने मेडिकल बोर्ड ने जांचकर साफ कहा था कि आसाराम स्टेबल है और उसे अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं है।

बता दें कि शाहजहांपुर निवासी पीड़िता का परिवार लंबे समय तक आसाराम के संपर्क में था। लड़की छिंदवाड़ा स्थित आश्रम में 12वीं की पढ़ाई कर रही थी। वर्ष 2013 में एक दिन क्लास के दौरान वह बेहोश हो गई, जिसके बाद साधकों ने इसे भूत-प्रेत का असर बताया और कहा कि इसका निवारण केवल आसाराम कर सकता है। 14 अगस्त 2013 को उसे छिंदवाड़ा से लगभग एक हजार किलोमीटर दूर जोधपुर के मनई आश्रम भेजा गया। 15 अगस्त की रात कथित इलाज के दौरान आसाराम ने कुटिया में उसके साथ दुष्कर्म किया। 20 अगस्त को पीड़िता ने दिल्ली में एफआईआर दर्ज कराई, जिसमें उसने बताया कि आसाराम ने उससे गलत हरकतें कीं और ओरल सेक्स कराने की कोशिश की। निर्भया कांड के बाद बदले कानूनों के तहत मामला दर्ज होने पर 31 मार्च 2013 को आसाराम गिरफ्तार किया गया। जोधपुर की अदालत ने 25 अप्रैल 2018 को उसे उम्रकैद की सजा सुनाई और वह तब से सेंट्रल जेल में बंद है। 7 जनवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल आधार पर 31 मार्च 2025 तक जमानत दी थी।

हाईकोर्ट से मिली राहत, पर शर्तें भी लगीं

राजस्थान हाईकोर्ट से मिली जमानत के बाद गुजरात हाईकोर्ट ने भी 6 नवंबर को उसकी रिहाई को मंजूरी दी, लेकिन यह शर्त रखी कि वह किसी साधक समूह से नहीं मिलेगा और तीन पुलिसकर्मी हर समय उसके साथ रहेंगे। बाद में इन शर्तों को हटवाने के लिए उसने दोबारा अर्जी दी थी। पीड़िता के पिता ने कभी अपनी जमीन आसाराम ट्रस्ट के नाम कर दी थी और निर्माण भी खुद कराया था। बाद में जमीन वापस लेने की कोशिशें की गईं, लेकिन सफलता नहीं मिली। परिवार को बदनाम करने के लिए शहर में आसाराम की किताबें तक बांटी गईं, जिनमें उसे निर्दोष बताया गया था। अब पीड़िता 27 वर्ष की हो चुकी है और दो साल के बच्चे की मां है। एक भाई पढ़ाई कर रहा है और दूसरा पिता के साथ कारोबार संभालता है। मां करीब 12 साल से घर से बाहर नहीं निकलीं।

घायल की इलाज के दौरान मौत

रोजा/शाहजहांपुर, अमृत विचारः सड़क के किनारे एक युवक घायल अवस्था में मिला। पुलिस ने उसे मेडिकल कालेज भेज दिया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। रामचंद्र मिशन पुलिस को सोमवार की शाम पांच बजे सूचना मिली कि दून इंटरनेशनल स्कूल के सामने सड़क के किनारे एक युवक घायल अवस्था में पड़ा है। थाना प्रभारी धर्मेंद्र गुप्ता सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों से जानकारी की। और घायल को बेहोशी की हालत में मेडिकल कॉलेज भेज दिया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला भाटन टोला निवासी इमरान है। मृतक के परिवार वाले मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। परिवार वालों ने बताया कि इमरान चार भाइयों में तीसरे नंबर का था और शादी नहीं हुई थी। वह नशे का आदी था। कई माह से घर पर नहीं रहता था। मृतक इमरान मंडी मोड़ पर पंक्चर बनाने का काम करता था।

नियमों का पालने करने वालों का सम्मान

यातायात नियमों का पालन करने वालों को गुलदस्ता भेंट करते हुए। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- बच्चों ने यातायात जागरुकता रैली, नियमों का करें पालन

अमृत विचारः भारतीय युवा चेतना मंच की ओर से यातायात पुलिस, रोजा पुलिस व हरि कौशल त्यागी पब्लिक स्कूल रोजा के बच्चों ने रोजा अड्डे पर यातायात सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया। यातायात नियमों का पालन करने वालों को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। पूर्व में स्कूली बच्चों ने जागरूकता रैली निकाली।

यातायात निरीक्षक विनय पांडेय ने चालकों सचेत करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में मृत्यु का ग्राफ अधिक है। यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित यात्रा को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करें, शराब पीकर वाहन न चलाए, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें, वाहन को ओवरटेक देखकर करें। रोजा अपराध निरीक्षक गंगा सिंह ने बच्चों के कार्य को प्रशंसनीय बताते हुए उनकी अपील पर लोगों को ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारतीय युवा चेतना मंच के अध्यक्ष नरेंद्र त्यागी ने यातायात नियमों का पालन कर रहे चालकों को बच्चों द्वारा बनाए गए गुलदस्ते भेंट कर सम्मानित किया और कहा कि यातायात नियमों का पालन करें। यातायात के नियम हमारी सुरक्षा के लिए है, बल्कि बोझ नहीं है। यातायात नियमों का पालन करें। पूर्व स्कूल के बच्चों ने बल्लिया गांव से रोजा अड्डे तक यातायात जागरुकता रैली निकाली। कार्यक्रम में नीरा त्यागी, मयंक मिश्रा, प्रदीप मिश्रा, गोपाल दीक्षित, योगेंद्र त्यागी, सोनल शर्मा, रामरक्ष पाल आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

कॉटन मांझा बेचने-उड़ाने वालों की परेशानी पर सपा का विरोध

पदाधिकारियों ने की पुलिस कार्रवाई रोकने और सामान वापस दिलाने की मांग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते सपा प्रतिनिधिमंडल के सदस्य। ● अमृत विचार

- प्रतिनिधिमंडल ने एसपी से मिलकर सौंपा ज्ञापन
- कॉटन मांझा उपयोग करने वालों पर रोक न लगाने की अपील

अमृत विचार : जिले में पतंग उड़ाने वालों, पतंग बनाने वालों और सादा कॉटन वाला मांझा बेचने वालों को पुलिस द्वारा अवैध रूप से परेशान किए जाने और गिरफ्तार करने की कार्रवाई के विरोध में सोमवार को सपा का प्रतिनिधिमंडल सपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन तनवीर खान के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपकर इन लोगों की समस्याओं के समाधान की मांग उठाई।

सपा जिला अध्यक्ष ने बताया जिले में कई दशक से पतंग उड़ाने की प्रतियोगिताएं होती आ रही हैं और यहां के लोग चाइनीज मांझा नहीं, बल्कि सादा कॉटन वाला मांझा उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग केवल खुले मैदानों में, आबादी से दूर पतंग उड़ाते हैं। ऐसे में पुलिस द्वारा रोक लगाने से उन गरीब परिवारों की रोजी-रोटी प्रभावित होगी जो घरों में पतंग बनाकर बेचते हैं और कॉटन मांझा तैयार करते हैं। उन्होंने एसपी से अनुरोध किया कि चाइनीज मांझा पर रोक अवश्य लागू रहे, लेकिन सादा कॉटन वाला मांझा इस्तेमाल करने वालों पर कोई प्रतिबंध न लगाया जाए।

तनवीर खान ने बताया करीब एक सप्ताह पहले मोहल्ला ककरा काकर कुंड के पास रेतीले इलाके में बरेली और शाहजहांपुर की टीम पतंगबाजी कर रही थी, जहां वे सादा कॉटन मांझा उपयोग कर मुकाबला कर रहे थे। तभी कोतवाली पुलिस ने सभी की चर्खियां और पतंगें जब्त कर लीं और तीन लोगों का शांति भंग में चालान कर दिया। प्रतिनिधिमंडल ने इसकी जानकारी एसपी को दी, जिस पर एसपी ने कोतवाली पुलिस को अनावश्यक कार्रवाई से बचने निर्देशित किया और जब्त सामान वापस करने को कहा। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि सादा कॉटन मांझा उपयोग करने वाले लोगों को न रोका जाए और न ही उन्हें पतंग उड़ाने से प्रतिबंधित किया जाए। मौके पर सपा नगर विधानसभा अध्यक्ष अतिउल्ला सिद्दीकी, नासिर खान, जुगनू, सिद्दीक खान, संजीव कुमार, हम्माद अली, जितेंद्र कुमार, यश मौर्य, तजम्मुल हुसैन, आदिल, मनसुब खान, चंदू, सुनील, हाजी शाज़ेब, नुसरत उल्ला, राजू सरदार, फहीम, नदीम खान, सोनू मौर्य, कपिल, जहांगीर अक्षय, असलम खान, प्रतीक, रानू खान, गुफरान अल्वी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अंकित की बल्लेबाजी से साइंस इलेवन जीता

क्रिकेट मैच के दौरान खेलते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज में चल रही मुमुक्षु क्रिकेट लीग के नवें दिन का मुकाबला साइंस-11 और एसडीएस-11 के बीच खेला गया। मैदान पर दर्शकों की बड़ी संख्या मौजूद रही और मैच का आनंद लिया।

टॉस जीतकर एसडीएस-11 ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन निर्धारित 16 ओवर में 6 विकेट खोकर केवल 95 रन ही बना सकी। जवाब में साइंस-11 ने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए मात्र 6.5 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 96 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। साइंस-11 के डॉ. अंकित अवस्थी ने 19 गेंदों पर 6 छक्के और 3 चौकों की मदद से 55 रन की शानदार पारी खेली, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

डॉ. आलोक कुमार सिंह ने प्रभावशाली कमेंट्री कर खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों का उत्साह बढ़ाया।

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने पहुंचे कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव डॉ. अवनीश मिश्र, प्रो आदित्य सिंह, प्रो अजीत सिंह चारग, डॉ. शालीन सिंह, डॉ. प्रांजल शाही, डॉ. शिशिर शुक्ला, डॉ. राजीव कुमार, डॉ. अभिजीत मिश्र, श्रीप्रकाश डबराल, डॉ. मनोज अग्रवाल, चंद्रभान त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

दूसरी शादी करने पर पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार: निगोही थाना क्षेत्र के गांव उदरिया निवासी मानश्री ने सदर बाजार थाना में दी गई तहरीर में बताया कि उसकी शादी कई साल पहले प्रभाकर वर्मा निवासी चिनौर थाना सदर बाजार के साथ हुई थी। ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित किया करते थे। ससुराल वालों ने उसे मारपीट करके घर से निकाल दिया था।

उसने पति और अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़िता का आरोप है कि मुकदमा कोर्ट में विचाराधीन है और उसके पति ने बिना तलाक दिए, 09 नवंबर को उत्तराखंड से दूसरी शादी कर ली है। वह जानकारी करने के लिए 19 नवंबर को अपनी ससुराल गयी तो पति और अन्य लोगों ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। ससुराल वालों ने कहा कि प्रभाकर की दूसरी शादी कर दी है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पति आठ लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

मुमुक्षु आश्रम में गीता जयंती मनाई गई

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: मुमुक्षु आश्रम में गीता जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। दैवी सम्पद ब्रह्मचर्य महाविद्यालय के सत्संग भवन में हुए कार्यक्रम में श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ किया गया और गीता उपदेशों के महत्व पर जानकारी दी गई। महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य आदेश कुमार पांडे ने गीता पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि गीता मानव जीवन के लिए व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि यह वह दिव्य संदेश है जो भगवान श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र के रणक्षेत्र में अर्जुन को दिया था। यह केवल युद्ध भूमि का उपदेश नहीं था बल्कि मानव जीवन के संघर्षों में मार्गदर्शन देने वाला सार्वभौमिक दर्शन है।

कार्यवाहक प्राचार्य ने कहा कि गीता किसी धर्म विशेष तक सीमित पुस्तक नहीं है और न ही किसी एक युग के लिए है। यह मानवता के जीवन का शाश्वत मार्गदर्शक है। गीता हमें कर्म, संतुलित जीवन, आत्मविश्वास, कर्तव्यनिष्ठा, धैर्य और ईमानदारी का संदेश देती है। उन्होंने गीता को सभी ग्रंथों का सार बताया। कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन-पूजन भी किया गया। इस दौरान शिक्षक रूचि मिश्रा, बेवी शर्मा सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में प्रदर्शन

संवाददाता, सिंधौली

सिंधौली ब्लॉक में प्रदर्शन करते सचिव। ● अमृत विचार

- पंचायत सचिवों ने शासन की ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था का किया विरोध

अमृत विचार: पंचायत सचिवों ने शासन द्वारा एक दिसंबर से लागू की गई ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था का विरोध करते हुए विकासखण्ड कार्यालय पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। उक्त आशय का शासनादेश विगत माह नवम्बर में जारी किया गया था।संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह सहित सचिव शिवालय शर्मा ने कहा कि अधिकांश सचिवों के पास एक नहीं, बल्कि कई-कई ग्राम पंचायतों का प्रभार है। ऐसे में सुबह, दोपहर और शाम फेस अटेंडेंस देना व्यावहारिक रूप से असंभव है। उन्होंने कहा कि दूरी अधिक होने के कारण निर्धारित समय पर पंचायत भवनों तक पहुँचना ही मुश्किल हो जाता है। इसी क्रम में सचिव राकेश कुमार ने कहा कि शासन को आदेश लागू करने से पहले सचिवों को दी गई पंचायतों की संख्या कम करनी चाहिए, ताकि ऑनलाइन हाजिरी की प्रक्रिया सुचारू रूप से संभव हो सके। विरोध प्रदर्शन के दौरान शहनवाज ख़ां, रामबहोरन चौधरी, पंकज बाजपेयी, अकरम खां, पंकज कुमार आदि सचिव मौजूद रहे। सहित कई पंचायत सचिव मौजूद रहे।

ठंड के प्रकोप के दृष्टिगत रैन बसेरा का किया निरीक्षण

रैन बसेरे का निरीक्षण करते नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्र। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : ठंड व शीत लहर के प्रकोप के दृष्टिगत महानगर क्षेत्र में स्थित नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्र ने अस्थायी व स्थायी रैन बसेरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय रैन बसेरों में सफाई व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था आदि व्यवस्थाओं को देखा गया। साथ ही संबंधित को बेसहारा, निराश्रित लोगों को ठंड से बचाये जाने के लिए नगर निगम द्वारा संचालित समस्त स्थायी व अस्थायी रैन बसेरों में विशेष सफाई व्यवस्था रखने के साथ-साथ शुद्ध पेयजलापूर्ति, प्रकाश व्यवस्था दुरूस्त रखने निर्देश दिए। इस मौके पर सहायक नगर आयुक्त राजकुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

पहले दिन बिजली राहत कैंपों में उमड़े उपभोक्ता

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- बिलों को ठीक कराने के बाद जमा की बकाया राशि

अमृत विचार : मध्यांत विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अंतर्गत लगाए गए बिजली राहत शिविरों में विद्युत उपभोक्ताओं को शत प्रतिशत ब्याज एवं 25 परसेंट मूलधन में छूट दी गई। महानगर में हाथीथान जलालनगर, बहादुर गंज, लोधीपुर, ककरा समेत कई स्थानों पर लगे कैम्पों में पहुंचे विद्युत उपभोक्ताओं ने सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अपने अपने बकाया बिलों की जांच कराई।

पहले ही दिन चलाए गए अभियान में भारी संख्या में विद्युत उपभोक्ताओं ने अपने बिजली के बिल ठीक कराए और बकाया रकम जमा की। कैम्प में उपखंड अधिकारी के अलावा अन्य बिजली कर्मचारियों ने क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं के विद्युत बिलों को चेक किया और उन्हें शत प्रतिशत ब्याज दर से छूट का लाभ दिया। 25 परसेंट मूलधन में भी छूट मिलने से उपभोक्ता खुश दिखे। एसडीओ ने बताया कि छूट उन्हीं लोगों को दी जा रही है जिन्होंने मार्च से पहले बिल नहीं जमा किया है। उन्हीं को इस योजना का फायदा प्राप्त हो रहा है। यह योजना लगातार तीन माह तक चलाई जाएगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिल राहत कैम्प लगाए गए। जिसमें विद्युत उपभोक्ताओं को काफी हद तक राहत दी जा रही है। लोग बकाया रकम जमा करने पहुंच रहे हैं।

शाहजहांपुर टाइटंस ने जीता क्रिकेट मैच

विंटर कप 2025 की ट्रॉफी के साथ विजेता शाहजहांपुर टाइटंस टीम।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: विंटर कप 2025 का फाइनल मुकाबला कैंट क्रिकेट ग्राउंड पर शाहजहांपुर टाइटंस और स्पार्टन वॉरियर्स के बीच खेला गया, जिसमें शाहजहांपुर टाइटंस ने 36 रन से शानदार जीत दर्ज करते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। टॉस जीतकर शाहजहांपुर टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। दोनों ओपनरों ने सधी हुई साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत आधार दिया। सहमति दास ने 51 रन बनाए, जबकि अनिरुद्ध वर्मा ने 35 रन का मूल्यवान योगदान दिया। इसके बाद अभिनव ने 25 रन और अतुल ने 35 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को 20 ओवर में 3 विकेट पर 171 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

स्पार्टन वॉरियर्स की ओर से अभय और वंश ने एक-एक विकेट हासिल किया, लेकिन टाइटंस की मजबूत बल्लेबाजी के सामने विपक्षी गेंदबाज प्रभावहीन साबित हुए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्पार्टन वॉरियर्स की टीम दबाव में नजर आई और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। वंश ने 35 रन, नितिन ने 25 रन और हर्ष ने 15 रन की कोशिश की, लेकिन टीम 135 रन पर सिमट गई और फाइनल मुकाबला शाहजहांपुर टाइटंस ने 36 रन से जीत लिया। मैच का निर्णायक मोड़ टाइटंस के गेंदबाज अनिरुद्ध वर्मा के घातक स्पेल ने तय किया। उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट अपने नाम किए, जबकि मोहित और नितिन मौर्य ने 2-2 विकेट लेकर जीत सुनिश्चित कर दी। बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए अनिरुद्ध वर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। फाइनल मैच में अंपायरिंग की जिम्मेदारी मोहम्मद साज और नितिन वर्मा ने निभाई, जबकि कमेंट्री पंकज तिवारी ने की।

कार्यक्रम

जिला अधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह और एसपी राजेश द्विवेदी ने सड़क सुरक्षा जागरुकता का दिया संदेश

यातायात माह के समापन पर सम्मानित हुए पुलिसकर्मी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

यातायात माह के समापन समारोह के दौरान प्रतिभागियों को सम्मानित करते जिलाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: पुलिस लाइन में 1 दिसम्बर को आयोजित यातायात माह समापन समारोह में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शैक्षणिक संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों और पुलिस विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह और पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने प्रतिभागियों को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए सड़क सुरक्षा जागरूकता को समाज की बड़ी आवश्यकता बताया।

समारोह में वीडीएफ स्कूल, एसके पब्लिक स्कूल, जीआईसी स्कूल, आकांक्षा स्कूल, जनता इंटर कॉलेज और सुदामा स्कूल सहित कई शैक्षणिक संस्थानों को यातायात कार्यक्रमों में सक्रिय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। व्यापार मंडल, सहयोग संस्था, वर्क संस्था और मानवता वेल्फेयर को भी जागरूकता अभियान में सहयोग के लिए सम्मान प्रदान किया गया। यातायात पुलिस के मुख्य आरक्षी ओवेन्द्र, मुख्य आरक्षी योगेंद्र और मुख्य आरक्षी कोमल को यातायात व्यवस्था और जागरूकता कार्यों में उल्लेखनीय भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही कोतवाली, सदर बाजार, रामचंद्र मिशन, पुवायां, सिंधौली और गढ़िया रंगीन के थाना प्रभारियों को भी उत्कृष्ट कार्य संपादन के लिए सम्मान दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं दोपहिया वाहनों से जुड़ी होती हैं, इसलिए हेलमेट पहनना अनिवार्य रूप से अपनाया जाना चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का मूल सूत्र है। चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य बताया। जिलाधिकारी ने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे विद्यालयों में बच्चों को नियमित रूप से यातायात नियमों की शिक्षा दें, क्योंकि बच्चों पर शिक्षकों का प्रभाव सबसे गहरा होता है। उन्होंने सुझाव दिया कि सप्ताह में कम से कम एक दिन बच्चों को नई सीख देकर उनका सिविक सेंस विकसित किया जाए, जिससे भविष्य में वे जागरूक नागरिक बन सकें।

जिलाधिकारी ने कहा कि शहर की व्यवस्था बेहतर बनाने में नागरिकों की सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रत्येक परिवार से अपील की कि वे अपने घर में सदस्यों को यातायात अनुशासन अपनाने के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम में एसपी सिटी देवेंद्र कुमार, एसपीआरए दीक्षा भंवरे, क्षेत्राधिकारी यातायात संजय कुमार सिंह, यातायात पुलिस निरीक्षक विनय कुमार पांडेय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

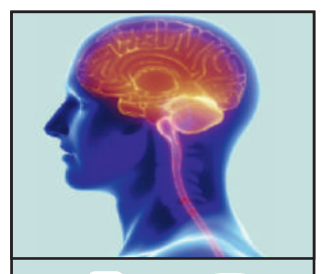

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch. Neurosurgery (AIIMS) Senior Consultant Neurosurgeon

मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ

Reg. No. UPMCI 65389

सुविधायें

- सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
- ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
- सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
- दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
- गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
- रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
- बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
- अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
- रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
- लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली

समय : प्रात: 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक

लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर

7017678157, 8077790358

7417389433, 9897287601

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY

अमृत विचार

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय

राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल

एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)

हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

2D ECHO + TMT

हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल

APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC

ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार

B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)

वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक

मो. 8859517808

सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन

होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।

अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज

11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक

रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी

एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)

Consultant Urologist & Andrologist

गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन

- प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP)
- गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL)
- गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL)
- पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज

कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल

डॉ. एम. खान हॉस्पिटल

मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली

समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

न्यूज ब्रीफ

भाकियू भानू का किया विस्तार, मुजाहिद बने जिला संगठन मंत्री

मनोनयन पत्र देते जिला अध्यक्ष।

उझानी, अमृत विचार : भाकियू भानु कार्यालय पर सोमवार को बैठक हुई। इसमें भारतीय किसान यूनियन भानू की जिला कार्यकारिणी का किया गया। संगठन जिला अध्यक्ष अतुल तोमर ने गांव दूनपुर निवासी मुजाहिद खान को जिला संगठन मंत्री व पिपरिया निवासी मोहम्मद फिरोज को जिला महासचिव पद पर मनोनीत किया। मनोनीत किए गए पदाधिकारियों को मनोनीत पत्र संगठन जिला अध्यक्ष ने सौंपा।

कोतवाली पुलिस ने सटोरियों को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

उझानी, अमृत विचार : नगर में काफी समय से सट्टे का कारोबार बदस्तूर जारी है। हाल ही में स्थानांतरित होकर आए कोतवाली प्रभारी द्वारा सटोरियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। बीते 15 दिन में कोतवाली पुलिस चार सटोरियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा चुका है। बीती शाम कृषि उत्पादन मंडी तिराहे पर नगर के मोहल्ला गंजशहीदा निवासी नवाब को सट्टे की खाईबाड़ी करते सब इंस्पेक्टर शिवकुमार मलिक ने धर दबोचा। पुलिस को उसके पास से 480 रुपये नकद, एक डॉट पैन व पर्ची बरामद हुई। पुलिस ने सटोरिए का चालान कर जेल भेज दिया।

आज होगा खंड शिक्षक निर्वाचन नामावलियों का प्रकाशन

बदायूं, अमृत विचार : सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आयुक्त, बरेली मंडल और निर्वाचन आयोग के निर्देश पर बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन मंगलवार को होगा। उप निर्वाचन अधिकारी ने सभी एसडीएम तहसीलदार व अन्य अधिकारियों को नामावलियों के प्रकाशन की सूचना उपलब्ध कराएं।

गोकशी के 50-50 हजार के दो इनामी गिरफ्तार

मुठभेड़ में तस्करों के पैर में लगी गोली, एक सिपाही भी घायल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सहसवान पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गोकशी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के रुकने को कहने पर उन्होंने फायरिंग कर दी थी। जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। गोकश पैर में गोली लगने पर जमीन पर गिर गए। वह दोनों सिविल लाइन क्षेत्र में हुई गोकशी के मामले में वांछित चल रहे थे। उन दोनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सिविल लाइन कोतवाली में गोकशी की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। थाना कुंवरगांव क्षेत्र के गांव दुगरईया निवासी खुर्शीद उर्फ कय्यूम और साजिद उर्फ बोना वांछित चल रहे थे। दोनों पर इनाम घोषित किया गया था। रविवार रात सहसवान पुलिस को सूचना मिली कि गोकशी के दोनों वांछित गोकशी की योजना बना रहे हैं। दोनों पहले भी गोवंशीय का वध कर चुके हैं। अपना क्षेत्र छोड़कर सहसवान में डीपी कॉलेज के आगे जाने वाले मार्ग पर गांव खंदक के जंगल में कच्चे रास्ते पर हैं। प्रभारी निरीक्षक धनंजय सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। आरोपियों को रुकने को कहा। उन्होंने जान से मारने की नीयत से पुलिस पर फायरिंग कर दी। सिपाही विजय कुंडू के बाएं हाथ में गोली लगी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। खुर्शीद के दाहिने और साजिद के दोनों पैर में गोली लगी। पुलिस ने उनके पास से दो तमंचे, पांच जिंदा व दो खोखा कारतूस और गोकशी में प्रयोग करने वाले उपकरण बरामद हुए।

पुलिस की गिरफ्त में गोकशी के आरोपी।

- सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र में गोकशी के मामले में वांछित चल रहे थे आरोपी तस्कर
- सहसवान पुलिस से हुई मुठभेड़ दो तमंचे, कारतूस, खोखा और उपकरण किए बरामद

गैंगस्टर एक्ट के अलावा कई मामले हैं दर्ज

पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह दोनों छुट्टा गोवंश का वध करके मांस बेचते हैं। रात में वह फिर से वध करने की तैयारी में थे कि पुलिस ने पकड़ लिया। बचकर भागने के लिए उन्होंने पुलिस पर फायरिंग की थी। दोनों के खिलाफ सहसवान पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। खुर्शीद पर थाना कुंवरगांव और सिविल लाइन में पहले से गैंगस्टर एक्ट के अलावा गोकशी और साजिद पर भी गैंगस्टर एक्ट के अलावा कई मामले दर्ज हैं। एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया ने बताया कि गोकशी करने के दो लोगों को पकड़ा गया है। अभियान जारी रहेगा।

किशोरी से छेड़छाड़ के आरोपी पर शांतिभंग की कार्रवाई

विजय नगला, अमृत विचार : बिनावर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने तहरीर देकर बताया कि 25 नवंबर को उसके मोहल्ले में मंडप का कार्यक्रम चल रहा था।

यहां डीजे भी बज रहा था। नाबालिग बेटी छत पर खड़े होकर कार्यक्रम देख रही थी। रात 12 बजे गांव का एक युवक दीवार के सहारे उसके घर की छत पर चढ़ आया। किशोरी के साथ छेड़छाड़ करने लगा।

किशोरी ने विरोध किया तो वह छत से उतर कर भाग गया। तहरीर देने के बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की थी। इसके बाद से किशोरी और उसके पिता थाने के कई चक्कर लगा चुके हैं। अब जाकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराया। व्यक्ति का कहना है कि पुलिस सख्त कार्रवाई की बजाय आरोपी पर शांतिभंग की कार्रवाई ही की है। उसे जमानत भी मिल गई। थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि युवक पर पहले ही शांतिभंग की कार्रवाई हुई है। अब रिपोर्ट की गई है। आगे की जांच की जा रही है।

फरार चल रहे आरोपी के घर चस्पा किया नोटिस

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : मारपीट समेत विभिन्न मामलों में फरार चल रहे आरोपी के घर सोमवार को पहुंची पुलिस ने मोहल्ले के लोगों को कोर्ट का नोटिस पढ़कर सुनाया। बाद में घर पर नोटिस चस्पा किया।

पुलिस ने बताया कि 12 जुलाई को कस्बा बिनावर निवासी प्रदीप चौहान ने तहरीर देकर बताया कि रुपयों के लेनदेन में नई बस्ती निवासी चार लोगों ने उनके भाई सचिन चौहान को लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया था। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची थी। घायल को बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया था। तहरीर प्राप्त होने के बाद इस मामले में चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके विवेचना शुरू की गई थी। विवेचना में दो लोगों को गलत जोड़ा गया था। पुलिस ने बाकी दोनों के खिलाफ चार्जशीट लगाई थी। एक आरोपी को जेल भेजा गया था, जबकि दूसरा आरोपी नई बस्ती निवासी वीरेंद्र फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी गई, लेकिन वह हाथ नहीं आया है। इसके चलते उसपर धारा 84 के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। सोमवार को कोर्ट के आदेश और थाना प्रभारी के निर्देश पर उपनिरीक्षक आदर्श तिवारी आरोपी वीरेंद्र के घर पर ढोल नगाड़ों के साथ पहुंचे। उसके दरवाजे पर नोटिस चस्पा किया गया है।

आरोपी के घर पर नोटिस चस्पा करने से पहले पढ़कर सुनाते पुलिसकर्मी।

- 12 जुलाई को लाठी-डंडों से पीटकर ग्रामीण को किया था गंभीर रूप से घायल

बाइक और साइकिल की टक्कर में दो युवक घायल

बिल्सी, अमृत विचार : बिसौली-सहसवान मार्ग पर सोमवार की सुबह बाइक और साइकिल की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से घायलों को बिल्सी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव बेहटा गुंसाई निवासी पान खां पुत्र चांद खां साइकिल से गांव शरह बरौलिया से अपने घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान बिसौली की ओर से तेज रफ्तार में आ रही बाइक ने उनकी साइकिल को टक्कर मार दी। बाइक सवार की पहचान जिला बरेली के थाना भमौरा क्षेत्र के गांव रुद्रपुर निवासी रविंद्र सिंह पुत्र जंडैल सिंह के रूप में हुई है। हादसे में बाइक और साइकिल सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर डायल 112 पुलिस पहुंची। पुलिस दोनों को सीएचसी ले गई। दोनों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

खाद और बीज के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कृषि अधिकारियों ने सोमवार को खाद और बीज की दुकानों पर छापा मारा। 30 से अधिक दुकानों की जांच की गई, जबकि कई दुकानें बंद मिली। स्टॉक में कमी और दुकानें बंद मिलने पर पांच दुकानों को नोटिस जारी किया गया। पांच सैंपल जांच के लिए भेजे गए।

जिला कृषि अधिकारी मनोज रावत ने बिसौली, आसफपुर, इस्लामनगर क्षेत्र में उनके द्वारा एक दर्जन से अधिक खाद बीज की दुकानों का निरीक्षण किया गया। सभी दुकानों पर उर्वरक उपलब्ध था। वहीं उप कृषि निदेशक मनोज कुमार ने सहसवान, उझानी, अंबियापुर क्षेत्र में स्थित खाद बीज की 20 दुकानों का निरीक्षण किया। सभी दुकानों पर उर्वरक का स्टॉक उपलब्ध मिला। कृषि अधिकारियों के द्वारा ई-पास मशीन और भौतिक स्टॉक देखा गया। दो दुकानों पर अंतर पाया गया। तीन दुकानदारों के अभिलेख अपूर्ण पाए गए। इन पांच दुकानों को चेतावनी देते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है। जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर उनका लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा। इसके अलावा बंद मिली दुकानों के संचालकों को भी नोटिस जारी किया गया है। कृषि अधिकारियों के द्वारा खाद और बीज की पांच सैंपल लिए। सभी सैंपल जांच को भेजे गए हैं।

- कृषि अधिकारियों ने खाद बीज की दुकानों का किया निरीक्षण

कार ने महिला को मारी टक्कर, मौत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : गोबर डालकर वापस जा रही महिला को सड़क किनारे तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल को अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद कार चालक मौके से भाग गया।

दिल्ली-मेरठ राजमार्ग स्थित सहसवान कोतवाली क्षेत्र के गांव सिलहरी निवासी सर्वेश (55) पत्नी जयवीर सोमवार सुबह गोबर डालने के लिए घर के पास गई थीं। गोबर डालने के बाद सड़क से वाहन गुजरने की वजह से वह रुक गईं। इसी दौरान तेज रफ्तार कार आई और महिला को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। महिला की मौत हो चुकी थी लेकिन महिला को अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने मौत की पुष्टि कर दी। वहीं हादसे के बाद राजमार्ग पर जाम की स्थिति पैदा हो गई थी। पुलिस ने स्थिति को संभाला और वाहनों को रवाना किया। पुलिस राजमार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक करके कार और उसके चालक की पहचान कर रही है।

गन्ना लदी ट्राली और कार की भिड़त एक की मौत

फतेहगंज पूर्वी (बरेली),अमृत विचार : हाईवे पर रविवार देर रात गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली एवं कार की भिड़ंत हो गई। इसमें एक युवक की मौत हो गई और चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है। मृतक की शिनाख्त बदायूं के दातागंज निवासी संजीव कुमार के रूप में हुई है जो ग्राम उचसिया स्थित एक मेडिकल कॉलेज में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। था। कार चला रहे पीलीभीत के बीसलपुर निवासी विक्रम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनका इलाज बरेली के एक अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा है कि संजीव कुमार और विक्रम सिंह अपनी निजी कार से बरेली से फतेहगंज पूर्वी की ओर जा रहे थे। उसी दौरान सामने से आ रहे वाहन से उनकी कार की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार अपनी लेन से दूसरी लेन में जा पहुंची और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर भीषण जाम लग गया। सूचना मिलने पर फतेहगंज पूर्वी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार से घायल को निकालकर अस्पताल भिजवाया और जाम खुलवाया।

- सहसवान मार्ग स्थित गांव सिलहरी के पास सोमवार सुबह हुआ हादसा

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार की मौत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : गन्ना लदे ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका मौसेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

थाना इस्लामनगर क्षेत्र के गांव कोहरा निवासी मुनेंद्र (32) खेती बाड़ी करके परिवार का पालन पोषण करते थे। वह अपने मौसेरे भाई जयप्रकाश के साथ अपने परिचित की शादी समारोह से दावत खाकर मुजरिया क्षेत्र के गांव कुंआडांडा से बाइक से वापस लौट रहे थे। उनके साथ दूसरी बाइक पर गांव दमीनगर निवासी सुनील थे। उघैती थाना क्षेत्र में गोदी नगला स्थित पेट्रोल पंप के पास सामने से आई गन्ना लदे ट्रैक्टर-ट्राली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार सड़क पर जा गिरे। हादसे में बाइक सवार मुनेंद्र की मौत हो गई, जबकि जयप्रकाश गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर उघैती पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। घायल को जिला अस्पताल भेजा गया। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा गया। वहीं पुलिस ने गन्ना लदी ट्राली को पकड़ लिया है। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया था।

- उघैती के गांव गोदी नगला के पास हुआ हादसा, एक युवक घायल

जीएनएम छात्रा के अश्लील फोटो किए वायरल, रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: शहर के एक मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाली जीएनएम की छात्रा के एक युवक ने अश्लील फोटो एडिट करके वायरल कर दिए। जिससे छात्रा तनाव में आ गई। जब फोटो उसकी होने वाली ससुराल में पहुंचे तो उसका रिश्ता टूट गया। छात्रा के पिता की तहरीर पर एडीजी के आदेश पर आरोपी के खिलाफ थाना बारादरी में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बदायूं के बिसौली थाना क्षेत्र के रहने वाले एक शख्स ने बताया कि वह मौजूदा समय में बारादरी थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में रह रहा है। उसकी बेटी शहर के एक मेडिकल कॉलेज से जीएनएम का कोर्स कर रही है। आरोप है कि रामपुर के थाना सैफनी के सराय निवासी अवधेश कुमार ने किसी तरह से उसकी बेटी के फोटो खींच लिए। उसके बाद फोटो की एडिटिंग करके वायरल कर रहा है। वह उनकी बेटी को अश्लील मेसेज भेजकर परेशान कर रहा है। आरोपी ने बेटी की होने वाली ससुराल में भी अश्लील फोटो भेज दिए, जिससे उसका रिश्ता टूट गया। उसने उनके कई रिश्तेदारों को भी अश्लील फोटो भेज दिए हैं। पीड़ित ने एसएसपी कार्यालय में शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जिसके बाद एडीजी से मामले की शिकायत की है। एडीजी के आदेश पर बारादरी पुलिस ने अवधेश कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

कुत्ते को बचाने के चक्कर में कार तालाब में गिरी

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : बिजनौर-बदायूं हाईवे स्थित गांव खैरी के पास रविवार देर रात एक कार कुत्ते को बचाने के दौरान अनियंत्रित होकर तालाब में पलट गई। हादसे में बिल्सी नगर पालिका परिषद के लिपिक युधिष्ठिर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने काफी मशक्कत के बाद उन्हें कार से बाहर निकाला।

नगर बिल्सी के मोहल्ला पांच निवासी व नगर पालिका परिषद के लिपिक युधिष्ठिर सिंह इस्लामनगर में एक शादी समारोह में शामिल होकर रविवार रात लगभग 12 बजे कार से बिल्सी लौट रहे थे। खैरी गांव के पास अचानक सड़क पर कुत्ता आ जाने से उन्होंने कार को मोड़कर बचाने का प्रयास किया लेकिन कार अनियंत्रित होकर पलट गई और सड़क किनारे बने तालाब में जा गिरी। कार क्षतिग्रस्त हो गई और लिपिक घायल हो गए। मौजूद ग्रामीणों ने घायल युधिष्ठिर सिंह को बाहर निकाला और बिल्सी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज चल रहा है। सोमवार सुबह गांव के लोगों को घटना की जानकारी होने पर मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई। उपनिरीक्षक मोहित नैन ने क्रेन की मदद से कार तालाब से बाहर निकलवाई।

हादसे के बाद तालाब में पड़ी लिपिक की कार। ● अमृत विचार

- हादसे में बिल्सी नगर पालिका के लिपिक युधिष्ठिर सिंह घायल

अंतिम संस्कार से लौट रहे युवक की हादसे में मौत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : अंतिम संस्कार से वापस लौट रहे बाइक सवार युवक को रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मौका देखकर आरोपी चालक फरार हो गया। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच पड़ताल की। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे है।

बिसौली कोतवाली क्षेत्र के गांव सिचौली निवासी बबलू पुत्र रामगोपाल सोमवार को अपनी बहन कुसुम के साथ बदायूं से अपने मामा के अंतिम संस्कार में शामिल होकर बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे। दोपहर लगभग चार बजे वजीरगंज क्षेत्र के गांव बनकोटा के पास रोडवेज बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। बबलू की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद बस चालक मौके से भाग गया। बस में सवार लोग बाहर निकले। पता चला कि बबलू की मां उसी बस में सवार थीं। बेटे का शव देखते ही मां बेसुध हो गई। सवारियों ने उनका ढांढस बंधाया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने बस चालक की तलाश शुरू की है।

- वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव बनकोटा के पास हुआ हादसा
- रोडवेज बस ने बाइक में मारी टक्कर, चालक फरार

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक की जान गई

बदायूं, अमृत विचार : अलापुर थाना क्षेत्र के कस्बा म्याऊं निवासी विनोद पुत्र छोटे लाल सोमवार को किसी काम से कस्बा अलापुर गए थे। जहां काम निपटाने के बाद वह सोमवार देर शाम बाइक से वापस लौट रहे थे। रास्ते में रामलीला मैदान के पास तेज रफ्तार से आई पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। चालक ने भागने का प्रयास किया लेकिन लोगों ने चालक को पकड़ लिया। सूचना देकर पुलिस को सौंप दिया। हादसे में विनोद गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उनकी मौत घोषित कर दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

छत से गिरकर व्यक्ति की मौत

बदायूं, अमृत विचार : कपड़े सुखाने के लिए छत पर गए व्यक्ति का पैर फिसल गया। वह नीचे जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान घायल ने दम तोड़ दिया। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा है।

सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र में मंडी समिति के पास रहने वाले नन्हें लाल (50) चाट पकौड़ी बेचकर परिवार का पालन पोषण करते थे। शनिवार शाम गीले कपड़े सुखाने के लिए अपने घर की छत पर गए थे। परिजनों के अनुसार छत पर उनका पैर फिसल गया था। जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया। वह नीचे जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले गए। चिकित्सक ने इलाज शुरू किया। रविवार देर रात इलाज के दौरान घायल की मौत हो गई।

सचिवों ने काली पट्टी बांधकर किया विरोध

संवाददाता, इस्लामनगर

अमृत विचार : ग्राम पंचायत व ग्राम विकास अधिकारियों ने सोमवार को ब्लॉक परिसर में ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली और गैर-विभागीय कार्यों के विरोध में शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया। आंदोलन के दौरान सभी सचिवों ने काली पट्टी बांधकर अपने आक्रोश का इजहार किया।

सचिवों का कहना है कि सरकार द्वारा लागू की गई ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था तकनीकी रूप से अव्यवहारिक है। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की कमी तथा अत्यधिक एप-आधारित कार्यों के दबाव से कार्य सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है। इसके साथ ही सचिवों ने गैर-विभागीय कार्यों की निरंतर बढ़ती जिम्मेदारी को भी अनुचित बताया। सचिव संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि आंदोलन चरणबद्ध तरीके से 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक जारी रहेगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 4 दिसंबर तक सभी सचिव काली पट्टी बांधकर शासकीय कार्य करते रहेंगे। इसके बाद 5 दिसंबर को सभी सचिव जनपद मुख्यालय पर सामूहिक धरना देंगे। विभागीय व्हाट्सएप समूहों से बाहर हो जाएंगे। 10 दिसंबर को सचिव अपने निजी वाहनों का उपयोग पूर्ण रूप से बंद कर भत्ते के अनुसार ही वाहन का प्रयोग करेंगे। वहीं 15 दिसंबर को भुगतान डोंगल विकास खंड कार्यालय में सहायक विकास अधिकारी को सौंपकर अगला चरण शुरू किया जाएगा। नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 15 दिसंबर तक उनकी मुख्य मांगें ऑनलाइन उपस्थिति वापस लेने, गैर-विभागीय कार्यों से मुक्ति दिलाने और कार्यक्षमता के अनुरूप सुविधाएं प्रदान करने पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो सभी सचिव अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर देंगे। सत्याग्रह में सचिव पंकज यादव, दिग्विजय सिंह, अरविंद कुमार, मोहसिन, संजीव कुमार, विनीत सक्सेना सहित विकास खंड के अन्य सचिव मौजूद रहे।

काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करते सचिव। ● अमृत विचार

बस की टक्कर से पांच लोग घायल

बदायूं, अमृत विचार : बदायूं-दिल्ली राजमार्ग पर कोतवाली उझानी क्षेत्र के गांव कुड़ा नरसिंहपुर के पास रोडवेज बस ने सवारी वाहन (मैजिक) को टक्कर मार दी। हादसे में सवारी वाहन पलट गया। जिसमें वाहन सवार पांच लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बिनावर थाना क्षेत्र के गांव निजामपुर पस्तोर निवासी नाजिम पुत्र जन्नत, एराज पुत्र सिराज, तस्लीम पुत्र खुशबू, मेहराज पुत्र सिराज और यासमीन दिल्ली से सवारी वाहन बुक करके अपने गांव उर्स में शामिल होने लौट रहे थे। सुबह लगभग सवा छह बजे गांव कुड़ा नरसिंहपुर के पास सामने से आई रोडवेज बस ने सवारी वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर होते ही वाहन पलट गया। मौके पर चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

ऑटो ने तोड़ा बैरियर, हाईवे पर लगा जाम

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : बेकाबू ऑटो ने रेलवे क्रासिंग का बैरियर तोड़ दिया। जिससे बरेली-मथुरा राजमार्ग पर जाम लग गया। लोग चार घंटों तक जाम में फंसे रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ऑटो को पकड़कर उसके चालक को हिरासत में लिया। उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सोमवार सुबह लगभग 11 बजे एक तेज रफ्तार ऑटो आया और बरेली-मथुरा राजमार्ग पर बिनावर थाना क्षेत्र में मलगांव स्थित रेलवे क्रॉसिंग के बैरियर में टक्कर मारकर तोड़ दिया। जिससे राजमार्ग पर आवागमन प्रभावित हुआ। राजमार्ग पर जाम लग गया। सूचना पर पहुंची आरपीएफ ने ऑटो चालक बिनावर की नई बस्ती निवासी पप्पू को हिरासत में ले लिया। हादसे की वजह से दोपहर चार बजे तक राजमार्ग पर दोनों ओर वाहनों की कतार लगी रहीं। एम्बुलेंस भी जाम में फंसी रहीं। आरपीएफ के एसएचओ रामप्रसाद सिंह के अनुसार पांच घंटे के जाम के दौरान पांच ट्रेनें गुजरी लेकिन किसी के समय में विलंब नहीं हुआ है। ट्रेन गुजरने के बाद धीरे-धीरे वाहन गुजरे। बैरियर सही होने के बाद वाहनों का व्यवस्थित रूप से आवागमन दुरुस्त हुआ।

बैरियर तोड़े जाने के बाद जाम में फंसे वाहन। ● अमृत विचार

थाने के सामने लगा भीषण जाम, एंबुलेंस फंसी

कादरचौक, अमृत विचार : थाने के सामने जाम का मुख्य कारण सड़क के किनारे ठेले खड़े होने तथा दुकानदारों द्वारा दुकान का सारा सामान सड़क पर लगा दिया जाता है। इनके द्वारा फुटपाथ की जगह घेर ली जाती है। साथ ही दर्जनों ई-रिक्शा और टेंपो वाले खड़े रहते हैं। सोमवार की सुबह जाम लगने से दर्जनों वाहन जाम में फंस गए। रोडवेज बस के अलावा एंबुलेंस भी जाम में फंस गई। जाम खुलवाने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद जाम खुल सका। जाम खुलने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

व्यापारी के निधन पर जताया शोक

उसहैत, अमृत विचार : नगर के प्रतिष्ठित किराना व्यापारी मदन लाल भारद्वाज का सोमवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार अटेना गंगा घाट पर किया जाएगा। मेन बाजार निवासी किराना व्यापारी मदनलाल भारद्वाज की सोमवार को देर शाम बीमारी के चलते निधन हो गया वह तीन माह से बीमार चल रहे थे। प्रतिष्ठित व्यापारी की अच्छाइयों को लेकर उनके निधन पर ध्रुव देव गुप्ता, अखिलेश गुप्ता, सतीश चंद्र गुप्ता, महेश गुप्ता, केशव भारद्वाज, विशाल भारद्वाज, प्रदीप भारद्वाज, राजाराम राठौर, नगर के संभ्रांत नागरिक एवं व्यापारियों ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

इंटर कॉलेज में एड्स के प्रति किया जागरूक

बदायूं, अमृत विचार : बिसौली के शरह बरौलिया स्थित सिद्ध बाबा इंटर कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई ने विश्व एड्स दिवस मनाया। कार्यक्रम अधिकारी अनमोल उपाध्याय ने कहा कि विश्व एड्स दिवस 1988 के बाद से हर साल एक दिसंबर को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य एचआईवी संक्रमण के प्रसार की वजह से एड्स महामारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। रेड रिबन एचआईवी पॉजिटिव लोगों के साथ एकजुटता और एड्स के साथ जी रहे लोगों के लिए वैश्विक प्रतीक है। वर्तमान युग में इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। जिससे कोई भी रोग होने से पहले उसका बचाव किया जा सके। शिक्षक अश्वनी शर्मा कहा कि स्कूल की ओर से पढ़ाई के साथ-साथ इस प्रकार की एक्टिविटी का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के ज्ञान में बढ़ोत्तरी करना है। नीरज चौहान, विप्लव भारती, रामौतार मौर्य आदि मौजूद रहे।

छुट्टा पशुओं से लोग परेशान, गोशाला भिजवाने की मांग

बदायूं, अमृत विचार : शहर से लेकर देहात तक लोग छुट्टा पशुओं से परेशान है। इन पशुओं के कारण आए दिन हादसे हो रहे है। लोगों ने इन पशुओं को गोशाला में भिजवाने की मांग की है।

एसआईआर कार्य की निगरानी करने का आह्वान

कार्यकर्ताओं को एसआईआर की जानकारी देते पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने सोमवार को शेखुपुर विधानसभा में बीएलए 2 का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। इसमें बीएलए वन ओमकार सिंह ने बीएलए 2 को प्रशिक्षण किया। साथ ही सचेत करते हुए कहा कि बीएलओ द्वारा किए जा रहे एसआईआर के कार्यों की निगरानी उनके द्वारा की जाए। कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस संगठन की असली ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता है। सभी कार्यकर्ताओं को गांव से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना होगा। इस मौके पर छोटे लाल, राजाराम, कमल प्रताप सिंह, तेजेंद्र पाल कश्यप, राघवेंद्र सिंह सोलंकी आदि मौजूद रहे।

कोर्ट बनाने के लिए खर्च होगी 45 लाख तक की धनराशि, स्कूलों को किया जा रहा चिन्हित

बा स्कूलों में बनेंगे बैडमिंटन और बास्केटबॉल कोर्ट

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कस्तूरबा गांधी आवासीय स्कूल में खेल संरचनाओं को विकसित करने की योजना को आगे बढ़ाया जा रहा है। इस योजना के तहत कस्तूरबा गांधी स्कूलों में आधुनिक बास्केटबॉल और बैडमिंटन कोर्ट बनाया जाएगा। जिन स्कूलों में खेल सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। वहां पर जमीन की उपलब्धता देखी जा रही है। इसके बाद बैडमिंटन और बास्केटबॉल कोर्ट तैयार किया जाएगा। इसके लिए शासन की ओर से धनराशि मुहैया करा दी है। बजट मिलने के बाद शिक्षा विभाग द्वारा कवायद शुरू कर दी है।

जिले में 18 कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय संचालित हैं। इन स्कूलों में दो हजार से अधिक छात्राएं अध्ययनरत हैं। छात्राओं को निशुल्क शिक्षा देने के साथ ही अन्य सुविधाएं भी मुहैया कराई जाती हैं। स्कूलों में अध्ययनरत छात्राएं खेलों में रुचि रखती हैं, लेकिन स्कूलों में खेल सुविधाओं के अभाव के चलते यह छात्राएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं कर पाती थीं। ऐसी स्थिति को देखते हुए कस्तूरबा गांधी आवासीय स्कूलों में आधुनिक बैडमिंटन और बास्केटबॉल कोर्ट तैयार किया जाएगा। फिलहाल बैडमिंटन व बास्केटबॉल दो स्कूलों में तैयार होना है। कोर्ट का निर्माण करने में करीब 45 लाख रुपये खर्च होने हैं। इसके लिए शासन की ओर से बेसिक शिक्षा विभाग को बजट मुहैया करा दिया गया है। बजट मिलने के बाद शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों का सर्वे कर रहा है। जिन स्कूलों में जमीन की उपलब्धता रहेगी। वहां पर बैडमिंटन और बॉस्केटबॉल कोर्ट का निर्माण कराया जाएगा। आधुनिक बास्केटबॉल और बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण होने से छात्राओं को बेहतर खेल वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। बॉ स्कूलों में खेल संरचनाओं को विकसित करने की योजना को आगे बढ़ाया है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार बैडमिंटन और बास्केटबॉल कोर्ट निर्माण के साथ-साथ मैदान के समतलीकरण, बाउंड्री निर्माण, ग्राउंड मार्किंग और आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था भी कराई जाएगी। जिससे छात्राएं अपनी खेल प्रतिभा को बेहतर ढंग से निखार सकेंगी।

छात्राओं को उपलब्ध कराई जाएगी स्पोर्ट्स किट

शिक्षा अधिकारियों ने बताया कि बॉ स्कूलों की छात्राओं को स्पोर्ट्स किट उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही बास्केटबॉल, बैडमिंटन रैकेट, शटल कॉक, नेट, स्पोर्ट्स जर्सी आदि सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वे प्रतियोगिताओं में बेहतर तैयारी के साथ भाग ले सकें। इससे बालिकाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी और उनकी शारीरिक फिटनेस व मानसिक विकास में भी सुधार होगा।

> बॉ स्कूलों में बैडमिंटन और बास्केटबॉल कोर्ट का निर्माण होगा। कोर्ट का निर्माण उन स्कूलों में कराया जाएगा। जिसमें खेल मैदान की उपलब्धता है। सर्वे कराया जा रहा है। इसके बाद स्कूल चिन्हित कर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।
>
> – वीरेंद्र कुमार सिंह, बीएसए

परीक्षा केंद्रों की अनंतिम सूची जारी

बनाए गए 99 परीक्षा केंद्र, 4 दिसंबर तक मांगी आपत्तियां, 11 तक होगा निस्तारण

यूपी बोर्ड परीक्षा

- जिले भर में 67,945 हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के छात्र-छात्राएं हैं पंजीकृत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से परीक्षा केंद्रों की अनंतिम सूची जारी कर दी है। इस बार एक परीक्षा केंद्र कम कर दिया गया है। 99 कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया है। सूची जारी करने के बाद चार दिसंबर तक आपत्तियां मांगी है। इन आपत्तियों का निस्तारण करने के बाद 11 दिसंबर तक निस्तारण कर ऑनलाइन सूचना बोर्ड को भेजी जाएगी। इसके बाद अंतिम सूची होगी।

जिले में 308 माध्यमिक स्कूल संचालित हैं। आगामी वर्ष फरवरी माह की 18 तारीख से हाईस्कूल इंटरमीडिएट की परीक्षाएं होनी है। बोर्ड की ओर से परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। परीक्षा कार्यक्रम जारी होने के बाद एसडीएम स्तर पर गठित समिति के द्वारा स्कूलों का भौतिक सत्यापन कराया गया था। जिसकी रिपोर्ट 20 नवंबर तक ऑनलाइन अपलोड होनी थी। रिपोर्ट अपलोड होने के बाद शासन से परीक्षा केंद्रों की अनंतिम सूची जारी करने की तिथि 27 नवंबर को निर्धारित की हुई थी। लेकिन सूची जारी नहीं हुई। सूची जारी होने का स्कूल संचालक इंतजार कर रहे थे। सोमवार को माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से बोर्ड परीक्षा के लिए केंद्रों का निर्धारण करते हुए सूची जारी की है। 99 कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया है। अनंतिम सूची जारी होने के बाद 4 दिसंबर तक आपत्तियां मांगी गई हैं। आने वाली आपत्तियों का निस्तारण करने के बाद 11 दिसंबर को रिपोर्ट शासन स्तर पर भेजी जाएगी। इसके बाद आगामी फरवरी माह में वाली हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए सभी स्कूलों में 67945 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इनमें इंटरमीडिएट के 30576 परीक्षार्थी और हाईस्कूल में 37369 परीक्षार्थी शामिल हैं। यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए पिछले साल की अपेक्षा इस बार 98 अधिक विद्यार्थी पंजीकृत हैं। कुछ दिनों पूर्व शासन के आदेश पर स्कूलों में उपलब्ध सुविधाएं जैसे सीसीटीवी, पेयजल, शौचालय, फर्नीचर आदि का विवरण बोर्ड के पोर्टल पर संचालकों और प्रधानाचार्य द्वारा दर्ज कर दिया गया था। इन्हीं सुविधाओं के आधार पर बोर्ड की ओर से 99 कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

हाईस्कूल में बढ़ी, इंटर में घटी विद्यार्थियों की संख्या

यूपी बोर्ड परीक्षा में इस बार गत वर्ष से 98 अधिक बच्चे पंजीकृत हैं। पिछले वर्ष 67847 बच्चे पंजीकृत थे। इस बार 67945 बच्चे पंजीकृत हैं। पिछले साल की अपेक्षा इस बार हाईस्कूल में 1,535 बच्चों की संख्या अधिक है। पिछले साल बोर्ड परीक्षा में हाईस्कूल के 35834 विद्यार्थी पंजीकृत थे। वहीं इंटरमीडिएट में 1,437 हुए हैं। पिछली बार 32013 विद्यार्थियों इंटरमीडिएट में पंजीकृत थे। गत वर्ष हुई परीक्षा में सौ कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। इस बार बच्चे अधिक होने की बाद भी 99 कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

> माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। 99 कॉलेज परीक्षा केंद्र बनाए हैं। 4 दिसंबर तक आपत्तियां मांगी है।
>
> – लालजी यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक

उच्च प्राथमिक वर्ग की प्रतियोगिता में अली बने विजेता

विजय नगला, अमृत विचार : विकास क्षेत्र सालारपुर के ब्लॉक संसाधन केंद्र पर दिव्यांग बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता हुई। जिसमें सालारपुर, जगत, उझानी, कादरचौक, नगर क्षेत्र के दिव्यांग बच्चों ने प्रतिभाग किया। एडीओ पंचायत शिवकुमार प्रतियोगिता का आरंभ किया। मानसिक मंदित बच्चों की उच्च प्राथमिक वर्ग की दौड़ की प्रतियोगिता में अली को पहला, वंश को दूसरा, सोनी को तीसरा स्थान और प्राथमिक वर्ग में नितिन को पहला, शिवम को दूसरा व आरती को तीसरा स्थान मिला। श्रवण बाधित बच्चों की कुर्सी दौड़ में दरक्षा पहले, देव दूसरे, अर्चित तीसरे और सुलेख में आरती पहले, आनंद बाबू दूसरे, सोनी तीसरे स्थान पर रहे। विशेष शिक्षक दिव्या उपाध्याय, सरिता देवी, रेखा देवी, संदीप कुमार, राजेश मौर्य, संतोष कुमार, इंदल कुमार, सुरेश मिश्रा, इकबाल सिंह, जुगल किशोर, दुर्गश प्रताप सिंह, वरिष्ठ लिपिक आकाश सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

इस्लामनगर में हुई दिव्यांग बच्चों की प्रतियोगिताएं

दौड़ की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते दिव्यांग बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, इस्लामनगर

- विजेताओं को किया सम्मानित प्रतिभागियों को दिया गया सांत्वना पुरस्कार

अमृत विचार : विकास क्षेत्र सहसवान के ब्लॉक संसाधन केंद्र पर दिव्यांग बच्चों की तहसील स्तरीय प्रतियोगिता कराई गई। विकास क्षेत्र इस्लामनगर, अंबियापुर के दिव्यांग बच्चे, उनके अभिभावक और विशेष शिक्षक शामिल हुए।

प्रतियोगिता का आरंभ खंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने किया। इसके बाद मानसिक मंदित और श्रवण बाधित छात्र-छात्राओं की दौड़, कुर्सी दौड़, कला प्रतियोगिता, अन्न छूकर पहचानने आदि रोचक प्रतियोगिताएं कराई गईं। संचालन विशेष शिक्षक संजय कुमार ने किया। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उदय सेन, ओमवीर, मनोज, सर्वेश, अनिल शुक्ल, अनूप, क्वालिटी कोऑर्डिनेटर जुनैद, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह, ओमकार आदि उपस्थित रहे। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

सेमिनार में 31 लोगों को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : प्रकृति फाउंडेशन, ममता सेवी संस्था का मेरठ के पी श्री स्टूडियो में राष्ट्रीय सेमिनार और सम्मान समारोह का आयोजन किया। जिसका विषय राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका था। सेमिनार में बदायूं के शिक्षाविद और समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। संयोजक मुकेश और फाउंडर निरुपमा वर्मा ने बताया कि संस्था समाज को समर्पित व शिक्षा को समर्पित कार्यक्रम करती रहती है। जिससे ऊर्जा संचारित होती रहे।

समारोह में समाज सेवा में किए गए सराहनीय कार्यों के लिए 31 लोगों का अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर अलंकृत किया गया। जिसमें बदायूं की डॉ. वंदना मिश्रा, डॉ. प्रतिभा मिश्रा, प्रो. सरला चक्रवर्ती, डॉ. शुभ्रा माहेश्वरी को सम्मान मिला। ममता सेवी संस्था की संस्थापक डॉ. ममता नौगरैया, डॉ. वंदना, डॉ. प्रतिभा, मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ. मिथलेश दीक्षित, मुख्य वक्ता सतीश सजह रहीं। प्रसिद्ध कवयित्री डॉ. शुभम त्यागी ने काव्यपाठ किया। डॉ. सुबोध, आरके भटनागर, उमेश वर्मा, चरण सिंह, रीना मित्तल, चंद्र शेखर, मयूर, निशा वर्मा, आयुष वर्मा, डॉ. नीलम मिश्रा आदि उपस्थित रहीं।

सेमिनार में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोग। ● अमृत विचार

- बदायूं की चार शिक्षिकाओं को किया गया अलंकृत

गीता जयंती पर गांव में निकाली शोभायात्रा

संवाददाता, नूरपुर पिनौनी

अमृत विचार : गीता जयंती के अवसर पर सोमवार को शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा गांव भर में घूमी। जिसमें भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। समापन पर ग्रामीणों को भगवान श्री कृष्ण के जीवन से संबंधित जानकारी दी गई।

शोभायात्रा में शामिल ग्रामवासी शामिल डोल नगाड़ों की थाप पर भक्तिमय भजन गाते चल रहे थे। शोभायात्रा के निकलने के दौरान गांव में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा। मंदिर के पुजारी डॉक्टर विपिन बिहारी दास ने बताया कि गीता जयंती पर धार्मिकता और दान पुण्य का बहुत बड़ा महत्व होता है। इसी उदेश्यों के चलते गीता जयंती मनाई जा रही है। शोभायात्रा में योगेश गुप्ता, हरगोविंद गुप्ता, दयाराम, गुड्डू शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

शोभायात्रा में शामिल ग्रामीण। ● अमृत विचार

खुशबू व आरोन का सबसे दूर गिरा गोला

संवाददाता, उस्मानपुर

अमृत विचार : सभी विधानसभा क्षेत्रों में विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन हो रही है। इसी कड़ी में सोमवार को दहगवां ब्लॉक क्षेत्र के गांव जरीफनगर स्थित खेल मैदान पर खेल स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसे भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुभाष गुप्ता तथा ब्लॉक प्रमुख नमित गुप्ता ने फीता काटकर आरंभ कराया।

गोला फेंक प्रतियोगिता में खुशबू और आरोन मसीह प्रथम स्थान पर रहे। विजेता खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुरुष वर्ग जूनियर 400 मीटर दौड़ में विपिन यादव, 100 मीटर में मुकेश प्रथम स्थान पर रहे। जूनियर 200 मीटर मुकेश, जूनियर 1500 मीटर मनोज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।, सब जूनियर बालिका 100 मीटर में मानसी चौधरी, 800 मीटर में खुशबू प्रथम स्थान पर रहीं। गोला फेंक सब जूनियर बालक वर्ग में बाबू, जूनियर वर्ग मे आरोन मसीह, सीनियर वर्ग में अमृतांश कौशिक प्रथम स्थान पर रहे। जूनियर वर्ग पुरुष कबड्डी में पिंडोल की टीम प्रथम स्थान पर रही। जूनियर वर्ग महिला कबड्डी में कस्तूरबा स्कूल की टीम प्रथम रहीं। विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि द्वारा मेडल एवं प्रमाण पत्र तथा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस मौके विशाल पाल, अनुज कुमार सागर, पीटीआई सुरेश चंद्र, अनूप कुमार, विपिन यादव, देवेंद्र कुमार, देव किशन यादव उपस्थित रहे।

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

- दहगवां ब्लॉक में हुई विधायक खेल स्पर्धा, विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

खेल कूद प्रतियोगिता को फीता काटकर आरंभ कराते ब्लॉक प्रमुख।

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE

द्वारा IVF कैम्प

दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर

RISAA IVF Creating life.... completing families.

अब अधूरे सपने होंगे पूरे

निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर

परामर्श शुल्क मुफ्त

दिन : 8 दिसम्बर 2025 दिन सोमवार

समय : प्रातः 10:00 से 01 बजे तक

अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !

उपलब्ध सुविधायें :-

★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें सस्ती दरों पर
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) मार्केट रेट से 35% की छूट पर
★ लैब टेस्ट पर भारी छूट
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 150/- में

विशेषतायें:-

★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब

देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....

स्थान :

IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

सुरेश शर्मा नगर चौराह, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली

रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 6398018900, 8171925965

विश्व एड्स दिवस | गिन्दो देवी महिला महाविद्यालय में हुए जागरुकता कार्यक्रम, हस्ताक्षर अभियान चलाकर और रैली निकालकर किया जागरूक

चार कारणों से फैलता हैं एड्स, जानकारी ही बचाव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : विश्व एड्स रोग दिवस पर गिन्दो देवी महाविद्यालय समेत विभिन्न स्थानों पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। डीआरडीए के परियोजना निदेशक अखिलेश चौबे की अध्यक्षता में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। छात्राओं ने एड्स के प्रति जागरूकता रैली निकाली। संगोष्ठी और पोस्टर प्रतियोगिता कराई गई। छात्राओं को सम्मानित किया गया। परियोजना निदेशक ने कहा कि एड्स भयानक रोग है। जो चार कारणों से फैलता है। इसका कोई इलाज नहीं है बल्कि जानकारी ही बचाव है। युवा पीढ़ी इस चीज का विशेष ध्यान रखें कि हम इस बीमारी के बारे में अच्छे से समझ लें और अन्य लोगों को भी जागरूक करें।

परियोजना निदेशक, सीएमओ डॉ. रामेश्वर मिश्रा, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विनेश कुमार, प्राचार्य प्रो. सरला चक्रवर्ती व अन्य लेक्चरर ने हस्ताक्षर करके अभियान शुरू की। इसके बाद महाविद्यालय की छात्राओं ने जागरुकता के उद्देश्य से रैली निकाली। छात्राओं ने एड्स के प्रति जागरूक करते नारे लगाए। महाविद्यालय में हुई पोस्टर प्रतियोगिता में अनामिका को पहला, वैष्णवी को दूसरा और साक्षी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। जिला क्षय रोग अधिकारी ने सभी छात्राओं के अलावा कार्यक्रम में सहयोग करने वाले स्टाफ को शील्ड देकर सम्मानित किया। कहा कि साल 2025 में बाधाएं होंगी दरकिनार, एचआईवी और एड्स पर होगा सशक्त प्रहार थीम पर विश्व एड्स दिवस मनाया जा रहा है। कहा कि एड्स संक्रमित ब्लड को दूसरे व्यक्ति में चढ़ाने से, एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के लगाए गए सिरिंज से दूसरे व्यक्ति को इंजेक्शन लगाने, एचआईवी संक्रमित महिला से होने वाली बच्चे को और असुरक्षित संबंध बनाने से एक दूसरे में फैलता है। इस चार बातों का ध्यान रखकर एड्स से बचा जा सकता है। एसटीएस बृजेश राठौर ने बताया कि इलाज कराते समय हमेशा नई सिरिंज से ही इंजेक्शन लगवाएं। नाई से सेविंग कराते समय नए ब्लेड का ही प्रयोग कराएं। खून की जरूरत होने पर प्रमाणित ब्लड बैंक से ही खून लें और ही संबंधित व्यक्ति को चढ़वाएं। छात्राएं अपने कम से कम दो पड़ोसियों को जानकारी देकर जागरूक करें।

प्रतियोगिता के बाद पोस्टर दिखाकर जागरूक करती छात्राएं। ● अमृत विचार

हस्ताक्षर करते डीआरडीए के परियोजना निदेशक अखिलेश चौबे व अन्य।

एड्स से ग्रसित व्यक्ति से भेदभाव न करें

प्राचार्य ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं और समाज में जागरुकता फैलाना है। एड्स की बीमारी का अभी तक कोई इलाज नहीं है। जागरुकता ही बचाव है। एड्स से ग्रसित व्यक्ति से किसी भी तरह का भेदभाव न करें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिल्पी तोमर ने किया। प्रो. डॉ. इंदु वर्मा, डॉ. श्रद्धा, डॉ. शुभी भसीन, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. प्रीति वर्मा, डॉ. शालू गुप्ता, डॉ. वबिता, डॉ. इति अधिकारी, डॉ. वंदना वर्मा, डॉ. उमा सिंह गौर, डॉ. निशा साहू आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

बाइक सवार युवकों को ई-रिक्शा ने मारी टक्कर तीन लोग घायल

चंदौसी,अमृत विचार : चंदौसी के थाना कुढ़ फतेहगढ़ के गांव भीकमपुर निवासी किशनकांत , विजय सिंह व गौरव सोमवार को गांव बेरनी के प्राचीन शिव मंदिर पर जलाभिषेक कर बाइक से सुबह करीब सात बजे लौट रहे थे। कुढ़ फतेहगढ़ मार्ग स्थित गांव कोकावास नवादा के पुल के पास ई रिक्शे ने टक्कर मार दी । तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए । किशनकांत व विजय सिंह को चंदौसी सीएचसी ले जाया गया जबकि गौरव को परिजन एक निजी अस्पताल लेकर चले गए। सीएचसी से दोनों युवकों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

कार्रवाई नहीं होने पर फिर भूख हड़ताल पर बैठीं मां और बेटी

बहजोई,अमृत विचार : आश्वासन के बाद भी कार्रवाई न होने पर संभल के मोहल्ला कोट पूर्वी की निवासी मंजूलता फिर अपनी बेटी के साथ आमरण अनशन पर बैठ गई । उन्होंने 27 नवंबर को भी जिला कलेक्ट्रेट परिसर में भूख हड़ताल की थी ।उनका आरोप है कि पड़ोस की एक महिला ने उनकी बेटी से धोखाधड़ी कर जेवरात ले लिए और बैंक में गिरवी रख दिए ।पुलिस अधिकारियों से फोन पर हुई बातचीत के बाद उन्होंने अपना अनशन स्थगित कर दिया था। कार्रवाई न होने पर उन्होंने एक दिसंबर को फिर से भूख हड़ताल शुरू कर दी। इस दौरान समाज हित संरक्षण समिति के अध्यक्ष भगवानदास शर्मा भी उनके साथ मौजूद रहे।

बुलेट से निकाली पटाखे की आवाज, साढ़े ग्यारह हजार रुपये का चालान

संभल, अमृत विचार : बुलेट बाइक से पटाखे की आवाज निकालने वाले को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो उसने बाइक दौड़ा दी । पुलिस ने पीछा कर बाइक पकड़ ली और साढ़े ग्यारह हजार रुपए का चालान कर सीज कर दी। सोमवार की शाम मंसूरपुर माफी चौकी इंचार्ज रोहित मलिक गस्त पर थे। मढ़न-मंसूरपुर माफी मार्ग पर एक युवक बुलेट बाइक से बार-बार पटाखे की आवाज निकालते आ रहा था । पुलिस ने बाइक चालक को रोकने का प्रयास किया तो वह भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे दबोच लिया और बाइक का साढ़े ग्यारह हजार रुपए का चालान कर बाइक सीज कर दी। चौकी इंचार्ज रोहित मलिक ने बताया बुलेट सवार युवक ने हेलमेट भी नहीं लगा रखा था और उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस और बाइक के कागजात नहीं मिले । युवक अमरोहा जनपद के थाना डिडौली क्षेत्र के गांव ककराली निवासी कपिल है।

बाजार में ग्राहकों को बेचा जा रहा मिलावटी व केमिकल युक्त पनीर

नवादा व बिनावर में होता है तैयार, दिल्ली हरियाणा समेत अन्य जिलों में होती है सप्लाई

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सहालग सीजन में दूध और पनीर की डिमांड अधिक है। जल्द ही अमीर बनने के चक्कर में मिलावटखोर मिलावटी दूध, पनीर और खोया समेत अन्य खाद्य पदार्थ बेचकर लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। वह केमिकल युक्त पनीर तैयार बेचा जा रहा है। इसकी सप्लाई दिल्ली, हरियाणा सहित अन्य जनपदों में हो रही है। शहर के गांव नवादा और बिनावर क्षेत्र केमिकल युक्त पनीर बनाने के लिए जग विख्यात है, लेकिन खाद्य सुरक्षा विभाग प्रशासनिक अधिकारियों या फिर शासन के आदेश आने के बाद ही हरकत में आता है। एक दो स्थानों पर कार्रवाई कर अन्य को छोड़ दिया जाता है। अन्य दिनों में खाद्य सुरक्षा विभाग की लापरवाही के चलते मिलावटखोरों को धंधा चलता रहता है।

सहालग सीजन में हर दिन करीब दस से बीस टन पनीर की खपत हो रही है। डिमांड अधिक होने और दूध की कमी के बावजूद बाजार में पनीर की उपलब्धता बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सारा खेल पशु पालकों से दूध खरीद से शुरू होता है। पनीर बनाने वाले लोग पशु पालकों से सस्ते दाम पर दूध खरीदते हैं। बाद में दूध में केमिकल और कृत्रिम पदार्थ मिलाकर पनीर तैयार किया जाता है, जिसे बाजार में असली बताकर ऊंचे दामों पर बेचा जाता है। लोगों का कहना है कि शादी, वाह सहित कई सामाजिक आयोजनों में भी दुकानदारों द्वारा यह मिलावटी पनीर सप्लाई किया जाता है। शहर के थाना सिविल लाइन क्षेत्र के साथ थाना बिनावर क्षेत्र के कई गांवों में केमिकल युक्त पनीर बनाया जाता है। केमिकल युक्त पनीर की सप्लाई शहर के साथ दिल्ली, हरियाणा, बरेली, मुरादाबाद तथा अन्य शहरों और प्रांतों में होती है। लोगों का कहना है कि मिलावटी पनीर की सप्लाई मिलावटखोरों के द्वारा रात के अंधेरे में होती है। पनीर की सप्लाई करने के लिए रोडवेज बस का प्रयोग कर करते हैं। लोगों का कहना है कि पनीर बनाने के लिए जिन रसायनों का उपयोग किया जा रहा है, वे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक हैं। चिकित्सकों के अनुसार ऐसे रसायन पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ लीवर, किडनी और दिल संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ाते हैं। लोग गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो जा रहे हैं।

केमिकल युक्त पनीर को नष्ट करते खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी। ● अमृत विचार

इन गांवों में तैयार होता है केमिकल युक्त पनीर

केमिकल युक्त हर दुकान पर मिल जाएगा। सब्जी मंडी, मिठाइयों की दुकानों और डेयरियों पर इसकी उपलब्धता है। लोग बताते हैं कि केमिकल युक्त पनीर बनाने के लिए एक दर्जन से अधिक गांव जग विख्यात हैं। शहर के नजदीक खेड़ा नवादा, थाना बिनावर क्षेत्र के गांव बिंदुलिया, सिकरोड़ी, बिनावर में सबसे अधिक केमिकल युक्त पनीर तैयार होता है। इन स्थानों पर हर समय भट्ठियां धधकती रहती हैं।

बिनावर में पकड़ा गया 76 किलो मिलावटी पनीर

शासन के आदेश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा बिनावर क्षेत्र में कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने केमिकल युक्त पनीर बनाने वाले मुनब्बर के यहां छापा मारा। यहां से अधिकारियों ने 76 किलो पनीर पकड़ा। पनीर में से दुर्गंध आ रही थी। अधिकारियों ने सैंपल लेने के बाद उसे नष्ट करा दिया। कार्रवाई करने वालों में सहायक खाद्य आयुक्त सीएल यादव, करन सिंह, माता शंकर बिंद और भगवत सिंह आदि शामिल रहे।

वैमनस्यता व अपमानित करने के मामले में आजम खान बरी

लखनऊ, अमृत विचार: सरकारी लेटर पैड एवं मोहर का गलत इस्तेमाल कर वैमनस्यता फैलाने और अपमानित करने के मामले में पूर्व मंत्री आज़म ख़ान को एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने बरी कर दिया।

विशेष अदालत ने अपने विस्तृत निर्णय में कहा कि घटना 2014 की बताई जाती है। परंतु वादी अल्लामा अमीर नकवी द्वारा 2019 में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। उन्होंने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 468 की व्याख्या करते हुए कहा है कि यह मामला काल बाधित भी हो चुका है। कोर्ट ने बचाव पक्ष के इस कथन को भी स्वीकार किया कि यह रिपोर्ट मौलाना कलवे जव्वाद की ओर से वादी अल्लामा अमीर नकवी द्वारा लिखाई गई है परंतु अल्लामा अमीर नकवी न तो पीड़ित पक्ष है और न ही उन्हें रिपोर्ट दर्ज कराने का कोई विधिक अधिकार था। कोर्ट में वादी अल्लामा अमीर नकवी ने स्वीकार किया कि उसकी इस प्रकरण में कोई मानहानि नहीं हुई है। कोर्ट ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 199 की व्याख्या करते हुए कहा है की प्रावधानों के अनुसार कोई पीड़ित व्यक्ति ही परिवाद दाखिल कर सकता है अन्यथा ऐसा परिवाद तभी दूसरा व्यक्ति दाखिल करेगा जब संबंधित व्यक्ति पागल हो अथवा उसकी आयु 18 वर्ष से कम हो। कोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी कहा है कि कथित प्रेस रिलीज को वादी द्वारा विवेचक को दिया जाना कहा गया है।

हैलीकाप्टर से की पुष्पवर्षा पहली श्री कल्कि कथा आरंभ

कल्कि धाम में कलश यात्रा निकालतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: संभल के ऐचौड़ा कंबोह स्थित कल्कि धाम में सोमवार से सात दिवसीय कल्कि महोत्सव का भव्य आंरभ हो गया। महोत्सव की शुरुआत अद्भुत दृश्यों के साथ हुई, जहां दुनिया में पहली बार आयोजित हो रहे कल्कि महोत्सव में श्री कल्कि कथा का प्रवचन जगद्गुरु श्री रामानंदाचार्य श्री रामभद्राचार्य द्वारा किया गया।

गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत, दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी और कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने दीप प्रज्ज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया। इस दौरान देशभर से पहुंचे साधु-संतों व श्रद्धालुओं की मौजूदगी रही। सभी ने विश्व की पहली कल्कि कथा सुनने का सौभाग्य प्राप्त किया। महोत्सव परिसर में साधु-संतों के प्रवास के लिए सप्तऋषि, सप्तनदी और सप्तपुरी के नाम पर विशेष कुटियाएं बनाई गई हैं, जबकि कल्कि पुरम नाम से बड़ी टेंट सिटी बसाई गई है। मंच पर विराजमान जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य ने कहा कि कल्कि पुराण के दिव्य प्रसंगों और अद्भुत कथाओं का रसपान श्रद्धालुओं को कराया जाएगा। महोत्सव मंच पर दीप प्रज्ज्वलन के बाद उपस्थित संतों और अतिथियों ने जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य की चरण पादुका का पूजन किया। सांसद मनोज तिवारी ने कल्कि धाम में चल रहे निर्माण कार्य पर आधारित भजन भी प्रस्तुत किया। पहले दिन की कथा में हजारों श्रद्धालु श्री कल्कि कथा सुनकर मंत्रमुग्ध दिखाई दिए। कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह के साथ ही संभल के डीएम डॉ. राजेंद्र पेंसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने भी कल्कि धाम पहुंचकर जगद्गुरु से आशीर्वाद प्राप्त किया।

स्थानांतरित होने पर पुलिस कर्मचारियों को दी विदाई

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली परिसर में सोमवार को विदाई समारोह का आयोजन किया। इसमें स्थानांतरण हुए पुलिसकर्मी अभिषेक गोयल, सुंदर सिंह, अनुपम सिंह व संजीव कुमार को विदाई दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोतवाल मनोज कुमार ने की। इस दौरान पुलिसकर्मियों के उत्कृष्ट कार्य, अनुशासन और सेवा भावना की सराहना करते हुए उनके भविष्य में भी उसी निष्ठा के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई गई।

कोतवाल ने कहा कि पुलिस सेवा में स्थानांतरण एक सतत प्रक्रिया है, लेकिन इससे कार्य की ऊर्जा और उत्साह कम नहीं होना चाहिए। इस दौरान साथियों ने भी अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि स्थानांतरित पुलिस कर्मियों ने हमेशा टीम भावना के साथ कार्य किया और अपने व्यवहार से सभी को प्रभावित किया। इस मौके पर क्राइम इंस्पेक्टर बीके मौर्य, राममेहर सिंह, बलबीर सिंह, संजीव कुमार, सोमवीर सिंह, संदीप सिंह, योगेंद्र सिंह, अबरार खान आदि मौजूद रहे।

पुलिसकर्मियों को विदाई देता स्टाफ।

घर में घुसा युवक ले गया जेवर व नगदी

बहजोई, अमृत विचार: बहजोई के एक मोहल्ला निवासी महिला के घर में युवक रात में घुस गया। महिला ने जेवर व नगदी चोरी करने का आरोप लगाया है।

बहजोई के मोहल्ला हवाई अड्डा स्थित विकास कालोनी में रहने वाली संजना देवी ने एसपी को प्रार्थना पत्र दिया कि 29 नवंबर की रात करीब दो बजे मोहल्ले का एक युवक छत के रास्ते घर में घुस आया और अलमारी का ताला तोड़कर सोने की चार चूड़ी, करीब ढाई तोला वजनी सोने का हार, पांच ग्राम का मंगलसूत्र, करीब छह ग्राम की दो सोने की अंगूठियां, दो जोड़ी चांदी की पाजेब, लगभग 500 ग्राम चांदी और आठ हजार रुपये निकाल ले गया। थाना प्रभारी संत कुमार सिंह ने बताया कि चोरी जैसे कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं, घटना संदिग्ध लग रही है।

प्रधानाध्यापकों की खींचतान से स्कूल में ताला

संवाददाता, बबराला

अमृत विचार: प्राथमिक विद्यालय प्रथम में वर्तमान और पूर्व प्रधानाध्यापक के बीच चल रहे विवाद ने विद्यालय की व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर दिया। नतीजतन सोमवार को विद्यालय के मुख्य द्वार पर ताला लटका रहा और बच्चों को सड़क किनारे बैठकर पढ़ाई करनी पड़ी।

12 सितंबर को तीन वर्ष पूर्व निलंबन के बाद बहाल हुए प्रधानाध्यापक भुवनेश शर्मा को अदालत के आदेश पर विद्यालय में नियुक्त किया गया था। ढाई महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उन्हें विद्यालय का विधिवत चार्ज नहीं दिया जा सका। बताया गया कि विद्यालय की चाबी और अभिलेख पूर्व इंचार्ज प्रधानाध्यापक प्रीति शर्मा के पास हैं। सोमवार सुबह जब बच्चे व शिक्षक विद्यालय पहुंचे तो मुख्य द्वार बंद मिला। प्रधानाध्यापक भुवनेश शर्मा, शिक्षामित्र साधना सिंह व निर्मला ने बताया कि चाबी पूर्व इंचार्ज के पास होने के कारण विद्यालय नहीं खोला जा सका। इससे तमाम बच्चों को स्कूल गेट के बाहर बैठकर पढ़ना पड़ा। सूचना पर खंड शिक्षा अधिकारी एमएल पटेल मौके पर पहुंचे और ताला तुड़वाकर विद्यालय परिसर की सफाई करवाई। निर्धारित समय से ढाई घंटे देरी से करीब 11:30 बजे स्कूल प्रांगण में कक्षा एक से पांच तक के सभी बच्चों को एक साथ बैठाकर पढ़ाई की औपचारिकता पूरी की गई।

स्कूल में ताला लगा होने की वजह से बाहर खड़े बच्चे। ● अमृत विचार

● स्कूल बंद होने पर सड़क किनारे बैठकर बच्चों ने की पढ़ाई

तीन दिन से नहीं बना मिड-डे-मील

बीईओ को यह भी पता चला कि विद्यालय में पिछले तीन दिनों मिड-डे-मील नहीं बना था, क्योंकि रसोईघर की चाबी भी पूर्व इंचार्ज के पास ही थी। उन्होंने तत्काल व्यवस्था करते हुए बच्चों को बिस्कुट और केला वितरित कराया। प्रीति शर्मा ने कहा कि 24 नवंबर से उनकी ड्यूटी एसआईआर प्रक्रिया के तहत बीएलओ के साथ लगी हुई है, जिस कारण समय से विद्यालय नहीं पहुंच सकीं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान प्रधानाध्यापक स्वयं चार्ज ग्रहण नहीं कर रहे। बीईओ ने मामले की जांच रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजने और आवश्यक कार्रवाई की बात कही है।

26 सिलेंडर किए बरामद, एक हिरासत में

संभल, अमृत विचार : सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमारने मोहल्ला नाला स्थित एक मकान में चल रहे अवैध गैस रिफिलिंग के कारोबार का खुलासा किया गया। मौके से उवैस नाम का युवक पकड़ा। 26 सिलेंडर बरामद किए गए। इसके अलावा तीन छोटे सिलेंडर भी मिले, जिन्हें वाहन उपयोग में लाए जाने की आशंका है। मकान के अंदर से 10 से 12 रीफिलिंग मशीनें मिलीं, जिनमें से दो मशीनें चालू थीं। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि आवासीय क्षेत्र में इस तरह की अवैध गैस रीफिलिंग किसी भी समय बड़ा हादसा करा सकती है।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल
N.H.-30, बंथरा, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश
Radiation Oncology Department
Cancer Facilities (कैंसर उपचार एवं सुविधाएं)
कैंसर की सटीक जाँच (Accurate Diagnosis)
नवीनतम तकनीक द्वारा कैंसर की प्रारंभिक एवं सटीक पहचान की सुविधा
● बायोप्सी
● रेडियो इमेजिंग (CT, MRI)
● ब्लड मार्कर जाँच

कीमोथेरेपी (Chemotherapy)
● सभी प्रकार के कैंसर की कीमोथेरेपी द्वारा उपचार की पूर्ण व्यवस्था
कैंसर की पूर्ण देखभाल (Comprehensive Cancer Care)
● कैंसर रोगियों के लिए पोषण, काउंसलिंग एवं पुर्नवास सहायता
● व्यक्तिगत (Individualised) उपचार योजना
रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट परामर्श उपलब्ध
● कैंसर के हर चरण के लिए सही मार्गदर्शन व उपचार योजना उपलब्ध।
(प्रतिदिन ओ.पी.डी. कमरा नं. 171 में प्रातः 9:00 से सायं 4:00 बजे तक)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- 7521001988, 7521001989

वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर बने अमन सिंह

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सीसीटीवी कैमरा व्यापारी के बेटे अमन सिंह भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर बने हैं। उन्होंने एनडीए की 149वीं पासिंग आउट परेड में रविवार को शानदार प्रदर्शन करके ऑफिसर बनने का सम्मान हासिल किया। पुणे स्थित परेड ग्राउंड में हुई पासिंग परेड में बेहतरीन मार्च पास्ट, सैन्य शपथ, अनुशासित कदमताल से उन्होंने ध्यान अपनी ओर खींचा।

शहर निवासी सीसीटीवी कैमरा व्यापारी आशीष कुमार सिंह और रेखा सिंह के बेटे अमन सिंह ब्लूमिंगडेल स्कूल के छात्र रहे हैं। उनका चयन एनडीए में साल 2022 में हुआ था। तीन वर्षों की कठिन सैन्य ट्रेनिंग, कड़े अनुशासन और अथक मेहनत के बाद अमन ने मुकाम हासिल किया है। अमन सिंह ने बताया कि उनके दादा गिरीश सिंह ने हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और दादी मुन्नी देवी ने हर मोड़ पर उनका साथ दिया। बहन निशा पढ़ाई में सहयोगी बनी। छोटा भाई आकाश बड़े भाई को सेना की यूनिफार्म में देखकर उत्साहित है। परिचितों ने अमन और उनके परिजनों को बधाई दी।

परेड के बाद परिजनों के साथ अमन सिंह। ● अमृत विचार

● पुणे में आयोजित पासिंग परेड मे किया मार्च पास्ट और ली शपथ

एक दिन पहले चल पड़ी बरात, सुध आई तो बीच रास्ते से लौटी

बबराला, अमृत विचार : मोहल्ला मासूम अली निवासी एक युवक की शादी की तिथि 30 नवंबर तय थी लेकिन 29 नवंबर का भ्रम था। इसी भ्रम में दूल्हे पक्ष ने एक दिन पहले ही दुल्हन को ब्याह कर लाने के लिए बरात निकाल दी। शनिवार को दूल्हा बरातियों संग वाहनों में सवार होकर निकला। बरात जैसे ही रास्ते में पहुंची, तभी सूचना मिली कि शादी की वास्तविक तारीख 29 नहीं, बल्कि 30 नवंबर है। जानकारी मिलते ही बरातियों के जश्न में खलल पड़ गया और बरात को रास्ते से ही लौटना पड़ा। इस घटना की चर्चा पूरे कस्बे में होने लगी।

पिकअप की टक्कर से दो युवक घायल

चंदौसी,अमृत विचार: औरछी चौराहे से पर सोमवार को दोपहर अनियंत्रित पिकअप ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। दोनों गंभीर घायल हो गए।

सोमवार दोपहर तीन बजे बदायूं जिले के थाना फेहजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव नरौदा निवासी विजय सिंह पुत्र रमेश औरछी चौराहे से अपने साडू ओम बाबू पुत्र रामपाल निवासी गांव अन्तरपुर को बाइक से बैठाकर गांव जा रहे थे। उनकी बाइक जैसे ही सिसरका मार्ग के पास पहुंची तभी तेज गति से आ रहे पिकअप वाहन चालक ने उनकी बाइक में सामने से टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस बाइक सवार दोनों युवकों को ई रिक्शा की मदद से चंदौसी सीएचसी भिजवाया।

मेडिकल स्टोर की आड़ में चल रहा था अस्पताल

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने सोमवार को रसूलपुर गांव में छापा मारा तो मेडिकल स्टोर की आड़ में अवैध अस्पताल चलता मिला।

अस्पताल में समीर विश्वास नाम का व्यक्ति इलाज करता मिला। जबकि आकाश और जितेंद्र नाम के दो युवक भी उपचार संबंधी कार्यों में लगे थे। दोनों युवक मात्र हाईस्कूल पास हैं। खुलासा हुआ कि मेडिकल स्टोर की आड़ में अस्पताल में मरीजों का उपचार किया जा रहा था। मौके पर दो सामान्य बेड और एक पक्का सीमेंट का बेड मिला, यानी कुल तीन बेड मरीजों के उपचार के लिए लगाए गए थे। कई मरीज वहां बैठे मिले, जिससे अवैध क्लिनिक लंबे समय से चलने की पुष्टि हुई। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि मेडिकल स्टोर का लाइसेंस समीर विश्वास की पत्नी के नाम से जारी है, लेकिन वह मौके पर नहीं मिलीं। स्थिति को गंभीर मानते हुए मेडिकल स्टोर को बंद कराने की कार्रवाई कर आगे जांच शुरू कर दी गई।

रसूलपुर गांव में अवैध अस्पताल को सील कराते सिटी मजिस्ट्रेट। ● अमृत विचार

पोस्ट शेयर करने के बाद से युवक लापता

बदायूं, अमृत विचार : सहसवान के विल्सनगंज बाजार में हरी बाबू एंड संस फर्म के प्रोपराइटर अनुराग माहेश्वरी उर्फ बिट्टन पुत्र ईश्वर शरण माहेश्वरी ने रविवार को सोशल साइट पर दो पोस्ट शेयर की। जिसमें लिखा कि मेरी एक करोड़ की बेईमानी करके तुम बड़े आदमी बन जाना, भगवान तुम्हारे कर्म की सजा जरूर देगा। उन्होंने पांच लोगों पर बेईमानी करने का आरोप लगाया। दूसरी पोस्ट में लिखा कि अगर उनकी मृत्यु हो जाए तो वही पांचों लोग कारण होंगे। भगवान कृपा करके इनको सजा इनके कर्मों को अवश्य देना। पोस्ट करने के बाद से अनुराग माहेश्वरी लापता हो गया है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002
सूचना
मैंने अपने पुत्र अजर रजा खान एवं उसकी पत्नी कमरूनिशा को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। फरजाना पत्नी स्व. तफज्जाल निवासी ग्राम उड़ला जागीर, पो. पी.ए.सी., थाना बिथरी चैनपुर जिला बरेली
आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट बरेली
वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार,2 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

पुवायां, अमृत विचार : पुलिस ने सोमवार रात गश्त के दौरान जेवा बाइपास हाईवे के पास से एक युवक को तमंचा -कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान सौरभ मिश्रा निवासी मोहल्ला हरदयाल कूचा, कस्बा व थाना पुवायां के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि रात 1 बजे युवक को संदिग्ध हालत में रोककर चेक किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 12 बोर का तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सड़क निर्माण का कार्य लगभग 60 प्रतिशत पूरा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत शहीद अहमद उल्ला शाह पार्क से तेल टंकी होते हुये लिबास टेलर्स तिराहे तक बन रही सड़क जिसकी लम्बाई 410 मीटर का कार्य लगभग 60 प्रतिशत, दाहिनी ओर फूटपाथ का कार्य, बाई ओर फुटपाथ कार्य, स्ट्राम वाटर, पावर डक्ट केबिल का कार्य पूर्ण हो चुका है। सीवर एवं पेयजल का कार्य जल निगम द्वारा कराया जा रहा है। नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्र ने आज निरीक्षण के दौरान शेष बचे कार्य को संबंधित को जल्द कराने के निर्देश दिए।

ट्रेडिंग में मुनाफे का लालच देकर ठगी

बरेली, अमृत विचार : ट्रेडिंग में मुनाफे का लालच देकर बिहारीपुर निवासी युवक से 21 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। युवक ने कई माह तक दो बैंक खातों से साइबर ठग के खाते में रुपये डाले। जब उसे ठगी का अहसास हो गया तो आरोपी ने कॉल उठाना बंद कर दी। युवक की तहरीर पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के बिहारीपुर कसगरान निवासी राजीव अग्रवाल ने बताया कि 18 जुलाई को उन्हें व्हाट्सएप पर एक मेसेज आया, ट्रेडिंग से संबंधी जानकारी देकर अधिक मुनाफे का लालच दिया। उसके बाद मेसेज करने वाले ने एक लिंक प्रोवाइड कराया और कई खातों में रुपये ट्रांसफर कराए गए। ऐसे में युवक के एक खाते से लाखों रुपये डलवाकर ठगी की।

पिता की मौत के बाद बहन मांगने लगी जमीन में हिस्सा तो भाई ने मार डाला

हत्या करने के बाद पत्नी और बच्चों को लेकर फरार हो गया हत्यारोपी भाई

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

- मृतका मुरादाबाद के निजी अस्पताल में नर्स थी और एक युवक के साथ लिव-इन में रहती थी
- पिता की मौत के बाद गांव में आकर रहने लगी, जमीन को लेकर भाई से होता था विवाद

अमृत विचार: पिता के निधन के बाद जमीन में हिस्सा मांग रही बहन की भाई ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी भाई पत्नी व बच्चों के साथ फरार हो गया। पुलिस ने जांच पड़ताल की। एसपी ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। फारेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

मृतका संयोगता।

यह घटना थाना अमरोहा देहात क्षेत्र के गांव नन्हेड़ा अल्यारपुर की है। यहां पर भगवान दास का परिवार रहता है। 16 अक्टूबर को भगवान दास का निधन हो गया था। वह सिंचाई विभाग में चपरासी रहे थे। उनकी गांव में जमीन है। परिवार में पत्नी हुकुम देवी के अलावा बेटा श्योराज, तीन बेटी शकुंतला, ममता और संयोगता हैं। शकुंतला और ममता की शादी हो चुकी है। छोटी बेटी संयोगता मुरादाबाद के निजी अस्पताल में नर्स थी और वहीं पर एक युवक के साथ लिव-इन में रहती थी। पिता के निधन के बाद से वह गांव में आकर रहने लगी थी। वह अपने पिता की जमीन में बराबर का हिस्सा मांगती थी। अक्सर इसी बात को लेकर संयोगता और उसके भाई श्योराज के बीच विवाद रहता था।

सोमवार की सुबह संयोगता, श्योराज और माता हुकुम देवी घर पर थे। इस बीच संयोगता और श्योराज के बीच जमीन को लेकर विवाद हो गया। हुकुम देवी नहाने के लिए बाथरूम गईं तभी गुस्साये श्योराज ने चारपाई पर बैठी संयोगता के सिर पर धारदार हथियार से वार कर दिया। संयोगता की मौके पर ही मौत हो गई। हुकुम देवी ने बेटी को लहूलुहान पड़ा देखा तो उनकी चीख निकल गई। हत्या कर भाई श्योराज पत्नी व बच्चों के साथ भाग गया। मां की चीखें सुनकर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही देहात थानाध्यक्ष सनोज प्रताप सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और जांच-पड़ताल की। कुछ ही देर में सीओ सिटी अभिषेक यादव व डिडौली और नौगांवा सादात थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसपी अमित कुमार आनंद ने भी घटनास्थल का मुआयना कर पूछताछ की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए।

> भाई- बहन के बीच जमीन का विवाद था जिसके चलते भाई ने बहन की हत्या कर दी। मृतका की मां हुकुम देवी की तहरीर पर श्योराज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें में लगाई गई हैं। जल्दी ही पकड़ लिया जाएगा।
> -अमित कुमार आनंद, एसपी अमरोहा

लोग यहां ईमान बेच देते हैं औने-पौने में...

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : प्रवाह साहित्य संस्थान की काव्य गोष्ठी का आयोजन कवि डॉ प्रशांत अग्निहोत्री के संयोजन में उनके मस्जिद गंज स्थित निवास पर किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ कवि चंद्रशेखर दीक्षित ''चन्द्र'' ने कविता सुनाई- निगाहों का दरिया तभी खौलता है। जब अतिवाद होकर, मुखर बोलता है। कवि सुशील दीक्षित विचित्र ने नवगीत पढ़ा - सुनने वाले चले गए थे और सुनाने वाले भी, लेकिन इतना दर्द दबाए, बैठा रहा अकेला मैं। नवगीतकार डॉ प्रशांत अग्निहोत्री ने नवगीत सुनाये- मेरे मन में कोई गाता रहता है। भावों का एक गहरा दरिया बहता है। वरिष्ठ कवि कुलदीप दीपक ने ओज की कविता सुनाई- जाग गया राष्ट्र मेरा, चेते नौजवान यहां, अशफाक उल्ला खान की रूह को जगाएंगे। कवि डॉ राजीव सिंह ने गीत सुनाया- छत बेंची बेटी की खातिर तो इतना

प्रवाह साहित्य संस्थान की काव्य गोष्ठी में कविता सुनाते कवि सुशील विचित्र।

- प्रवाह साहित्य संस्थान ने किया काव्य गोष्ठी का आयोजन

हंगामा क्यों? लोग यहां ईमान बेच देते हैं औने-पौने में। कवि चंद्र मोहन पाठक ने मां शीर्षक से कविता सुनाकर प्रशंसा बटोरी - यदि पूरा विश्व घूम लो प्यारे, जन असंख्य मिलेंगे न्यारे न्यारे। लेकिन मां के जैसा एक नहीं, जी हां उसके जैसा नेक नहीं। कवि पीयूष शर्मा ने ओज की कविता कलयुग की गति से भी बढ़कर मैली हुई धारा सारी सुनाकर वाहवाही लूटी।

शुभ त्रिवेदी और पूर्वी अग्निहोत्री ने भी काव्य पाठ किया

इससे पहले कवियों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलन के साथ गोष्ठी का प्रारंभ किया। काव्य गोष्ठी में वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र गुप्ता, सचिव त्रिवेदी, अग्निज उपमन्यु, वैष्णवी अग्निहोत्री आदि उपस्थिति रहे। संचालन सुशील विचित्र ने तथा आभार संयोजक डॉ प्रशांत अग्निहोत्री ने व्यक्त किया।

थक गए मुफ्त के राशन पे गुजारा करके

संवाददाता, तिलहर

- मुरादाबाद से आए शायर राशिद राहत के सम्मान में महफिल ए मुशायरा

अमृत विचार : बीती रात सुखन तराश फाउंडेशन की ओर से ग्लोब पब्लिक स्कूल चौहटिया बाजार में कुंदरकी मुरादाबाद से आये मेहमान शायर राशिद राहत के सम्मान में महफिल ए मुशायरे का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता असगर यासिर शाहजहाँपुरी ने की। मुशायरे का आगाज मसूद हसन ख़ां ने नात ए पाक से किया। असगर यासिर ने सुनाया - खुलूस यारों में कितना है आजमाऊंगा, मैं घर की राह में कुछ कैक्टस लगाऊंगा। हमीद ख़िज़र गुनगुनाया - बलाएं जान गई हैं पता मेरे घर का, ये बोझ आके उतारो कभी मेरे सर का। अतिथि शायर राशिद राहत ने कुछ यूं सुनाया - अब तो ख्वाहिश है हमारी कि कोई काम मिले, थक गए मुफ्त के राशन पे गुजारा करके। गुलिस्तां खान ने कहा - हवा ने मोड़ दी कश्ती ये किस इशारे पर, पहुंचने वाले थे हम लोग बस किनारे पर। शमशाद आतिफ ने कहा - तू जितना जुल्म चाहे करे तेरे बस में हूं, है वक्त आज तेरा तो मेरा भी आयेगा। उवैस खां शिफा तिलहरी ने सुनाया - हालांकि उससे कोई भी रिश्ता नहीं रहा, लेकिन वो मेरे ज़हन में जिंदा है आज भी। साजिद सफ़दर ने कहा - तेरा किरदार क्या ऊंचा तेरा मेयार हो जाए, अगर तू ख़ाकसारी के लिए तैयार हो जाए। इनके अलावा रेहान ताबिश, अकरम सिफत, हसन तिलहरी, शरीफ आलम कटरावी, फरीद तिलहरी, फ़ैजान तिलहरी ने भी गजलें सुनाकर तारीफ बंटोरी। संचालन मास्टर शाहिद अली ने किया। इस दौरान मेहमान शायर को शमशाद आतिफ ने उन्हें अपना गजल संग्रह भी भेंट किया। इस अवसर पर रईस मन, फैसल, अजीम, फरीद, रफीक, तौफीक आदि मौजूद रहे।

स्वामी दयानंद की शिक्षाओं पर चलने का किया आह्वान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: आर्य समाज एवं आर्य स्त्री समाज कटिया टोला का तीन दिवसीय 129वां वार्षिकोत्सव यज्ञशाला परिसर में वैदिक मंत्रों के साथ संपन्न हुआ। गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार से आए सोहित शर्मा और जतिन सनातनी के नेतृत्व में तृतीय दिवस का वैदिक यज्ञ आरंभ हुआ। मुख्य यजमान के रूप में राजीव शुक्ला, राम औतार त्रिपाठी, आशीष दीक्षित और देवेंद्र मिड्ढा दंपत्ति शामिल हुए।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि आर्य समाज ने सदैव समाज में फैली कुरीतियों के विरुद्ध कार्य किया है। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा स्त्री शिक्षा का बोया गया बीज आज वट–वृक्ष के रूप में खड़ा है और आर्य महिला इंटर कॉलेज एवं डिग्री कॉलेज की छात्राएं शिक्षा, राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक गतिविधियों में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने प्रतिभाशाली छात्राओं को संगीत एवं रंगोली प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया। गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार के स्वामी मोक्षानंद सरस्वती ने गायत्री मंत्र के पाठ से अपने संबोधन का शुभारंभ किया। उन्होंने जीवन के सिद्धांतों और नियमों पर प्रकाश डालते हुए मन की शुद्धता और ईश्वर के निराकार स्वरूप को समझने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जैसे दूध के प्रत्येक कण में माखन विद्यमान है, उसी प्रकार समस्त ब्रह्मांड में परमात्मा व्याप्त है और हम सभी उसी के अंश हैं।

आर्य समाज कटिया टोला के 129वें वार्षिकोत्सव में छात्रा को सम्मानित करते वित्तमंत्री।

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के प्रधान देवेंद्र पाल वर्मा ने कहा कि आर्य समाज एवं आर्य स्त्री समाज द्वारा आयोजित अथर्ववेद परायण यज्ञ अत्यंत प्रेरणादायक रहा। उन्होंने कहा कि आर्य महिला इंटर कॉलेज और आर्य महिला डिग्री कॉलेज का प्रबंध तंत्र छात्राओं के हित में सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने छात्राओं से नशे से दूर रहने और स्वामी दयानंद की स्त्री–शिक्षा संबंधी विचारधारा को आत्मसात कर राष्ट्र–उन्नति में योगदान देने की अपील की। भारतीय जनता पार्टी ब्रज क्षेत्र के महामंत्री राकेश मिश्रा अनावा ने कहा कि आर्य समाज के शिक्षण संस्थान जनपद की छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में निरंतर अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक आर्य समाज सांस्कृतिक और शैक्षणिक उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। कार्यक्रम में इस वर्ष भी आर्य भूषण उपाधि अखिलेश तिवारी और उनकी पत्नी को शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर प्रदान की गई। इसके साथ ही आर्य महिला इंटर कॉलेज एवं डिग्री कॉलेज के प्रबंधक डॉ अमितेश अमित को वार्षिकोत्सव में सहयोग देने के लिए सम्मानित किया गया। आर्य स्त्री समाज ने दोनों शिक्षण संस्थानों के तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को भी उनकी सेवाओं के लिए पुरस्कृत किया।

- आर्य समाज कटिया टोला के 129वें वार्षिकोत्सव में वैदिक यज्ञ और प्रेरक संबोधन

वार्षिकोत्सव के संचालन की जिम्मेदारी डॉ ज्योति गुप्ता ने निभाई और आभार आर्य समाज के उप प्रधान हर प्रसाद पांडेय ने व्यक्त किया।

समारोह में संतोष कुमार दीक्षित, हर प्रसाद पांडेय, राजेश शुक्ला, सत्यप्रकाश तिवारी, गायत्री दीक्षित, कमलेश गुप्ता, डॉ अमितेश अमित, रामनरेश वाजपेयी, अरविंद मिश्रा, प्रो रुपांशु माला, पूनम रानी, प्रो दुर्गावती, डॉ सारिका अग्रवाल, डॉ रानू दुबे, डॉ आशीष गोयल, डॉ एम.पी.एस. चैहान, डॉ गुलशन रस्तोगी, डॉ अरुणकांत पांडेय, डॉ उपासना श्रीवास्तव, डॉ संजीता अग्रवाल, डॉ उमेश भारती, डॉ मृदुल शुक्ला, नम्रतालता, अर्पणा त्रिपाठी, रंजीता, नीरू त्रिपाठी, सुमन मिश्रा, भावना सक्सेना, शिखा पांडेय, कृष्णचंद्र मिश्रा, डॉ चंद्र रेखा, अनीता वाजपेयी, पल्लवी सक्सेना, नीरज, नीरूदेवी, मनीष मिश्र, राधारमण मिश्र एवं शिक्षकों–छात्राओं सहित बड़ी संख्या में आर्यजन उपस्थित रहे।

IS15700:2018

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक
122, सिविल लाइन्स, बरेली

सर्व साधारण को सूचना

परिषद की राजेन्द्र नगर योजना सं0-2, बरेली में स्थित भूखण्ड सं0-ए-1187 आवास विकास परिषद द्वारा श्री हरी मुरारी अग्रवाल को आवंटित किया गया था। श्री हरी मुरारी अग्रवाल द्वारा अपना मुख्त्यारेआम श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी श्री चरनजीत भाईखेल को नियुक्त कर दिया श्रीमती सुदेश कुमारी द्वारा मुख्त्यारेआम के आधार पर भूखण्ड का विक्रय श्री चरनजीत भाईखेल पुत्र स्व0 श्री आयाराम को कर दिया गया। श्री चरनजीत भाईखेल पुत्र स्व0 श्री आयाराम द्वारा पंजीकृत वसीयत श्री दीपक कुमार भाईखेल पुत्र स्व0 श्री चरनजीत भाईखेल के पक्ष में कर दी थी। अब श्री दीपक कुमार भाईखेल पुत्र स्व0 श्री चरनजीत भाईखेल द्वारा अवगत कराया गया है कि श्री चरनजीत भाईखेल की मृत्यु दिनांक 17.6.2023 को हो चुकी है तथा उनकी मृत्यु उपरान्त वसीयत के आधार पर भूखण्ड का अन्तरण अपने पक्ष में कराने हेतु परिषद नियमानुसार निम्न प्रपत्र ऑनलाईन प्रार्थना पत्र के माध्यम से कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं।

अतः एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है राजेन्द्र नगर यो0सं0.2, बरेली में स्थित भूखण्ड सं0-ए-1187 का अन्तरण श्री दीपक कुमार भाईखेल पुत्र स्व0 श्री चरनजीत भाईखेल के पक्ष में किया जाना है। भूखण्ड सं0-ए-1187 के अन्तरण में किसी प्रकार की यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तथा तदनुसार सम्पत्ति का अन्तरण श्री दीपक कुमार भाईखेल पुत्र स्व0 श्री चरनजीत भाईखेल के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज्ञा से
सम्पत्ति प्रबन्धक

नई व्यवस्था से 92 हजार परीक्षार्थियों को गुजरना होगा

बरेली, अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा को पारदर्शी और नकल मुक्त बनाने के लिए कई बदलाव किए जा रहे हैं। पूर्व में परीक्षा के दौरान छात्र की दूसरे छात्र के परीक्षा देने के मामले सामने आए हैं। इससे बचने के लिए छात्रों के परीक्षा फार्म को आधार से लिंक कर दिया गया है। इससे प्रवेश पत्र पर दर्ज जानकारी और केंद्र पर मौजूद परीक्षार्थी की पहचान का मिलान आसान हो जाएगा। केंद्र व्यवस्थापक और स्टेटिक मजिस्ट्रेट को भी ऐसे मामलों पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले में इस वर्ष लगभग 92 हजार परीक्षार्थी हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में पंजीकृत हैं, जिन्हें इस नई व्यवस्था से गुजरना होगा। परीक्षा केंद्रों पर पर्यवेक्षकों को नई व्यवस्था से परीक्षार्थियों की पहचान जांचने में तकनीकी मदद मिलेगी। प्रवेश पत्र पर मौजूद आधार आधारित फोटो और विवरण को मिलान कर संदिग्ध परीक्षार्थियों की पहचान तुरंत की जा सकेगी। डीआईओएस डॉ. अजीत कुमार का कहना है कि परीक्षाएं फरवरी में प्रस्तावित हैं। परीक्षा में अब ज्यादा सतर्कता और अनुशासन लागू करने के लिए जिला प्रशासन से लेकर शिक्षा विभाग तक तैयारी में जुट गया है।

भक्तों को भागवत गीता के उपदेश बताए

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : आज गीता जयंती के उपलक्ष्य में श्री द्वारिकाधीश मठिया आश्रम बिसरात दीवान जोगराज में श्रीमद भगवत गीता पर पुष्पांजलि अर्पित कर गीता उपदेश के साथ भक्त भाव विभोर हुए। कार्यक्रम के आयोजक पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव ने की।

कार्यक्रम में महाराज रामसरन दास ने भागवत गीता के उपदेश बताए। महाराज ने कहा कि मोक्षदा एकादशी को गीता जयंती के रूप में मनाया जाता है। जयंती उस ग्रंथ की मनाई जाती है जो संपूर्ण विश्व के ऋषि मुनियों विद्वानों चिंतकों के केंद्र में रही है। जब किसी का उत्कर्ष उद्घोषित करना होता है तब उसकी जयंती मनाई जाती है। गीता ग्रंथ ज्ञान का भंडार है। अर्जुन को भी भगवान विराट रूप में दर्शन के पूर्व दिव्य दृष्टि प्रदान करते हैं। अर्थात अर्जुन ज्ञान रूपी नेत्रों से ही भगवान के दिव्य दर्शन कर पाता है। गीता के 18 अध्याय के श्लोक 67 से 71 तक भगवान इसे अपात्रों को नहीं सुनाने के बारे में बताते हैं। गीता के ज्ञान से अर्जुन का मोह नष्ट हो जाता है उसकी एकत्व रूपी स्मृति लौट आई है। कार्यक्रम आयोजक वीरेंद्र पाल सिंह यादव ने महाराज रामसरन दास का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर यादव महासभा के अध्यक्ष रामसागर यादव, राम नरेश यादव, पार्षद विपिन यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव, लल्ला सिंह यादव, सुभाष यादव, अजय कुमार, मनोज यादव, यदुवीर यादव, विपिन यादव मुकरमपुर, रामकुमार यादव, हरिओम यादव, लल्लन सिंह यादव, राम निवास यादव, नरेंद्र यादव, संजय कुमार आदि मौजूद रहे।

गीता जयंती के उपलक्ष्य में श्री द्वारिकाधीश मठिया आश्रम बिसरात दीवान जोगराज में महाराज से आशीर्वाद लेते पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव।

फौजी बोला-मुजफ्फरपुर कैसे पहुंचे, जानकारी नहीं

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मुरादाबाद में पानी बोतल लेने उतरा था, फौजी का डॉक्टरी परीक्षण कराया जाएगा

अमृत विचार: चंदौली जिले के थाना बुद्धपुर के गांव धानापुर निवासी माधव सिंह दिल्ली में आर्मी इंजीनियर कोर में तैनात है। सात नंवबर को फौजी अमृतसर-जयनगर स्पेशल ट्रेन से एसी कोच में लखनऊ के लिए चला था। वह अगले दिन लखनऊ पहुंचे तो परिवार वालों को चिंता हुई। परिवार वालों ने फौजी का मोबाइल नंबर मिलाया तो स्वीच आफ था। फौजी के बहनोई गौरव सिंह ने लखनऊ जीआरपी थाना में गुमशुदगी दर्ज करायी थी। लखनऊ जीआरपी से शाहजहांपुर गुमशुदगी स्थानातंरित होकर आ गयी। विवेचना अधिकारी अपनी जांच शुरु की। जीआरपी ने साइबर सेल से मोबाइल की लोकेशन निकाली तो तिलहर स्टेशन की निकली। उस दिन ट्रेन तिलहर रेलवे स्टेशन पर करीब 15 मिनट रुकी थी। फौजी की शादी 22 नवंबर को थी। उसकी शादी भी स्थगित हो गयी है। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि 28 नवंबर को फौजी बिहार राज्य के मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर बस स्टैंड पर मिले थे। परिवार वाले फौजी को आज यहां जीआरपी थाना पर लेकर आए। थाना प्रभारी ने फौजी से पूछताछ की तो बताया मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर पानी बोतल लेने के लिए उतरे थे और बोतल लेने के बाद कोच में चढ़ गए थे। उसके बाद से उसे कुछ नहीं जानकारी है। फौजी कह रहा है कि मुजफ्फरपुर जिले के कैसे पहुंचे, उसे नहीं पता है। पुलिस फौजी का डाक्टरी परीक्षण कराएगी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच चल रही है।

कार्यालय नगर निगम, अल्मोड़ा

पत्रांक : 1521/30-1/नि०नि० 2025-2026/ दिनांक: 01 दिसम्बर, 2025

कोटेशन सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम अल्मोड़ा क्षेत्रान्तर्गत बन्ध्याकरण हेतु बंदरों को पकड़कर वन विभाग के रेस्क्यू सेन्टर तक पहुंचाये जाने हेतु इच्छुक फर्मों/व्यक्तियों के कोटेशन आमन्त्रित किये जाते हैं। कोटेशन की शर्तें एवं विस्तृत जानकारी दिनांक 02.12.2025 से 17.12.2025 तक कार्यालय नगर निगम अल्मोड़ा के वन अनुभाग से तक प्राप्त की जा सकती है। कोटेशनदाताओं द्वारा निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों सहित कोटेशन दिनांक 18.12.2025 को अपरान्ह 1:00 बजे तक कार्यालय नगर निगम अल्मोड़ा में प्रस्तुत किये जा सकेंगे। निर्धारित तिथि व समय के उपरान्त प्राप्त होने वाले कोटेशनों पर विचार नही किया जायेगा। प्राप्त कोटेशन तद्दिनांक को अपराह्न 2:00 बजे उपस्थित कोटेशनदाताओं व नगर आयुक्त नगर निगम अल्मोड़ा तथा मा० महापौर नगर निगम अल्मोड़ा द्वारा प्राधिकृत अधिकारियों के समक्ष के सम्मुख खोले जायेंगे। कोटेशन स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को निहित होगा।

नगर आयुक्त — महापौर
नगर निगम, अल्मोड़ा — नगर निगम, अल्मोड़ा

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.)
National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT)
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार | Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY), Govt. of India
NIELIT Extn. Centre, Pilibhit, Uttar Pradesh-262001 | विस्तार केंद्र, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश-262001, Phone/दूरभाष- 05882-299295

सीनियर रिसोर्स पर्सन (एस एण्ड टी) (सीएस/आईटी), सीनियर रिसोर्स पर्सन (एस एण्ड टी) (इलेक्ट्रॉनिक्स), फ्रन्ट ऑफिस काउन्सलर (एफ ओ सी) एवं डाटा इंट्री ऑपरेटर के पदों हेतु वॉक–इन–इंटरव्यू पूर्णत: अनुबंध आधार पर

पात्र उम्मीदवार उपर्युक्त पदों के लिए 05 दिसम्बर 2025 (शुक्रवार) को प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे (रिपोर्टिंग समय) तक, एनआईईएलआईटी एक्सटेंशन सेंटर पीलीभीत, ड्रमंड गवर्नमेंट इंटर कॉलेज कैम्पस, निकट गौहनिया चौराहा, पीलीभीत–262001 (उ.प्र.) पर वॉक–इन–इंटरव्यू के लिए उपस्थित हो सकते हैं। पद पूर्णत: संविदा के आधार पर हैं जोकि प्रारम्भ में 01 (एक) वर्ष की अवधि के लिए तथा आगे का अवधि विस्तार सक्षम प्राधिकारी की आवश्यकता, प्रदर्शन एवं विवेकानुसार है। पद का नाम, पदों की संख्या, पात्रता, आयु सीमा तथा मासिक परिलब्धियाँ आदि के विवरण हेतु https://www.nielit.gov.in/gorakhpur/recruitments अथवा https://www.nielit.gov.in/lucknow/recruitments देखें। उम्मीदवारों को 05 दिसम्बर 2025 (शुक्रवार) को वॉक–इन–इंटरव्यू के लिए उपस्थित होने से पहले पात्रता मानदंड एवं नियम और शर्तों की सावधानीपूर्वक समीक्षा कर लेनी चाहिए।

विज्ञापन सं- NHQ-12/23/2024-NIELIT (3149791) — निदेशक

कल्कि महोत्सव | **कल्कि महोत्सव में प्रवचन करने पहुंचे जगदगुरु ने आर्थिक आधार पर आरक्षण का किया समर्थन**

जगदगुरु रामभद्राचार्य बोले– भारत जल्द बनेगा हिंदू राष्ट्र

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: संभल के ऐंचोड़ा कंबोह में आयोजित कल्कि महोत्सव में श्री कल्कि कथा वाचन के लिए पहुंचे जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि बहुत जल्द भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा, इसके लिए संसद में 370 रामभक्तों की आवश्यकता है। उन्होंने जातीय आधार पर दिए जा रहे आरक्षण को समाप्त कर आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने का समर्थन किया।

कल्कि धाम में पत्रकारों से बातचीत में जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने राममंदिर के ध्वजारोहण के मुहूर्त को पूर्णत: सही बताया और नरेंद्र मोदी के दोबारा सत्ता में आने की भविष्यवाणी की। धर्माचार्यों को संस्कृत का ज्ञान अनिवार्य बताया। संभल के भविष्य को लेकर दावा किया कि संभल में भगवान कल्कि का अवतार होना है। संभल का महत्व आने वाले समय में अयोध्या, मथुरा और चित्रकूट जैसा होगा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के मस्जिदों में मंदिर खोजे जाने के बयान पर उन्होंने कहा कि धर्माचार्यों की बातों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि हमारे एक करोड़ मंदिर तोड़े गए और जब तक वे वापस नहीं मिल जाते, हम विश्राम नहीं करेंगे।

सनातन धर्म को एकजुट करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि बहुत जल्द सनातन समाज एकजुट होगा। आज देश सही राह पर आगे बढ़ रहा है। भारत देश हिंदू राष्ट्र बनने की राह पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि इसके लिए समाज को सहयोग देना होगा। पश्चिमी यूपी में जनसांख्यिकीय बदलाव और हिंदुओं के पलायन के सवाल पर रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि हालात सभी के सामने हैं। संभल में हम कितने प्रतिशत हैं, यह आप स्वयं जानते हैं।

आरती करते कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह, डीएम राजेंद्र पैंसिया व अन्य।

- स्वामी रामभद्राचार्य ने मोदी के फिर प्रधानमंत्री बनने की भविष्यवाणी की
- पश्चिमी यूपी में जनसांख्यिकीय बदलाव पर भी गंभीर चिंता जताई

वाइफ वाली संस्कृति में महिलाओं का अपमान,हमारी संस्कृति में सम्मान

रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि मैं जगतगुरु भी ही हूं एक धर्माचार्य हूं। मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो ऋग्वेद से लेकर हनुमान चालीसा पर यंत्र सम्पूर्ण वांग्मय पर आधिकारिक वक्तव्य देने में समर्थ है। वाइफ कहकर मैंने निंदा नहीं की थी केवल यह बताया था कि विदेशी संस्कृति में महिलाओं की निंदा है और हमारी संस्कृति महिलाओं का सम्मान है। विदेशी संस्कृति में कहीं बेबी है, कहीं बीवी है केवल भारतीय संस्कृति में महिला न बेबी है न बीबी है वह केवल देवी है तो मैं क्या अनुचित किया था। केवल मेरी प्रतिभा को धूमिल करने के लिए कतिपय भारत में अभी भी जयचंद के अंश अवतार मेरी निंदा करते हैं उन्हें करने दीजिए।

कुमार के समोसे : 2 पैसे से लेकर 10 रुपये तक का सफर

सिनेमा प्रेमियों को शायद अब भी याद होगा... एक समय था जब शहर के तमाम सिनेमा हालों में इंटरवल के समय आवाज लगा करती थी-कुमार के समोसे, ले लो भाई कुमार के समोसे....आज वक्त बदल गया, सिनेमा हाल खामोश हैं, एक-एक कर लगभग सभी हाल बंद हो चुके हैं और वहां नए-नए व्यवसाय खुल गए हैं या खुलने की तैयारी में हैं। लेकिन कुमार के समोसे आज भी मौजूद हैं और जो इसके मुरीद हैं वह आज भी कुतुबखाना आते हैं तो समोसे खाए बिना नहीं रहते।

इन समोसों की यात्रा भी कम रोचक नहीं है। जगह वही, भट्टी वही और मसाले वही, लेकिन समोसों की यात्रा अभी भी अनवरत जारी है। इसके प्रेमी आज भी हैं। आज इस दुकान को तीसरी पीढ़ी के दीपक गुप्ता संभाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज से लगभग 70 साल पहले नंदूलाल गुप्ता ने तख्त और एक छोटी सी भट्टी के साथ दुकान खोली थी। 2 पैसे में एक समोसे के साथ यह लोगों की पसंद बना और आज 10 रुपये में एक समोसा हाथों-हाथ बिक रहा है। इस समोसे की खासियत यह है कि इसमें तीन तरह के मसाले इस्तेमाल होते हैं जिन्हें घर पर ही तैयार किया जाता है। आम नमक की जगह काले नमक का इस्तेमाल होता है जो इसे नया लुक देता है। इन मसालों का राज दीपक गुप्ता ने नहीं बताया लेकिन मसालों की शुद्धता की गारंटी जरूर दी।

सुबह करीब 11.30 से रात 8.30 तक आप यहां आकर समोसों का आनंद ले सकते हैं। दुकान आज भी कुमार सिनेमा परिसर में ही है और नंदूलाल गुप्ता के सपनों को उनकी यह पीढ़ी बखूबी संभाल रही है। यहां यह बताना जरूरी है कि एक समय दुकान पर इतनी भीड़ रहती थी कि लोगों को समोसों के लिए लाइन लगानी पड़ती थी। तंग गलियों में मौजूद जगत सिनेमा और हिंद सिनेमा तक कुमार के समोसे बेचे जाते थे। लोग इंटरवल के समय कुमार के समोसों का इंतजार करते थे। बड़ी सी भट्टी पर बढ़ी सी कढ़ाई चढ़ी रहती थी और समोसे लगातार सिकते रहते थे। भट्टी आज भी वही है और समोसे आज भी लगातार सिकते रहते हैं। समय का चक्र बदला लेकिन आज भी लोग कुमार के समोसों के मुरीद हैं और थैलियां भर-भर कर घर भी ले जाते हैं। अगर आप भी इन समोसों का आनंद लेना चाहते हैं तो आपको भी कोतवाली के पास कुमार सिनेमा तक आना होगा।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अजंता स्वीट्स:1986 से अब तक एक ही स्वाद

बरेली शहर अपने पारंपरिक व्यंजनों की समृद्ध विरासत को संजोए हुए है, साथ ही आधुनिक खान-पान के तौर-तरीकों को भी खुले हाथों अपना रहा है। बरेली की गलियों में आज भी वही पुरानी खुशबू मिलती हैं, जो पीढ़ियों से लोगों को अपनी ओर खींचती रही हैं। बड़ा बाज़ार और श्यामगंज की गलियों में मिलने वाली चटपटी चाट, आलू टिक्की और पानी-पूरी का मज़ा लेने के लिए शाम होते ही भीड़ उमड़ पड़ती है। परंपरा की बात आती है तो यहाँ के कबाब सिर्फ एक व्यंजन नहीं, बल्कि मुगलई और अवधी व्यंजनों की सदियों पुरानी विरासत का हिस्सा हैं। बरेली के पारंपरिक कबाब अपनी अनूठी खुशबू, मसालों के संतुलन के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ साथ युवा वर्ग की पसंद ने अपनी अलग पहचान बनायी है। युवाओं को लुभाने के लिए बरेली में कई नए और ट्रेंडी रेस्तरां और कैफे खुल गए हैं। डोमिनोज, पिज्जा हट और केएफसी जैसे बड़े फास्ट-फूड चेन ने शहर में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। पाम बिस्ट्रो, क्वालिटी रेस्टोरेंट, पिंड बलूची, कासा डिवाइन, कार्विंग 24X 7 जैसे नए रेस्टोरेंट युवा वर्ग की पसंद बन रहे हैं।

अजंता स्वीट्स, बस नाम ही काफी है। 1986 में राम अवतार आहूजा ने एक बड़ा सपना लेकर शहामतगंज के कालीबाड़ी रोड पर पुलिस चौकी के सामने छोटी सी दुकान खोली थी। उस वक्त उन्हें भी इसका अंदाजा नहीं रहा होगा कि आगे चलकर इसकी जड़ें इतनी गहरी हो जायेंगी कि मिठाइयों की दुनिया में इसकी ख्याति चारों ओर फैल जायेगी। आज यह शहर ही नहीं बल्कि देशभर में एक जाना पहचाना नाम है। शुरु में यह बेकिंग उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। आज यह दुकान अपनी स्वादिष्ट मिठाइयों और बेकरी उत्पादों के लिए जानी जाती है। राम अवतार आहूजा के बेटे अमित आहूजा से आज विकास भवन के सामने रामपुर गार्डन में उनकी आलीशान दुकान में मुलाकात हुई। उन्होंने बताया कि छोटे स्तर से काम शुरु करते वक्त उनके पिता को कई साल तक संघर्ष करना पड़ा। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और आज इसी का फल है जो अजंता स्वीट्स लोगों में अपनी पहचान बना चुका है। उनका कहना है कि अगर लक्ष्य साफ हो और उसमें मजबूत इच्छा शक्ति हो तो राह आसान होती चली जाती है। इसी का नतीजा है जो आज यह करोड़ों के सालाना टर्नओवर के साथ अजंता स्वीट्स से इंड्स अजंता प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन चुकी है।

अमित ने बताया कि अजंता स्वीट्स के आउटलेट लखनऊ और रामपुर में भी हैं। इसके अलावा पीलीभीत व पूरनपुर में फ्रेंचाइजी के साथ ही बरेली में 15 विभिन्न जगहों पर आमजन की पहुंच अजंता स्वीट्स तक है। इसकी मदर यूनिट आज भी शहामतगंज वाली ही है। रामपुर और लखनऊ के अलावा बरेली में इसके तीन आउटलेट हैं। उन्होंने बताया कि हम गुणवत्ता और शुद्धता का पूरा ध्यान रखते हैं। शहर में मिठाइयों आदि की आपूर्ति के लिए हमने एक बेस किचन डोहरा रोड पर स्थापित किया है। यहीं से सभी जगह मिठाइयां और नमकीन की आपूर्ति की जाती है।

अमित आहूजा ने जब से कंपनी की बागडोर संभाली है वह इसे नई उंचाइयों की ओर ले जाने को नित नई सोच के साथ प्रयास करते रहते हैं। अजंता की सबसे प्रसिद्ध मिठाइयों में देसी घी की सोन पापड़ी और बेसन की बनी पतीसा सोन पापड़ी है। इसकी काफी डिमांड रहती है। नमकीन में हींग वाली देसी घी से बनी काजू दालमोंठ भी लोगों की पसंद बन चुकी है। स्थानीय स्तर पर जमेटो से आप इन्हें घर पर भी मंगा सकते हैं। आनलाइन मंगाने के लिए कंपनी ने अमेजन से टाईअप किया है। अजंता के दो लोकप्रिय आइटम और हैं इनमें से एक जूली नाम की बंगाली मिठाई तो दूसरी गुजराती डिस ढोकला है। बेकरी और कन्फेक्शनरी में भी अजंता के पास ढेरों उत्पाद हैं। अब तो अजंता ने कई जगह चाट कार्नर भी खोल लिए हैं।

अजंता स्वीट्स की दुकान में सबसे कम रेट वाली मिठाई पेठा है जो 340 रुपये प्रति किलो में उपलब्ध है। यहां की सबसे महंगी मिठाई पिस्ते वाली लौज है जो 4500 रुपये प्रति किलो में उपलब्ध है। इसका स्वाद लाजवाब है। नार्मल मिठाई मिक्स में 640 रुपये प्रति किलो आप खरीद सकते हैं। दुकान पर कई प्लेवर की आइसक्रीम का भी आप आनंद ले सकते हैं। गिफ्ट पैक भी यहां उपलब्ध हैं। अजंता स्वीट्स पर अभिनेता विक्रम कोचर, आयुष्मान खुराना के भाई अपार शक्ति खुराना और कुमुद मिश्रा भी आ चुकी हैं। कुल मिलाकर अजंता स्वीट्स का सफर अभी जारी है और इनके मौजूदा के डायरेक्टर अमित आहूजा इसकी पहचान पूरे देश और विदेश में भी पहुंचाने की मंशा के साथ काम कर रहे हैं।

दीनानाथ की कुल्हड़ वाली लस्सी

दूध-दही नहीं, सीधे लस्सी और वह भी दीनानाथ की। आप नावल्टी आएं और दीनानाथ की लस्सी का स्वाद न लें यह तो हो नहीं सकता। 1962 में स्थापित यह ठिकाना नॉवल्टी चौराहा, सिविल लाइंस में पुराने बस अड्डे के पास है और अपनी पारंपरिक लस्सी के लिए जाना जाता है। दुकान में कई प्रकार की लस्सी हमेशा उपलब्ध रहती है। इसमें सादा और स्पेशल लस्सी तक शामिल हैं। अब तो यहां शुगर-फ्री लस्सी तक उपलब्ध है। इसकी शुरुआत 1962 में दीनानाथ जायसवाल ने की थी और अब यह तीसरी पीढ़ी द्वारा चलाया जा रहा है। लाजवाब लस्सी को दूध से दही जमाकर, चीनी और चिरौंजी के साथ फेंटकर और फिर ड्राई फ्रूट्स के साथ कुल्हड़ में परोसा जाता है।

बरेली के अलावा, आसपास के शहरों और यहां तक कि उत्तराखंड से भी लोग भी जब भी बरेली आते हैं इस दुकान पर इसकी लस्सी पीने आते हैं। आप यहां सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक लस्सी का आनंद ले सकते हैं। यहां तीन वैरायटी की लस्सी मिलती है, जिसमें साधारण लस्सी 50 की, नमकीन लस्सी 60 और स्पेशल लस्सी 70 रुपये की मिलती है, जिसे लोग काफी पसंद करते हैं

ये दुकान लगभग 63 साल पुरानी है। वर्तमान में दुकान के मालिक तीसरी पीढ़ी के निशांत जायसवाल ने बताया कि उनसे पहले उनके पिताजी और दादा दुकान संचालित करते थे। लगातार तीन पीढ़ियों से दीनानाथ की मशहूर लस्सी अपने ग्राहकों को लुभा रही है। निशांत का कहना है कि लस्सी को बनाते समय दूध से लेकर ड्राई फ्रूट तक सभी चीजें अच्छी क्वालिटी की इस्तेमाल होती हैं। इस दुकान को चलाने में निशांत जायसवाल के साथ ही इनके ताऊ के बेटे आशु और चाचा का बेटा प्रियांशु जायसवाल भी पूरे मनोयोग से जुटे रहते हैं। निशांत के दादा ने जब यह दुकान खोली थी तो उस समय यह पांच रुपये में उपलब्ध रहती थी।

चटपटी चाट का ठिकाना चमन चाट भंडार

अगर आप चटपटी चाट के शौकीन हैं और तरह-तरह की चाट का मजा लेना चाहते हैं तो पहुंच जाएं चमन चाट भंडार पर। सिविल लाइंस में हनुमान मंदिर के सामने यह वही जगह है जो आज भी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की पसंदीदा चाट की दुकान बनी हुई है। प्रियंका जब कभी भी बरेली आती हैं तो यहां चाट का मजा लेने जरूर आती हैं। यह दुकान कई तरह की स्वादिष्ट चाट के लिए मशहूर है, जो घर के बने मसालों से तैयार की जाती हैं। आज यह सिर्फ एक ठेला नहीं, बल्कि सुरमे और झुमके की तरह बरेली की पहचान बन चुका है। इसे जमैटो पर ऑनलाइन ऑर्डर कर भी मंगाया जा सकता है। रोजाना करीब 3 बजे से लेकर रात 11 बजे तक यह काउंटर खुला रहता है।

चमन चाट भंडार सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। शाम के समय यहां अपनी बारी के लिए चाट के शौकीनों को लंबी कतारें लगानी पड़ी है। इस दुकान पर चाट के अलावा आलू की टिक्की, पापड़ी चाट, भल्ला पापड़ी, चाउमीन, बर्गर, पाव भाजी, दही भल्ला, भल्ला पपड़ी और आटे व सूजी के गोलगप्पे जैसी कई प्रकार की चाट मिलती हैं। चाइनीज़ फ्यूजन जैसे आलू बर्गर और चाऊमीन भी आकर्षण का केंद्र है।

वर्तमान में जितेन्द्र तलवाड़ और विशाल तलवाड़ की पिता-पुत्र की जोड़ी चमन चाट भंडार के कर्ता-धर्ता हैं। जितेन्द्र तलवाड़ ने बताया कि उनके पिता चमन लाल तलवाड़ ने 1960 में एक छोटे से ठेले पर इसकी शुरुआत की थी। उस वक्त उन्हें अंदाजा नहीं था कि आज उनकी यह छोटी सी ठेली शहर ही नहीं बल्कि बाहर से आने वाले लोगों के जुबान पर चढ़कर बोलने लगेगी। शुरू में वह कुमार सिनेमा के पास ठेला लगाते थे। समय बदला और शहर में भीड़ बढने के साथ ही चाट के शौकीन भी बढ़ने लगे तो 1970 में उन्होंने हनुमान मंदिर के सामने नया ठिकाना बना लिया। इसके साथ ही चाट की वैरायटी भी बढ़ने लगी। आज हालत यह है कि चाहे कितनी भीड़ हो चमन चाट भंडार से कोई ग्राहक खाली नहीं लौट सकता। यहां 20 रुपये से लेकर 80 रुपये तक की चाट का स्वाद आप ले सकते हैं।

चौरसिया पान भंडार

अगर आप बरेली में रहते हैं और कुतुबखाना जाते वक्त सिविल लाइंस में चौरसिया पान भंडार से पान का स्वाद नहीं लेते हैं तो आप भूल कर रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण सामग्री और स्वादिष्ट स्वाद के लिए प्रतिबद्ध यह ठिकाना पान के शौकीनों के लिए एक ऐसी जगह है जहां दिल को एक ठंडक सी मिलती है। यह स्थान सिविल लाइंस में स्थित एक प्रसिद्ध और 55 साल पुराना पान भंडार है, जो अपने अनोखे स्वाद वाले पान और वर्तमान में स्ट्रीट फूड के लिए भी जाना जाता है। यह अपनी पारंपरिक सामग्री, स्वादिष्ट स्वाद और ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा देने के लिए प्रसिद्ध है। यहां कई प्रकार के पान मिलते हैं, जिनमें चॉकलेट पान, बटरस्कॉच पान, मीठा पान, तम्बाकू पान और फायर पान जैसी कई वैरायटी उपलब्ध हैं। यहां आप दोपहर 12 बजे से लेकर रात एक बजे तक पान का आनंद ले सकते हैं।

वर्तमान में इस पान भंडार को चला रहे राकेश चौरसिया उर्फ गुड्डे भाई ने बताया कि आज से करीब 55 वर्ष पहले उनके पिता मुन्ना लाल चौरसिया ने 1971 में इसकी नींव रखी थी। शुरुआत में यहां 25 से लेकर 50 पैसे तक में लोग पान का आनंद लेते थे।

तोलाराम की मशहूर मटका कुल्फी

कभी बांस बरेली के नाम से मशहूर अपना बरेली आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। झुमका और सुरमा वाली बरेली आज की तारीख में देश के बड़े-बड़े शहरों की कतार में खड़ी है। कुल 4120 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले बरेली की अपनी अलग पहचान है। चाहें कोई भी क्षेत्र हो बरेली के लोगों ने अपनी अलग छाप छोड़ी है। यहां का रहन-सहन और खान-पान भी किसी से कम नहीं है। पुराने और नए खान-पान को लेकर बरेली ने लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बना ली है। बरेली के किसी न किसी कोने में सुबह से लेकर रात तक आप खान-पान की विशेष चोजों का आनंद ले सकते हैं।

बात शहर की हो तो कोतवाली के सामने ही तोलाराम की मटका कुल्फी के स्वाद को तो हजारों ही नहीं लाखों लोग जानते ही होंगे। तोलाराम की फालूदा कुल्फी का तो कोई जवाब नहीं है। सिविल लाइंस कोतवाली के सामने स्थित तोलाराम कुल्फी की दुकान वर्ष 1950 में, वर्तमान में इसे संचालित कर रहे तीसरी पीढ़ी के जवाहर लाल तनेजा के दादा तोलाराम जी ने भविष्य के बड़े सपनों के साथ खोली थी। उन्होंने अपनी देखरेख में दूध, मेवा और चीनी को मिलाकर शुद्ध मटका कुल्फी बनाना शुरू किया था।

पहचान बन चुकी अंग्रेजों के समय की फर्न्स बेकरी

सिविल लाइन्स इलाके में बलवंत सिंह मोटर मार्ग पर अंग्रेजों के जमाने की फर्न्स बेकरी किसी पहचान की मोहताज नहीं है। बेकरी की शुरुआत आजादी से पहले एक अंग्रेज फर्नान्डीज ने अपनी बेटी फर्न्स फर्नान्डीज के नाम से की थी। बताया गया कि 90 साल की हो चुकीं फर्न्स आज भी जीवित हैं और लंदन में कहीं रह रही हैं। 1950 तक कोई ईसाई फैमली इस बेकरी को चला रही थी। बाद में केयरटेकर को सौंप यह फैमली भी लंदन चली गई। समय गुजरा और अब खां फैमली के हाथों यह बेकरी है।

मौजूदा समय में चार भाई जाहिद अली खां, मुशाहिद उर्फ दिलशाद, शाहबाज और फरात इस बेकरी के कर्ताधर्ता हैं। बड़े भाई जाहिद अली ने बताया कि उनके पिता मुबारक अली खां और ताऊ मोहम्मद अली ने 1972 में इस बेकरी को खरीद एक नई शुरुआत की और बेकरी नाम फर्न्स बेकरी ही रखा। फर्न्स बेकरी में आज आप कई वैरायटी की पेस्टी और पेटीज का आनंद ले सकते हैं। पेस्टी में चाकलेट-बटर पेस्टी काफी लोकप्रिय है जो 30 रुपये प्रति पीस में उपलब्ध है। पाइन एप्पल और ब्लैक फारेस्ट पेस्टी के ग्राहक भी बहुत हैं। इसके अलावा चिकन, वेज और पनीर से भरी पेस्टी की भी काफी डिमांड रहती है। आलू भरी पेटीज 20 रुपये प्रति पीस में आप ले सकते हैं। जाहिद अली का कहना है कि उनके यहां बनने वाले सारे आइटम फ्रेस क्रीम से ही बनते हैं।

किप्स स्वीट्स: तख्त से आलीशान दुकान तक

किप्स ऑन द लिप्स

लोकप्रिय मिठाइयां

बरेली की बर्फी, मूंग की दाल और घी से बनी रसभरी, ड्राईफ्रूट्स वाले लड्डू खोये से बने और चाशनी में डूबे गुलाब जामुन, मोतीचूर लड्डू, सोहन पापड़ी और विभिन्न प्रकार के खोया और छेना से बनी मिठाइयां। इनके अलावा, किप्स कई अन्य प्रकार की मिठाइयां भी बेचता है जैसे बालूशाही, डोडा बर्फी, खीर कदम, और बेसन लड्डू। किप्स की मिठाइयों की लोकप्रियता इतनी है कि विदेशों तक से लोग आनलाइन आर्डर करके मंगाते हैं।

एक तख्त से शुरु हुआ किप्स स्वीट्स का सफर किसी परीकथा से कम नहीं है। आज के संदर्भ में देखें तो इनका स्लोगन-किप्स आन द लिप्स अपने नाम को सार्थक करते हुए देश-विदेश में एक पहचान बना चुका है। आज किप्स की मिठाई बरेली में एक पहचान है जो अपनी पारंपरिक मिठाइयों के लिए जाना जाता है। इनकी सबसे प्रसिद्ध मिठाई बरेली की बर्फी है जो मुलायम बनावट और भरपूर स्वाद के लिए जानी जाती है। इनके अन्य लोकप्रिय उत्पादों में काजू बर्फी, रसभरी, ड्राई फ्रूट लड्डू, और सोहन पापड़ी आदि शामिल हैं। मक्खन समोसा तो इनका इतना लाजवाब है कि देखते ही मन खाने को ललचा जाए। बेहतर स्वाद और शुद्धता वाला काजू दालमोठ का पैकेट तो इनका खास है जिसके लोग दीवाने हैं।

सुरमे और झुमके की तरह ही किप्स की मिठाई भी आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। 1972 में तख्त पर एक छोटी सी दुकान से इसकी शुरुआत देवेन्द्र खंडेलवाल ने की थी। यह अब बरेली ही नहीं देशभर में एक प्रसिद्ध मिठाई की दुकान के रूप में विकसित हो गई है। विदेशों में भी जो लोग यहां से जाकर बस गए हैं वह भी यदा-कदा मिठाइयां मंगाते रहते हैं या फिर कभी बरेली आते हैं तो ढेर सारी मिठाइयां ले जाते हैं। किप्स के आउटलेट माडल टाउन और राजेन्द्रनगर में भी हैं। वर्तमान में सिर्फ बरेली की जनता के लिए ही नहीं बल्कि बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा, परिणीति चोपड़ा, दिशा पाटनी समेत कई बड़े-बड़े कलाकार और राजनेताओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां के स्पेशल ड्राईफ्रूट्स लड्डू मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी काफी पसंद हैं। उनके लिए हर माह या विशेष अवसरों पर ड्राईफ्रूट्स लड्डू भेजे जाते हैं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी भी किप्स की मिठाइयों के मुरीद रहे हैं। वर्तमान में प्रसाद सिनेमा के सामने स्थित किप्स स्वीट शॉप के संचालक राहुल खंडेलवाल के अनुसार यहां प्रत्येक दिन सभी मिठाइयां ताजी मिलती हैं। इन मिठाइयों को बनाने के लिए बेहतर क्वालिटी का सामान प्रयोग किया जाता है। अपने ग्राहकों को वह शुद्ध उत्पाद देने में विश्वास करते हैं, जिससे उनका भरोसा हम पर इसी प्रकार बना आ रहा है। राहुल खंडेलवाल ने बताया कि अभी दिसंबर में पूर्व कंट्रीय मंत्री और वर्तमान में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार के बेटे की शादी होनी है लेकिन मिठाइयों के आर्डर अभी से मिलने लगे हैं।

कुछ खास है त्यागी रेस्टोरेंट की कचौड़ी वाली थाली

अगर आप कचौड़ी खाने के शौकीन हैं और कुतुबखाना पहुंचकर नावल्टी चौराहा के पास पुराने बस अड्डे की तरफ मुड़ते हैं तो अचानक कचौड़ी की खुशबू आपको अनायस त्यागी रेस्टोरेंट में जाने के लिए मजबूर कर सकती है। यह दुकान करीब 61वर्षों से संचालित हो रही है। इसकी शुरुआत 1964 में वीके शर्मा ने की थी। उनके बाद वीके त्यागी ने इसकी कमान संभाली। वर्तमान में त्यागी परिवार के एक करीबी रिश्तेदार इसे चला रहे हैं। त्यागी रेस्टोरेंट में चार कचौड़ी, कद्दू की सब्जी, छोले की सब्जी, आलू टमाटर की सब्जी और अचार के साथ आप भरपेट भोजन का आनंद ले सकते हैं। आप घर बैठे स्विगी के माध्यम से भी आर्डर कर खाद्य सामग्री मंगा सकते हैं।

इसका मैन्यू पुराना है जो आज तक चला आ रहा है। आलू की सब्जी जरूर चटपटी है लेकिन कद्दू की सब्जी मीठी मिलेगी जिसे यहां बड़े चाव से खाया जाता है। सब कुछ गरमा-गरम और ताजा मिलेगा। वर्तमान में अब इस रेस्टोरेंट के बगल में छोले-भटूरे और छोले समोसे का भी आनंद लिया जा सकता है। पूरा त्यागी परिवार इन दोनों सिस्टम को चला रहा है. उनका कहना है कि 12 महीने हमारा स्वाद आपको एक जैसा ही मिलेगा।

प्रस्तुति-एल.एस. भंडारी, अनिल पटेल

ज्ञान वह हथियार है जो हारने वाले को विजेता बनाता है। एक व्यक्ति को जीवन भर कुछ न कुछ सीखते रहना चाहिए।

–चाणक्य, राजनीतिज्ञ

चाहिए समग्र समाधान

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय-सीमा को निर्वाचन आयोग द्वारा एक सप्ताह बढ़ा दिया जाना केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस दबाव की स्वीकारोक्ति भी है, जो इस अत्यंत विस्तृत प्रक्रिया पर शुरू से ही साफ दिख रहा था। मतदाता सूची पुनरीक्षण अपने आप में एक विशाल अभियान है। हर घर जा कर सत्यापन, नए मतदाताओं का पंजीकरण, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं का विलोपन और त्रुटियों का सुधार, जिसके लिए समय और संसाधनों की पर्याप्त आवश्यकता होती है। ऐसे में समय वृद्धि का यह निर्णय पूरे अभियान की गति, विश्वसनीयता और पारदर्शिता पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालने वाला है। निर्वाचन आयोग की यह स्वीकारोक्ति कि कम समय सीमा जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं, बीएलओ और अधिकारियों के लिए भारी समस्या पैदा कर रही थी, अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह बात समझना कठिन नहीं कि उत्तर प्रदेश जैसा जनसंख्या और भौगोलिक विस्तार वाला राज्य किसी भी राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए एक अलग कार्ययोजना और अपेक्षाकृत अधिक समय की मांग करता है। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आयोग को यह पूर्वानुमान पहले क्यों नहीं था? क्या यह अदूरदर्शिता नहीं कही जाएगी कि इतनी बड़ी प्रक्रिया को शुरू से ही सीमित समय में बांधा गया और फिर दबाव बढ़ने पर पुनः संशोधन की जरूरत पड़ गई? समय वृद्धि का सबसे बड़ा लाभ निःसंदेह बीएलओ और आम मतदाताओं को मिलेगा। बीएलओ पर वर्षों से काम का अतिरिक्त बोझ, अपर्याप्त प्रशिक्षण तथा जटिल एसआईआर रिपोर्टिंग की बाध्यता लगातार मानसिक और शारीरिक तनाव बढ़ाती रही है। मुरादाबाद में एक बीएलओ की दुखद मृत्यु और विपक्ष के इस आरोप कि भारी दबाव के चलते 20 बीएलओ अब तक आत्महत्या कर चुके हैं, एक गंभीर चेतावनी है। इस स्थिति में निर्वाचन आयोग को केवल खंडन या औपचारिक बयान भर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर कठोर सुधारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। कार्यभार का संतुलित बंटवारा, तर्क संगत डेडलाइन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां तथा मनोवैज्ञानिक सहायता जैसे कदम अत्यंत आवश्यक हैं।

आज भी मतदाता सूची में संशोधन अथवा नए मतदाता के रूप में पंजीकरण करना, कागजी फॉर्म हो या ऑनलाइन प्रक्रिया- आम लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण है। देश में आधार, पैन, पासपोर्ट और बैंकिंग जैसी सेवाओं का व्यापक डिजिटलीकरण हो चुकने के बाद निर्वाचन आयोग अगर इन नियामक संस्थाओं के डाटा का प्रामाणिक उपयोग कर एक सरल, एकीकृत सत्यापन प्रणाली विकसित करता, तो मतदाता पंजीकरण न केवल सहज होता, बल्कि पुनरीक्षण प्रक्रिया भी अधिक कुशल और लगभग त्रुटिरहित बन सकती थी। फिलहाल केवल एक सप्ताह की समयवृद्धि से यह उम्मीद कि यह प्रक्रिया पूरी तरह सटीक और त्रुटिरहित हो जाएगी, व्यावहारिक नहीं। इससे इतना भर होगा कि कार्यकर्ताओं पर तात्कालिक दबाव घटेगा और कुछ हद तक गुणवत्ता में सुधार संभव है। बीएलओ की आत्महत्याओं पर रोक के लिए केवल समय बढ़ाना पर्याप्त नहीं, कार्यप्रणाली की समग्र समीक्षा और मानवीय दृष्टिकोण से बदलाव आवश्यक है।

प्रसंगवश

मौसम का पूर्वाकलन व नैतिकता का सवाल

इस बार बहुत ज्यादा सर्दी पड़ने वाली है, ऐसी खबरें मीडिया-सोशल मीडिया पर तैर रही हैं। गलत सूचनाओं से न सिर्फ लोगों का जीवन बल्कि इससे बाजार भी प्रभावित होता है। आने वाला मौसम कैसा होगा, इसकी सटीक भविष्यवाणी कर पाना इतना आसान नहीं है। ला-नीना फिनॉमीना का विगत का प्रीडिक्शन चार्ट और इसके बाद का घटनाक्रम देखने से मालूम होता है कि इसमें भविष्याकलन के बाद असली प्रभाव तीन-चौथाई या मिश्रित रहा है, जिसमें इलाका अथवा प्रभावित क्षेत्र बदल गया। प्रीडिक्शन के बारे में बताने के लिए एथिकल गाइडलाइन्स का ध्यान रखना जरूरी है। इसके पश्चात-प्रभावों पर किसी की नज़र नहीं पड़ती।

इस बार भीषण शीत रहेगी या नहीं रहेगी, यह जो जनवरी महीना

रनबीर सिंह

विज्ञान लेखक

बताएगा, जिसमें अभी एक महीने बाद का समय है। जो होगा वह 15 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 के बीच मालूम हो जाएगा। हिमालय और इससे परे सुदूर उत्तर में रूस और चीन के इलाकों, हिमालय के हिमाच्छादित क्षेत्रों और भारत के मैदानी इलाकों के मौसम संबंधी असली आंकड़े देखने के बाद भारत में ला-नीना के असर के प्रकट होने के बाद ही इस बारे में कुछ कहना उचित होगा।

अभी से कह देना कि इस बार बहुत सर्दी पड़ेगी, उचित नहीं है। इस बार की सर्दी की ऋतु में कड़ाके की ठंढ होने या असल में हाड़ कंपाने वाली सर्दी पड़ने और नॉर्दन मोस्ट लैटिट्युड्स में इसके असर के बारे में ताज़ा वेदर रिपोर्ट्स का इंतजार करना नैतिकता का तकाज़ा है। मौसम के अल्पकालीन मिजाज़ के बारे में एक आकलन के बारे में कह देना काफी नहीं है, बल्कि वह एकदम से सत्य जैसा नहीं दिखना चाहिए बल्कि संभावना जैसा होना चाहिए। मास-मीडिया में सामान्य संभावना को बढ़ा-चढ़ा कर, अलंकारयुक्त शब्दों का प्रयोग करते हुए भय और रोमांच पैदा करना एक खबरनुमा टेक्स्ट को कथा-कहानी बना देता है। ब्लो-अप करने के प्रयास की इकॉनोमिक और सोशल कॉस्ट बहुत होती है। एथिक्स का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

मौसम के बारे में विदेश से आई सूचना को आधार बना कर वस्तुस्थिति को जस का तस भारतीय मीडिया में चस्पा करना उचित नहीं है, बल्कि लोकल एक्सपर्ट्स और साइंटिस्ट्स से जान लेना जरूरी होता है। खेद है कि ऐसी ख़बरों के बारे में भारत का मौसम विज्ञान विभाग कोई टिप्पणी डिफेमेशन से बचने के लिए नहीं करता। उनकी अपनी वेबसाइट पर भी विदेशी जानकारी चस्पा रहती है, जिस पर उनकी कोई टिप्पणी नहीं होती।

ला-नीना के बारे में जानकारी को कुछ-कुछ देर बाद अप-डेट किया जाता है, जिससे मध्य और पश्चिमी प्रशांत महासागर और तापमान और इसके ऊपर के मौसम के मिजाज़ पर 24X7 निगरानी की जा रही है। सतत् निगरानी से ही मालूम होता है कि हालात बुरे या सामान्य हो सकते हैं। विदेश की खबर में, जिसे अनेक भारतीय चैनल्स ने उठाया है कि ऊपर की हवा मे 'रिवर्स गीयर' लग गया है, वह पहले भी अनेक बार लग चुका है। पृथ्वी की सतह से ऊपर होने वाली एक विशाल मशीनरी का यह नियमित व्यवहार है, जिसमें पोलर एयर करेंन्ट्स के भूमध्य रेखा के ऊपर उमड़ना-घुमड़ना एक सामान्य चर्या होती है। अमेरिका संचालित नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, जिसे भारत मौसम विभाग का अनुमोदन भी प्राप्त है, हवाएं पश्चिमी से पूर्वी दिशा में तेजी से उलट रही हैं, जो सामान्य से दो-तीन महीना पहले हो रहा है। खासतौर से इसकी वजह से ला-नीना भी प्रभावित होगा।

खर्चीली शादियां दिखावे की आखिर इंतेहा क्या है!

अनिल त्रिगुणायत

लखनऊ

समय के साथ सामाजिक परिवर्तन एक निरंतर प्रक्रिया है। जो कल था वह अतीत। जो आज है वह समयानुकूल और संभावित कल ही भविष्य। परिवार, कुनबा, समुदाय व समाज की सोच में समयानुरूप बदलाव समीचीन भी। समुचित आय व धन प्रवाह ने बाजार की रूपरेखा भी परिवर्तित कर दी है, लेकिन भारतीय बाजार का अवलंब की मान्यता वाला मध्यम वर्ग जीवन के कुछ उद्देश्यों से कदाचित भटक सा गया है। नई पीढ़ी जिसने दिखावे को अपना 'जीवन दर्शन' मान लिया है। विशेषतया खर्चीली शादियों को, जो 'अंतहीन होड़' की ओर चल पड़ी है।

विवाह हमारी संस्कृति का अतिआवश्यक संस्कार माना जाता है, लेकिन वर्तमान में होने वाले शादी-विवाह एक संस्कार न होकर 'सेलिब्रेशन व फैशन' की भेंट चढ़ता दिख रहा है। वैवाहिक आयोजन आज पूर्णतया बाजारवाद की गिरफ्त में आ चुका है। टीवी सीरियल और सोशल माडिया के 'रील्स' में दिखाए जाने वाले वैवाहिक 'चोंचलेबाजी' आज अधिकांश घरों में देखने को मिल रही है। विवाह की रस्मों अर्थात हल्दी, मेहंदी, संगीत, जयमाला, सप्तपदी, फेरे व सिंदूर-दान आधुनिक दिखावे की भेंट चढ़ चुके हैं। ऐसे नितांत पारिवारिक आयोजनों को बाजार ने एक बड़ा इवेंट बना दिया है। वैवाहिक बंधन में बंधने के पूर्व प्री-वेडिंग व डेस्टिनेशन वेडिंग के नाम पर अंधाधुंध खर्च किया जाने लगा है। नृत्य-संगीत, महंगे ड्रेसेज, नाना प्रकार के व्यंजनों वाले लंच-डिनर और उपहारों के आदान-प्रदान से मध्यम वर्ग के 'पांव चादर से बाहर' हो रहे हैं।

समाज में दिखावे का जज्बा यह कि संबंधित परिवार कर्ज लेकर हैसियत से अधिक खर्च कर रहे हैं। अधिकांश गार्जियन तो अपने जीवन की पूरी जमा-पूंजी शादी के दिखावे में 'हवन' कर दे रहे हैं। दिखावटी विवाहोपरांत इस वर्ग में पारिवारिक कलह, बिखराव व भांति-भांति की परेशानियां घर कर जा रही हैं। कई परिवार तो कर्ज के दलदल में ऐसे धंस रहे, जहां से वे जीवनपर्यंत नहीं निकल पा रहे हैं। प्रतिष्ठा का प्रतीक बनती दिखावे वाली शादियां समाज के लिए 'नासूर' बनती जा रही हैं। सोशल मीडिया पर ट्रेंड करते वैवाहिक वीडियोज तो आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। ऐसा केवल शहरों में ही नहीं हो रहा, बल्कि अब गांवों में भी देखने को मिल रहा है।

स्मरण करें, 1970 के दशक की शादियां प्रायः परंपरागत ही होती थीं। उस दौर की शादियां आपसी प्रेम व सादगी का पर्याय मानी जाती थीं। शहरों में न तो रिसार्ट होते थे, न ही अनगिनत मैरेज हाल। अधिकांश वैवाहिक कार्यक्रम वधू पक्ष के घरों में या उसके आसपास टेंट लगाकर कम से कम खर्च में संपन्न हो जाया करते थे। अधिकांश वैवाहिक कार्यकम एक रात में ही संपन्न होते थे। हां, ग्रामीण क्षेत्रों में उस वक्त दो दिन के बरात का चलन अवश्य था, जिसमें वर-वधू पक्ष एक-दूसरे के प्रति आदर भाव और सहयोगात्मक रवैया अपनाते थे। रिश्तों में मर्यादा सर्वोपरि व अपनत्व का भाव स्तरीय था। कम खर्च में शादियां हो जाया करती थीं। वर-वधू के रिश्तों में स्थिरता होती थी, दांपत्य जीवन अनचाही है, मुश्किलों से परे दिखता था। वर्ष 1980 के दशक की शादियां औपचारिकता व भव्यता का मिश्रण थीं।

वर्तमान में होने वाली शादियां संस्कार नहीं, वरन इवेंट का स्वरूप धारण करती जा रही हैं। समाज में अनावश्यक दिखावे का प्रचलन बढ़ गया है। धनाढ्य वर्ग की तरह ही मध्यमवर्गीय भी उसी प्रकार का दिखावा कर अपने बच्चों की शादियां कर रहे हैं। ऐसी शादियों में तथाकथित 'इवेंट मैनेजरों' की तो चांदी हो गई है। वर-वधू को अनेकानेक रस्मों में कब और क्या करना है, वही निर्णय ले रहे हैं। अब अधिकांश वैवाहिक कार्यक्रम एक रात का न होकर दो से तीन दिन तक का हो गया है। हल्दी, मेंहदी, द्वारचार, जयमाल, फेरों व विदाई के मामलों में इवेंट मैनेजर ही निर्णायक भूमिका निभाते दिख रहे हैं।

वर-वधू का मेकअप, पहनावा, तात्कालिक रहन-सहन, इवेंट वाले ही तय कर रहे हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन तो अत्यंत खर्चीला हो चला है। शादियों में लकदक डेकोरेशन व जानदार आतिशबाजी के बीच राजसी वैभव, कैटरिंग के पर्दों से लेकर बर्तन तक भव्यतम हो चले हैं। सोशल मीडिया ने तो सामान्य परिवारों के लोगों को मानसिक रूप से धनाढ्य वर्ग के समीप ला खड़ा किया है। आज का वर-वधू 'नामचीन सेलिब्रिटी' की भांति ही विवाह करने का सपना देखता है। शादी के मंडप को फिल्मी सेट सरीखा बनाने को लालायित वह भूल जा रहा कि उक्त सेलिब्रिटी स्वयं के कमाए धन से खर्चीली शादियां कर रहे, अपना शौक पूरा कर रहे हैं। ब्याजखोरों, बैंक्स से महंगे ब्याज पर धन उधार लेकर अपनी शादी नहीं कर रहे।

शादी के स्थान की बात करें तो शहरों में छोटे बैंक्वेट, फाइव-स्टार हॉल से लेकर फार्महाउस तक, जगहों की कीमत अलग-अलग होती है। किसी बड़े होटल बैंक्वेट स्थल की कीमत सामान्यतया न्यूनतम सजावट, कैटरिंग आदि के साथ 20 से 30 लाख रुपये के मध्य तक तो होती ही है। कपड़ों व गहनों पर भी अमूमन 20 लाख रुपये खर्च हो ही जा रहे हैं। मध्यमवर्गीय परिवार अपने 'चादर का आकार' कदाचित भूलता जा रहा। परिणामस्वरूप 'मीडिया क्रेजी' शादियों में अनाप-शनाप खर्च कर कर्ज के जाल में फंस रहा है।

उन्हें खेती की जमीन, मकान, गहने तक को बेचना पड़ जा रहा है। शादी-विवाह पारिवारिक आयोजन होता है। इसे सादगीपूर्ण तरीके से ही संपन्न किया जाना चाहिए। रोज की जिंदगी में धन नितांत आवश्यक है, इसे बचाने की आवश्यकता है। इवेंट बनती शादियों में फिजूलखर्ची बुद्धिमानी तो कदापि नहीं है। मध्यमवर्गीय परिवारों को फिजूलखर्ची रोकने को चिंतन-मनन करना ही होगा। खास तौर पर संबंधित वर्ग के भावी वर-वधुओं को।

1970 के दशक की शादियां प्राय: परंपरागत ही होती थीं। उस दौर की शादियां आपसी प्रेम व सादगी का पर्याय मानी जाती थीं।

आमने

सभी से रिक्वेस्ट करूंगा कि जो मुद्दे हैं, उन पर सोचें। ड्रामा करने के लिए बहुत जगहें हैं। जो कोई भी ड्रामा करना चाहता है, कर सकता है। यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। यहां नारों पर नहीं, पॉलिसी पर जोर होना चाहिए।

–नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

सामने

चुनाव की स्थिति, एसआईआर और प्रदूषण बहुत बड़े मुद्दे हैं। पार्लियामेंट किस लिए है? मुद्दे उठाना ड्रामा नहीं है। ड्रामा का मतलब है, चर्चा न होने देना। ड्रामा का मतलब है उन मुद्दों पर डेमोक्रेटिक चर्चा न करना जो जनता के लिए मायने रखते हैं।

–प्रियंका गांधी
कांग्रेस सांसद

हास्य का विषय नहीं हो सकते हैं दिव्यांग

रमेश सर्राफ

स्वतंत्र पत्रकार

देश की सर्वाच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से दिव्यांगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी से निपटने के लिए कड़े कानून बनाने पर विचार करने को कहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने एसएमए क्योर फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से दिव्यांगों और दुर्लभ आनुवंशिक विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों का उपहास करने वाली अपमानजनक टिप्पणियों को अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति अधिनियम की तर्ज पर दंडनीय अपराध बनाने के लिए एक कानून बनाने को कहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायामूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉय माल्या बागची की पीठ ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अभद्र, आपत्तिजनक और अवैध सामग्री को नियंत्रित करने के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय की आवश्यकता है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इस बारे में पीठ को सूचित किया कि सरकार कुछ दिशा-निर्देश बनाने पर विचार कर रही है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हास्य किसी की गरिमा की कीमत पर नहीं हो सकता। याचिका में इंडियाज गॉट लेटेंट के हॉस्ट समय रैना और सोशल मीडिया पर प्रभावशाली लोगों, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर के चुटकुलों की निंदा की गई थी। अदालत ने उन्हें भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने का निर्देश दिया। पीठ ने हास्य कलाकार रैना और अन्य को दिव्यांग व्यक्तियों, विशेष रूप से स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए धन जुटाने के लिए दिव्यांग व्यक्तियों की सफलता की कहानियों पर प्रत्येक माह दो कार्यक्रम या शो आयोजित करने का भी निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक 'दिव्य क्षमता' है और उनके लिए 'विकलांग' शब्द की जगह दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। इसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हें हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया, लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। तीन दिसंबर को विकलांग दिवस मनाया जाता है। विश्व विकलांग दिवस पर इस वर्ष का विषय है, सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना। यह विकलांग व्यक्तियों को अपने भाग्य को आकार देने और समाज में योगदान देने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित करता है।

दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग हुए हैं, जिन्होंने अपने साहस, संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गंवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन के दांई टांग नहीं है। फिल्म गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूक-बधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार और जयपुर के सुंदर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के पांचवें दौर का पहला चरण 2019-20 में आयोजित किया गया था। एनएफएचएस जनसंख्या, परिवार नियोजन, बाल और मातृ स्वास्थ्य, पोषण, वयस्क स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा से संबंधित प्रमुख संकेतकों पर अनुमान प्रदान करता है। एनएफएचएस-5 सर्वेक्षण से एकत्र किए गए द्वितीयक डेटा के भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद प्रकाशन के विश्लेषण के अनुसार भारत में विकलांग लोगों की कुल व्यापकता जनसंख्या का 4.52 प्रतिशत है। यह डेटा दर्शाता है कि भारत में लगभग छह करोड़ 32 लाख 80 हजार लोग किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ जीवन यापन करते हैं। लोकोमोटर (गतिशील) विकलांगता सभी विकलांगताओं में सबसे आम है, इसके बाद मानसिक और वाक् (बोलने से संबंधित) विकलांगताएं हैं।

भारत में आज भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है। सरकारी कार्यालयों और अस्पतालों के कई दिनों तक चक्कर लगाने के बाद भी लोगों को मायूस होना पड़ता है। हालांकि सरकारी दावे कहते हैं कि इस प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है, लेकिन हकीकत इससे काफी दूर नजर आती है। दिव्यांगता का प्रमाणपत्र जारी करने के सरकार ने जो मापदंड बनाए हैं। अधिकांश सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक, उनके अनुसार दिव्यांगों को दिव्यांग होने का प्रमाण पत्र जारी ही नहीं करते हैं, जिसके चलते दिव्यांग व्यक्ति सरकारी सुविधाएं पाने से वचिंत रह जाते हैं। दिव्यांग लोगों के प्रति अपनी सोच बदलने का समय आ गया है।

समय रैना एक बार फिर विवादों में है। यह विवाद शुरू हुआ एक कार्यक्रम में दिव्यांगों का मजाक बनाए जाने पर। सुप्रीम कोर्ट ने उनसे भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने को कहा है।

सोशल फोरम

पांडव पुत्रों का पालन और आज की पैरेंटिंग

महाभारत में एक गहरा प्रसंग आता है। पांडु की मृत्यु के बाद कुंती और माद्री दोनों सती होना चाहती थीं, पर माद्री ने कहा, "यदि आप सती हो गईं और मैं रह गई, तो मैं आपके तीनों बच्चों का पालन वैसे

नीलेश गुप्ता

ब्लॉगर

नहीं कर पाऊंगी, जैसे आप कर सकती हैं। अगर मैं सती हो जाऊं और आप रहें, तो आप मेरे दोनों बच्चों- नकुल और सहदेव को भी अपने ही बच्चों की तरह पाल लेंगी। दुनिया यही मानेगी कि कुंती के पांच पुत्र हैं।"

हुआ भी यही। एक स्त्री, अभाव, जंगल, संघर्ष और विधवापन, इन सभी परिस्थितियों में पांच ऐसे पुत्र तैयार करती है, जो आगे चलकर 'धर्म के स्तंभ' कहलाते हैं। जिस दिन भगवान को यह निर्णय करना पड़ा कि वे किसके पक्ष में खड़े होंगे, भगवान ने पांडवों का पक्ष चुना, क्योंकि एक स्त्री ने कठिनाइयों में भी सही 'लालन–पालन' किया था। दूसरी ओर हस्तिनापुर में धृतराष्ट्र जन्मांध थे और गांधारी ने भी अपने पति की परिस्थिति देखकर अपनी आंखों पर स्वेच्छा से पट्टी बांध ली। जब घर में पिता पहले से नेत्रहीन हो और मां भी पट्टी बांधने का निर्णय ले ले तो, यह भी लालन–पालन का ही परिणाम है। महाभारत यह सिखाती है कि पालन-पोषण केवल शरीर पालना नहीं, बल्कि चरित्र, विवेक और भविष्य बनाना है।

यही बात आज हमें समझ नहीं आती। जब मैं क्लास 3–4 में था, हमें सिर्फ एक पेंसिल दी जाती थी। दूसरी पेंसिल तभी मिलती थी, जब पहली पूरी खत्म हो जाए और उसका फिज़िकल प्रूफ दिखाना पड़े। अगर पेंसिल खो जाए, तो नई पेंसिल नहीं मिलती, उल्टा डांट मिलती। इसी से हमने कम में मैनेज करना, पेंसिल बचाकर चलाना, दोस्तों से शेयर करना और हर चीज़ का मूल्य समझना सीखा। हम धीरे-धीरे रिसोर्सफुल बनते गए।

और आज? बच्चे रोज़ पेंसिल खो देते हैं और माता-पिता बिना पूछे रोज़ नई पेंसिल थमा देते हैं। बच्चे को न यह पता है कि चीज़ कहां से आती है? न इसका मूल्य क्या है? न जिम्मेदारी क्या होती है? अगर एक दिन पैरेंट कह दे, "आज नई पेंसिल नहीं मिलेगी"

महाभारत आज भी यही सिखाती है, पैरेंटिंग भविष्य बनाती है। कुंती ने अभावों में भी पांच धर्म–पुत्र बनाए। गांधारी ने आंखें बंद कर लीं। आज हम क्या कर रहे हैं? हम बच्चों को हर मुश्किल से बचा रहे हैं और इसी में उन्हें कमजोर बनाते जा रहे हैं। पैरेंटिंग का मतलब सुविधाएं देना नहीं, संस्कार, जिम्मेदारी और संघर्ष–क्षमता देना है।

सामयिकी

इन्हें काम नहीं कलम और किताब चाहिए

यूनीसेफ के एक सर्वे के अनुसार विश्वभर में 150 मिलियन बाल श्रमिक हैं। विश्व में बाल श्रमिकों की सबसे अधिक संख्या भारत में है। एक आकलन के अनुसार भारत में लगभग 33 मिलियन बाल श्रमिक हैं। फैक्टरियों, होटलों, रेस्टोरेंट, बागानों में काम करते, बोझा ढोते तथा जूते साफ करते बच्चे क्या बन पाते हैं-अशिक्षित, असमर्थ और साधनविहीन नागरिक, जो दूसरों की मर्जी के मुताबिक काम करने को मजबूर हैं। घर की जिम्मेदारी उठाने के लिए विभिन्न जोखिम भरे कार्यों में लगे दस-बारह वर्षीय बालक हमारे प्रजातंत्र के समानता के अधिकार को खुली चुनौती हैं। यह बाल श्रमिक हमारी आर्थिक प्रगति के खोखलेपन को भी सिद्ध करते हैं।

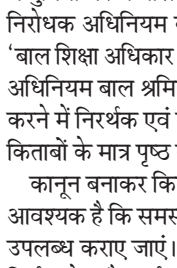

सुरेश बाबू मिश्रा

साहित्यकार

अनेकों मजदूर दिवस आए और चले गए। बाल श्रम को रोकने के लिए कानून बने। बाल श्रमिकों के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाएं बनीं। परंतु ग्यारह वर्षीय भोला के जीवन में इन सबसे कोई परिवर्तन नहीं आया। उसके नन्हे-नन्हे हाथ पूरे दिन लोगों के सैंडिल एवं जूते चमकाते रहते हैं। कभी-कभी अधिक रुपये पाने की लालसा में वह अपनी इकलौती कमीज से ही बाबू लोगों के जूते चमकाने लगता है। पांच रुपये के स्थान पर दस रुपये मिल जाने पर भोला के चेहरे पर ऐसी चमक आ जाती है, मानो उसे दुनिया भर की दौलत मिल गई हो।

प्रेस किए हुए कपड़े घर-घर पहुंचाने के लिए दस वर्षीय हरनाम गली-गली चक्कर काटता रहता है। तीसरी कक्षा के बाद ही उसके पिता ने उसकी पढ़ाई छुड़वा कर उसे काम में लगा दिया। रंग-बिरंगे चमकदार कपड़ों को हरनाम बड़ी हसरत भरी निगाहों से छू-छू कर देखता है। उसके बालमन में भी अच्छे कपड़े पहनने की इच्छाएं मचलती हैं, मगर उसका मजबूर बाप उसे साल में केवल दो जोड़ सस्ते कपड़े ही बनवा पाता है। कई बार तो उसे दूसरे लोगों की उतरन से ही काम चलाना पड़ता है।

घरेलू कार्यों के अतिरिक्त देश में बीड़ी, दियासलाई, सूती वस्त्रों के कारखानों, जूट मिलों, चाय के बागानों, पीतल उद्योग, कलई उद्योग, चूड़ी उद्योग, कालीन उद्योग तथा कार एवं आटो रिपेयर सेंटरों में लाखों बाल श्रमिक काम करते हैं। इन उद्योगों में बाल श्रमिक बुरी तरह शोषित होते हैं। अल्प वेतन, अत्याधिक कार्य, दोषपूर्ण वातावरण, अनैतिक एवं अमानवीय शोषण बाल श्रमिकों की मुख्य समस्याएं हैं।

भारत सरकार द्वारा बाल श्रम को नियंत्रित करने तथा बाल श्रमिकों को अधिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए सन् 1953 में 'बाल अधिनियम' तथा सन् 1958 में 'कारखाना अधिनियम' बनाए गए। सन् 1975 में बंधुआ मजदूरी पर प्रतिबंध लगा दिया गया। सन् 2002 में दुनिया भर में बालश्रम को रोकने के लिए यूनीसेफ द्वारा बाल श्रम निरोधक अधिनियम बनाया गया। भारत सरकार द्वारा सन् 2009 में 'बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम पूरे देश में लागू किया गया। परंतु यह अधिनियम बाल श्रमिकों की दशा सुधारने एवं बाल श्रम को नियन्त्रित करने में निरर्थक एवं खोखले सिद्ध हुए हैं। यह अधिनियम कानून की किताबों के मात्र पृष्ठ बनकर रह गए हैं।

कानून बनाकर किसी समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। आवश्यक है कि समस्या के समाधान के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। बाल श्रम की मुख्य समस्या इनके मां-बाप का निर्धन होना है। वर्तमान समय में भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है, परंतु इसके बावजूद देश के 29 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से नीचे का जीवन यापन करने को मजबूर हैं। आर्थिक विषमता की बढ़ती खाई भी बाल श्रम का प्रमुख कारण है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

परमसत्ता से जुड़ने की प्रक्रिया है अध्यात्म

अध्यात्म पथ स्वयं को समग्र रूप से जानने की, उस परमसत्ता से जुड़ने की तथा आत्म परिष्कार एवं आत्म विस्तार की प्रक्रिया है। कितने ही लोग इस पथ पर चल पड़ते हैं। बड़े उत्साह के साथ शुरुआत करते हैं। फिर रास्ते में ही कुछ हिम्मत हार बैठते हैं। कुछ सांसारिक राग-रंग को ही सब कुछ मान बैठते हैं। कुछ संकीर्ण स्वार्थ-अहंकार के धंधे में उलझकर, जीवन के आदर्श से समझौता कर बैठते हैं। कुछ आलस्य-प्रमाद में भ्रमित होकर बहुमूल्य जीवन को यों ही बर्बाद कर देते हैं। इसमें प्रायः इस समझ का अभाव मुख्य कारक रहता है कि अध्यात्म चेतना के परिष्कार का विज्ञान है, जिसमें जन्म-जन्मांतरों से मलिन चित्त एवं भ्रमित मन के साथ वास्ता पड़ रहा होता है। अचेतन मन के महासागर को पार करते हुए चेतना के शिखर का आरोहण करना होता है। आगे बढ़ना होता है।

निःसंदेह मार्ग कठिन है। दुरूह है। पूर्व में कृत कर्मराशि जब पहाड़ जैसा चट्टानी अवरोध बनकर राह में खड़ी हो जाती है, तो साधक की आस्था डांवाडोल हो जाती है। सस्ती पूजा-पत्री, भोग-चढ़ावे व चिह्न पूजा के सहारे धर्म-आध्यात्म के पथ पर बहुत कुछ बटोरने के फेर में चला पथिक मार्ग में ही धराशाई हो जाता है। यहां तक कि नास्तिक हो जाता है और भगवान तथा समर्थ गुरु तक को कोसने लगता है। जबकि धर्म-अध्यात्म पथ का अपना विधान है, विज्ञान है। इसकी थोड़ी सी भी समझ साधक को राजमार्ग से विचलित नहीं होने देती। वह पगडंडियों में नहीं उलझता। धर्म-अध्यात्म की शुरुआत धार्मिकता की प्राथमिक कक्षा से होती है, जिसमें पूजा-पाठ से लेकर कर्मकांड का सहारा लिया जाता है, लेकिन स्वाध्याय एवं आत्मचिंतन के साथ साधक की समझ भी सूक्ष्म होती जाती है। आस्तिकता के भाव के जाग्रत के साथ, श्रद्धा-निष्ठा परिपक्व होती है। इसी तैयारी के बाद अध्यात्म की कक्षा में प्रवेश मिलता है।

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

आश्चर्य नहीं कि अध्यात्म पथ पर चलने वाले ऋषियों ने इसे छुरे की धार पर चलने के समान दुस्साध्य बताया है, लेकिन इस विकट पथ का वरण करने वाले मुमुक्षु पथिकों ने भी कब हार मानी है। मार्ग की दुरूहता को जानते हुए भी अंतस की पुकार के बल पर वे हर युग में इस पथ का संधान करते रहे हैं। किसी समर्थ के अवलंबन के साथ अपार धैर्य, अनंत श्रद्धा और अनवरत प्रयास के साथ अभीष्ट को सिद्ध करते रहे हैं। निःसंदेह समर्थगुरु (पूर्णगुरु) का अवलंबन कार्य को और सरल बना देता है। हमारा परम सौभाग्य है कि अवतारी गुरुसत्ता का सानिध्य हमें मिला। हमारे गुरुवर के सिद्धसूत्रों के साथ अध्यात्म का व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक स्वरुप हमारे लिए सहज सुलभ है, लेकिन इनको जीवन में वरण करने, धारण करने के लिए साहस, निष्ठा एवं तैयारी की न्यूनतम मांग है। आखिर हर मांग अपनी कीमत मांगता है, जो चीज जितनी कीमती होती है, उसका उतना ही मूल्य भी चुकाना होता है। एक किसान, व्यापारी व विद्यार्थी तन-मन व धन की सारी पूंजी झोंक देता है। तब कहीं जाकर समस्त सुख-सुविधाओं को त्यागते हुए एकांतिक प्रयास एवं निष्ठा के बल पर अभीष्ट मंजिल तक पहुंचता है। इसी प्रकार आध्यात्म पथ भी अपनी कीमत मांगता है, जिसमें चित्त-चेतना की शुद्धि एवं परिष्कार मुख्य है। स्वयं को गलाकर-मिटाकर सब कुछ पाने की कला अध्यात्म है। इसमें सबसे पहले चित्त का परिष्कार करना होता है। इसी के साथ जन्मों से अज्ञान के परदे में ढका आत्मज्ञान का सूर्य प्रकाशित होता है और अपने ईश्वरीय अस्तित्व का बोध कराता है। वैसे तो समर्थगुरु (पूर्णगुरु) एवं परमात्मा की कृपा तो सदा ही उनकी सभी संतानों पर अनवरत रुपों में बरसती रहती है। इसको ग्रहण करने व धारण करने की क्षमता का अभाव ही मुख्य कारण है कि अधिकांशतया जीवन इनसे रीता रह जाता है। जिस मात्रा में साधक-शिष्य इसको धारण कर पाता है, उसी अनुपात में उसका आत्मिक विकास होता है। अध्यात्म विज्ञान का कार्य अंततः जीवन का कायाकल्प है। मनुष्य में देवत्व का उदय है। यह उसकी अंतर्निहित दिव्य संभावनाओं व क्षमताओं का जागरण एवं विकास है।

आत्मकल्याण के साथ लोक-कल्याण

चित्त के प्रक्षालन के साथ इसका परिष्कार प्रारंभ होता है, जो स्वयं में समयसाध्य एवं कष्टसाध्य प्रक्रिया है। अपार धैर्य, अटूट श्रद्धा एवं निरंतर प्रयास के साथ यह कार्य संपन्न होता है। बार-बार असफलता के बाद भी साधक हिम्मत नहीं हारता और बार-बार प्रयास करता है। हजार असफलताओं के बाद हजार बार प्रयास करने का जीवट और हर हार के बाद पुनः उठकर आगे बढ़ने का अदम्य साहस अध्यात्म पथ को परिभाषित करता है। अध्यात्म पथ पर अभीष्ट को उपलब्ध सभी साधकों के जीवन दृष्टांत इसी सत्य की गवाही देते हैं। परमपूज्य गुरुदेव ने इसके निमित्त आत्मनिरीक्षण, आत्मसमीक्षा, आत्मसुधार व आत्मनिर्माण की प्रक्रिया का प्रतिपादन किया है। दैनिक जीवन में आत्मबोध से लेकर तत्वबोध की व्यावहारिक साधना को बताया है, जिसमें संयम, स्वाध्याय और सेवा के साथ उपासना, साधना, आराधना की त्रिवेणी में अवगाहन करना पड़ता हैं। परमपूज्य गुरुदेव का यह मार्गदर्शन साधक को अपनी स्थिति के अनुरूप सीखने को प्रेरित करता है और देर-सवेर आध्यात्म पथ पर चलते हुए आत्मकल्याण के साथ लोक-कल्याण के महान उद्देश्य को पूर्ण करता है।

गुरुदेव व दैवी कृपा साथ रहते हुए भी साधक को एकाकी ही इस पथ को पार करना होता है। अपनी अंतरात्मा की पुकार पर आध्यात्म पथ पर आरूढ़ साधक इस मार्ग का सहर्ष वरण भी करता है। इसके लिए पथ के काटों की चिंता नहीं करनी। लोग क्या कहते हैं और क्या करते हैं, इसकी चिंता कौन करे? गुरुकृपा से अपनी आत्मा ही मार्गदर्शन के लिए पर्याप्त है। लोग अंधरे में भटकते हैं। भटकते रहें। हम अपने विवेक के प्रकाश का अवलंबन कर स्वतः ही आगे बढ़ेंगे। कौन विरोध करता है, कौन समर्थन इसकी गणना क्या करनी हमें? अपनी अंतरात्मा, अपना साहस अपने साथ है और हम वही करेंगे, जो करना अपने जैसे सजग साधकों के लिए उचित और उपयुक्त है।

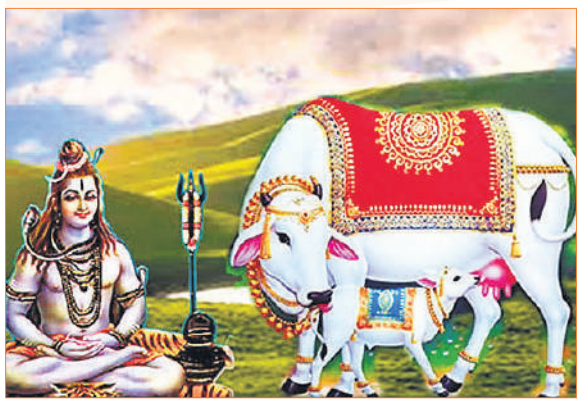

पौराणिक कथा

वृषभध्वज और गौ माता

महाभारत अनुशासन पर्व में वृषभ ध्वज की कथा आती है। एक बार गौ माता सुरभि का बछड़ा दूध पी रहा था। दूध पीते हुए बछड़े के मुख पर दूध की झाग लग गई। वही झाग हवा से उड़कर भगवान शंकर के मस्तक पर जा गिरी। ऐसा होने पर भगवान शिव कुछ क्रोधित हो गए। उस समय प्रजापति जी ने भगवान शंकर से कहा, "हे प्रभु! आपके मस्तक पर, जो दूध का छींटा पड़ा है। वह अमृत है। बछड़ों के पीने से गाय का दूध जूठा नहीं होता। जैसे अमृत का संग्रह करके चंद्रमा उसे बरसा देता है, वैसे ही रोहणी गायें भी अमृत से उत्पन्न दूध को बरसाती हैं। जैसे वायु, अग्नि, सुवर्ण, समुंद्र और देवताओं का पिया हुआ अमृत, कभी जूठे नहीं होते, वैसे ही बछड़ों को पिलाती हुई गौ भी कभी दूषित नहीं होती। ये गौमाता अपने दूध-घी से समस्त जगत का पोषण करती हैं। सभी लोग इन गौओं के अमृतमय पवित्र दूध रुपी ऐश्वर्य की इच्छा करते हैं।" तत्पश्चात प्रजापति जी ने महादेव जीको बहुत सी गौ और एक बैल दिया। इस पर शिवजी ने प्रसन्न होकर वृषभ अर्थात बैल को अपना वाहन बनाया और अपनी ध्वजा को उसी वृषभ के चिह्न से सुशोभित किया। इसी से उनका नाम 'वृषभ ध्वज' पड़ा। फिर देवताओं ने महादेव जी को पशुओं का स्वामी बना दिया और गौओं के बीच में उनका नाम 'वृषांक' रखा गया। **-फीचर डेस्क**

संस्कार: आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यबोध

'संस्कार' मात्र धार्मिक कर्मकांड ही नहीं अपितु मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का आधार है। यह मानव जीवन के सामाजिक, धार्मिक, नैतिक एवं शैक्षिक मूल्यों को एक दिशा प्रदान करता है, जिसके आधार पर व्यक्ति दैहिक एवं भौतिक विकास के साथ ही सुव्यवस्थित एवं सुसंस्कृत जीवनयापन करता है। संस्कारों का विधान अलौकिक पृष्ठभूमि में किया गया है तथा इनकी उत्पत्ति में मानवीय प्रवृत्तियों का विशेष येगदान माना गया है, जिनका आधार आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यबोध है।

डॉ. रज्जन कुमार
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

संस्कार अपनी प्रकृति के अनुसार पूर्वभव, वर्तमान जीवन एवं मृत्यु के पश्चात् भी गतिशील रहते हैं। संस्कृत साहित्य में मानव जीवन के इन विविध क्रमों से संबंधित संस्कार के कई प्रकार मिल जाते हैं। यद्यपि संस्कारों के भेद एवं उनके नामों के लेकर विद्वानों मे मतैक्य नहीं है फिर भी इस दिशा में एक रुपता लाने के प्रयास विद्वानों द्वारा समय-समय पर अवश्य हुए हैं। विद्वानों का इस दिशा में किया गया यह प्रयास ही संस्कारों को सुनियोजित एवं व्यावहारिक मूल्य प्रदान कर सका है। वर्तमान में मुख्य संस्कारों की संख्या कुछ नाम भेद के साथ 16 बताई गई हैं, जैसे-गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, चूड़ाकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध, विद्यारम्भ, उपनयन, वेदारम्भ, केशान्त, समावर्तन, विवाह एवं अन्त्येष्टि-श्राद्ध। इन षोडश संस्कारों में कुछ संस्कार आज भी भारतीय जनमानस में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाए हुए हैं। जातकर्म, नामकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध, उपनयन, विवाह एवं अंत्येष्टि-श्राद्ध आदि संस्कारों में से उपनयन एवं विवाह संस्कार का सामाजिक जीवन के लिए तो महत्व अधिक है, परंतु इसके पीछे धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्य का अभाव दृष्टिगोचर होता है। मृत्यु अथवा अन्त्येष्टि संबंधी संस्कार के पीछे धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्य की प्रधानता होती है। अतः यह कहा जा सकता है कि संस्कार संबंधी क्रियाओं को स्वीकार करने के पीछे भारतीय जनमानस में धार्मिक संचेतना के साथ-साथ आध्यात्मिक एवं सामाजिक मूल्य की पृष्ठ भूमि भी गतिमान रही है। अतः हमें यह स्वीकार करने में कोई संशय नहीं रह जाता है कि आज भी संस्कार पहले की भांति धार्मिक एवं सामाजिक धरातल पर अपना अस्तित्व बनाए हुए है।

व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ तथा अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है। इनमें से कुछ संस्कार तो जातक अपने पूर्वभव के साथ लाता है तथा कुछ को वर्तमान जीवन की परिस्थितियों के वशीभूत होकर प्राप्त करता है एवं कुछ संस्कार उसकी मृत्यु के बाद भी कार्यरत रहते हैं।

व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ तथा अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है। इनमें से कुछ संस्कार तो जातक अपने पूर्वभव के साथ लाता है तथा कुछ को वर्तमान जीवन की परिस्थितियों के वशीभूत होकर प्राप्त करता है एवं कुछ संस्कार उसकी मृत्यु के बाद भी कार्यरत रहते हैं। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि संस्कार पूर्वभव, वर्तमान जीवन एवं मृत्यु के पश्चात् भी गतिशील रहते हैं, जिनका मानव जीवन में अपना महत्व एवं मूल्य बना हुआ है। भारतीय संस्कृति में तीन प्रकार के शरीरों का वर्णन हुआ है-सूक्ष्म शरीर, स्थूल शरीर एवं कारण या लिंग शरीर। इनमें स्थूल शरीर के द्वारा कृत कार्यों का समापन मृत्यु के उपरांत सूक्ष्म शरीर के द्वारा भी किया जाता है। तात्पर्य यह है कि सूक्ष्म शरीर प्राप्त होने पर भी स्थूल शरीर द्वारा कृतकर्म क्षय को प्राप्त नहीं होते तथा पुनः जन्म लेने के बाद सूक्ष्म शरीरस्थ संस्कारों को व्यक्ति अपने क्रिया क्षेत्र में लाता है। क्योंकि प्रकृति के सूक्ष्म तत्वों से सभी प्रकार के शरीर बनते हैं, जो स्वरूपतः भौतिक हैं। अतः भौतिक पदार्थों से निर्मित शरीर को भैतिक सुखों की आवश्यकता होती है। सूक्ष्म शरीर द्वारा किए गए कार्यों का संबंध स्थूल शरीर से होता है, जो हमारे मस्तिष्क में तथा स्थूल शरीर में व्याप्त हो जाते हैं, जो कि अन्य जन्मांतरों में साथ-साथ होने के कारण स्थूलशरीर द्वारा भोगे जाते हैं। सूक्ष्मशरीर की सत्ता का प्रमाण शास्त्रों में बहुधा प्राप्त होता है तथा बिना स्थूलशरीर के हम सब कुछ जान लेते हैं। उदाहरण स्वरूप जैसे नासिका के सामने कोई पुष्प लाया जाए तथा घ्राणेन्द्रिय का निरोध करके कान से यदि हम सूंघने का प्रयास करते हैं, तो कान रूपी इंद्रिय उस पुष्प की सुगंध को ग्रहण नहीं कर सकती। योगी लोग सूक्ष्म शरीर के स्थूल शरीर से पृथक कर सकते हैं तथा पुनः नए शरीर में भी प्रवेश कर सकते हैं। इस प्रकार वह स्वभावतः संस्कारों के भी बदल देते हैं। संस्कृत साहित्य में संस्कारों से संबद्ध परंपराओं एवं मान्यताओं का यथा स्थान विवेचन हुआ है, जिनसे यह संकेत मिलता है कि इस संसार में लौकिक एवं अलौकिक शक्तियां हैं, जिनके मध्य अटूट संबंध है, जो मानव जीवन को एक प्रेरणा प्रदान करता हैं। संस्कार यहां एक प्रेरकतत्व के रूप में विकसित हुआ है, जो मनुष्य को कई प्रकार की लौकिक एवं अलौकिक शक्तियों से युक्तकर उसके जीवन में सुख-शांति का आधान करता है। संस्कार जीवन के विभिन्न अवसरों पर संपन्न एवं आयोजित किए जाते हैं। तदनुसार ये अवसर एवं जीवन को महत्व एवं पवित्रता प्रदान करते हैं। संस्कार कदाचित् जीवन की घटनाओं के प्रति मनुष्य के भीतर व्याप्त उदासीनता को कम करने की प्रेरणा प्रदानकर जीवन के विकास के क्रम को महत्व प्रदान करउसे एक सामाजिक मूल्य प्रदान करते हैं। मनुष्य को इस बात का बोध हो जाता है कि जीवन की घटनाएं मात्र शारीरिक क्रियाओं का नाम नहीं अपितु एक चिरंतन प्रवाह है, जिनमें सामाजिक संचेतना है, आध्यात्मिक उत्क्रांति है तथा सांस्कृतिक मूल्य के संरक्षण का भाव है।

बोधकथा

ज्ञान कक्षा का मोहताज नहीं

एक समय की बात है, एक विद्यार्थी पढ़ाई में अत्यंत होशियार माना जाता था। उसकी लगन और समझदारी की चर्चा पूरे विद्यालय में थी, लेकिन अचानक वह एक गंभीर बीमारी की चपेट में आ गया। कई दिनों तक बिस्तर पर रहने के कारण उसकी विद्यालय में उपस्थिति बहुत कम हो गई। स्थिति ऐसी बन गई कि वह परीक्षा में बैठने की शर्त भी पूरी न कर सका।

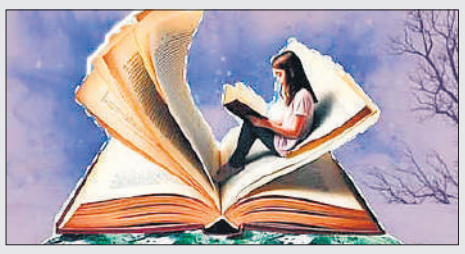

यह बात उसके लिए अत्यंत चिंता का विषय बन गई। उसे लगने लगा कि अब एक साल पीछे रह जाना तय है। उसका मन घबराहट और निराशा से भर गया। अंततः अपने मन का बोझ हल्का करने के लिए वह प्रख्यात विद्वान और मार्गदर्शक मदन मोहन मालवीय जी के पास पहुंचा। विद्यार्थी ने कांपती आवाज में अपनी व्यथा रखी, "बाबूजी, मैं बीमारी के कारण परीक्षा में नहीं बैठ पाऊंगा। लगता है मुझे एक साल और उसी कक्षा में रहना पड़ेगा।" मालवीय जी बड़े ध्यान से उसकी बातें सुनते रहे। फिर अत्यंत शांति से बोले, "एक बात बताओ बेटा, पढ़ना अच्छी चीज है या बुरी?"

विद्यार्थी ने तुरंत उत्तर दिया, "अच्छी चीज है।" मालवीय जी मुस्कुराए और बोले, "तो फिर पढ़ने से डर कैसा? विद्यार्थी को दर्जे का, कक्षा का, साल का इन सबका विचार छोड़कर पूरे मन से सीखने पर ध्यान देना चाहिए। ये दर्जे तो मनुष्य ने अपने सुविधा के लिए बना दिए हैं, ज्ञान इन्हें नहीं मानता।" उनकी बात सुनकर भी विद्यार्थी का चेहरा उदास बना रहा। उसकी मायूसी देखकर मालवीय जी ने गहरी आवाज़ में समझाया, "मेरा विश्वास मानो, असली पढ़ाई स्कूल और कॉलेज की चार दीवारों में सीमित नहीं रहती। जिन्हें सचमुच पढ़ना होता है, वे हर परिस्थिति में सीखते हैं। विद्या पाने के लिए तपस्या करनी पड़ती है और यह तपस्या जीवनभर चलती है। दुनिया के अनुभव, परिस्थितियां, कष्ट- यही सबसे बड़े गुरुकुल हैं, जिसे सीखने की आग होती है, उसके लिए साल पीछे रह जाना कोई बाधा नहीं।" वे आगे बोले, "जीवन में हमें बहुत-सी बातें किताबों से नहीं, बल्कि परिस्थितियों से सीखने को मिलती हैं। बीमारी, कठिनाइयां, संघर्ष-ये सब भी शिक्षक हैं। इसलिए यदि तुम सचमुच विद्वान बनना चाहते हो, तो दर्जे की चिंता छोड़कर ज्ञान का पथ पकड़े रहो।" मालवीय जी के इन शब्दों ने विद्यार्थी के मन का बोझ हल्का कर दिया। उसे समझ आ गया कि पढ़ाई सिर्फ परीक्षा पास करने का साधन नहीं, बल्कि जीवन को सही दृष्टि देने वाली साधना है। वह नए उत्साह से भरकर वापस लौटा। सच यही है, जो सीखने वाला हृदय रखता है, उसके लिए हर दिन, हर अनुभव, हर संघर्ष एक नई पाठशाला बन जाता है। यही इस कथा का संदेश है।

-नृपेन्द्र अभिषेक नृप

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,641.90	26,175 .75
गिरावट	64 .77	27 .20
प्रतिशत में	0 .08	0 .10

सोना 1,33,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,77,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि . 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2140, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि .) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4300, द्वारकेश 4280

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3000, मसूरी- 1000, बासमती- 6900, परमल- 1300

दाल दलहन : काला चना- 4200, साबुत चना दाल- 4500, मूंग साबुत- 7000, राजमा- 9700-12000, दाल उड़द- 7200, साबुत मसूर दाल- 4100, मसूर दाल- 3900, उड़द साबुत- 5900, काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 2900

आईआईपी में वृद्धि दर 13 माह के निचले स्तर पर

अक्टूबर में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सुस्त पड़कर 0.4% पर आई

- एनएसओ के अनुसार, आईआईपी में वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

विनिर्माण, खनन एवं बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से अक्टूबर में देश की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सुस्त पड़कर 13 महीनों के निचले स्तर 0.4% पर आ गई। सोमवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) से जारी आंकड़ों के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी है। एक साल पहले की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन 3.7% बढ़ा था। आईआईपी का पिछला निचला स्तर सितंबर, 2024 में दर्ज किया गया था जब यह स्थिर रहा था। इएनएसओ ने सितंबर, 2025 के आंकड़ों को संशोधित करते हुए वृद्धि दर को 4 से बढ़ाकर 4.6% किया है।

आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 1.8% पर आ गई, जबकि साल भर पहले यह 4.4% रही थी। आलोच्य महीने में खनन क्षेत्र के उत्पादन में 1.8% की गिरावट आई, जबकि गत वर्ष यह 0.9% बढ़ा था। इस दौरान बिजली उत्पादन में भी 6.9% की गिरावट दर्ज की गई जबकि पिछले साल यह दो प्रतिशत बढ़ा था। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में देश के औद्योगिक उत्पादन में कुल 2.7% की वृद्धि दर्ज की गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 4% थी। विनिर्माण क्षेत्र में शामिल 23 में से नौ उद्योग खंडों ने अक्टूबर में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि रही।

उपयोग-आधारित वर्गीकरण के मुताबिक, पूंजीगत उत्पाद खंड में 2.4% की बढ़ोतरी हुई जबकि एक साल पहले यह 2.9% थी। टिकाऊ उपभोक्ता खंड में आलोच्य माह के दौरान 0.5% की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 5.5% की बढ़ोतरी हुई थी। अक्टूबर, 2025 में गैर-टिकाऊ उपभोक्ता खंड में उत्पादन 4.4% गिर गया जबकि एक साल पहले इसमें 2.8% की वृद्धि हुई थी। ढांचागत क्षेत्र/ निर्माण उत्पादों के खंड में उत्पादन बढ़कर 7.1% हो गया जबकि पिछले साल की समान अवधि में 4.7% बढ़ोतरी रही थी। आंकड़ों से पता चला कि प्राथमिक वस्तुओं का उत्पादन अक्टूबर माह में 0.6% घटा है जबकि एक साल पहले यह 2.5% बढ़ा था। मध्यवर्ती उत्पाद खंड में इस महीने 0.9% की बढ़त रही जबकि एक साल पहले इसमें 4.8%की वृद्धि हुई थी।

विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नौ माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर में नौ महीने के निचले स्तर पर आ गईं। चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों की खबरों के बीच बिक्री एवं उत्पादन में धीमी वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्टूबर के 59 .2 से नवंबर में 56 .6 पर आ गया। यह फरवरी के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे धीमी गति का संकेत देता है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि नवंबर के पीएमआई आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि अमेरिकी शुल्क के कारण विनिर्माण विस्तार धीमा हुआ है। इसमें कहा गया कि कंपनियों ने हालांकि सुझाव दिया कि अंतर्राष्ट्रीय बिक्री का रुझान अनुकूल बना हुआ है जो अफ्रीका, एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में ग्राहकों को अधिक बिक्री को दर्शाता है।

- पीएमआई अक्टूबर के 59.2 से घटकर नवंबर में 56.6 पर आया

कोयला व लिग्नाइट की खोज की अनुमोदन प्रक्रिया हुई सरल

- कारोबार सुगमता और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देने के लिए उठाया कदम

नई दिल्ली, एजेंसी

कोयला मंत्रालय ने कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक से संबंधित अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाया है। इस कदम का मकसद कारोबार सुगमता को बढ़ाना और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देना है। नई प्रक्रिया में अब 2022 में इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समिति से मंजूरी की आवश्यकता नहीं है।

मंत्रालय के अनुसार, कोयला मंत्रालय ने पहले की कार्यप्रणाली की समीक्षा की है। क्यूसीआई-एनएबीईटी द्वारा मान्यता प्राप्त एवं अन्य एपीए द्वारा समकक्ष समीक्षा प्राप्त अधिसूचित मान्यता प्राप्त अन्वेषण एजेंसियों (एपीए) द्वारा तैयार कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक के लिए अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट (जीआर) के अनुमोदन के लिए तंत्र को सरल बनाया है। देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए कोयला एवं लिग्नाइट संसाधनों का तेज, अधिक कुशल और प्रौद्योगिकी रूप से मजबूत अन्वेषण आवश्यक है।

कोल इंडिया का उत्पादन घटकर 45.35 करोड़ टन

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कोयला उत्पादन चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान 3 .7% घटकर 45 .35 करोड़ टन रह गया। सरकार देश में कोयला उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कई कदम उठा रही है, इसके बावजूद यह गिरावट आई। देश के कुल कोयला उत्पादन में 80% से अधिक हिस्सा रखने वाली कोल इंडिया ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 47 .1 करोड़ टन का कोयला उत्पादन किया था।

सोने में आया 3,040 रुपये का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी

- मजबूत वैश्विक रुख और शादियों के मौसम से आभूषणों की मांग से कीमती धातु को मिला समर्थन

मजबूत वैश्विक रुख और कमजोर डॉलर के कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 3,040 रुपये उछलकर 1,33,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चल रहे शादियों के मौसम के बीच आभूषणों की सतत मांग से कीमती धातु को समर्थन मिला।

व्यापारियों ने कहा कि सोना अब अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 1,34,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (99.9% शुद्धता) और 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (99.5%) के करीब है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सोने ने पिछले हफ्ते की तेजी को आगे बढ़ाया, जिसे डॉलर के कमजोर होने, अगले हफ्ते फेडरल रिजर्व के द्वारा ब्याज दर कटौती की बढ़ती उम्मीदों, बड़े बैंकों के अच्छे अनुमानों और सेंट्रल बैंक की मजबूत खरीदारी से समर्थन मिला, ये सभी बाजार को ऊपर ले जाने में मदद कर रहे हैं।

सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी पांचवें दिन ऊपर चढ़ती रही, जो 5,800 रुपये बढ़कर 1,77,000 रुपये प्रति किग्रा (सभी टैक्स) हो गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 42.29 डॉलर या 1% बढ़कर 4,261.52 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि डॉलर सूचकांक 0.19% घटकर 99.27 रह गया, जिससे सर्राफा कीमतों को समर्थन मिला। साल की शुरुआत से सोने की कीमत 63.6%बढ़ गई है। लगातार छठे दिन बढ़ते हुए, हाजिर चांदी 2% बढ़कर वैश्विक बाजारों में 57.85 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई। पिछले फ़फ़्ते चांदी 15.7% उछली और 2025 में अब तक दोगुनी गई गई। ऑगमोंट में शोध प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा कि चांदी की कीमत सिर्फ़ 11 महीनों में दोगुनी हो गई है और सोने से ज्यादा बढ़ी है, भले ही वर्ष 2025 में सोना सबसे लोकप्रिय जिंस था।

शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे फिसला

- वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली से दोनों सूचकांक में आई गिरावट
- सत्र के दौरान सेंसेक्स 452.35 और निफ्टी 122.85 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद अंत में मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। उच्चस्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से दोनों मानक सूचकांक... बीएसई सेंसेक्स में 65 अंक की गिरावट आई जबकि एनएसई निफ्टी 27 अंक के नुकसान में रहा।

बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाकर 64.77 अंक की गिरावट के साथ 85,641.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, 452.35 अंक चढ़कर 86,159.02 अंक के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी 27.20 अंक की गिरावट के साथ 26,175.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 122.85 अंक चढ़कर 26,325.80 अंक के उच्चस्तर पर पहुंचा था। विशेषज्ञों के अनुसार, दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर जीडीपी वृद्धि के बाद इस सप्ताह आरबीआई के प्रमुख ब्याज दर में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में उच्चस्तर पर गिरावट देखी गई। जीएसटी संग्रह में धीमी वृद्धि और उच्चस्तर पर मुनाफावसूली से भी बाजार नुकसान में रहा। बाजार शुरुआती कारोबार में अपने रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचा था। इसका कारण जुलाई-सितंबर में भारत की अर्थव्यवस्था के अनुमान से अधिक 8.2% की दर से बढ़ने के बाद निवेशकों की धारणा सकारात्मक थी। यह छह तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है।

मिडकैप नीचे, स्मॉलकैप में मामूली बढ़त

मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सूचकांक 0 .19% नीचे आया जबकि छोटी कंपनियों से संबंधित स्मॉलकैप सूचकांक मामूली 0 .05% की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे।

डीआईआई ने 4,148.48 करोड़ के शेयर खरीदे

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 3,795 .72 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,148 .48 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1 .96 प्रतिशत बढ़कर 63 .60 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शुक्रवार को सेंसेक्स 13 .71 अंक की मामूली गिरावट के साथ 85,706 .67 अंक पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 12 .60 अंक के नुकसान में रहा था।

राष्ट्रीय

वक्फ संपत्ति विवरण पर समय सीमा बढ़ाने से सुप्रीम इन्कार

उम्मीद पोर्टल पर विवरण अपलोड करने संबंधित याचिका पर हुई सुनवाई

- पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा- समय सीमा से पहले संबंधित न्यायाधिकरणों से करें संपर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'उम्मीद' पोर्टल पर 'वक्फ बाय यूजर' सहित सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे समय सीमा से पहले संबंधित न्यायाधिकरणों से संपर्क करें।

हमारा ध्यान धारा 3बी के प्रावधान की ओर आकर्षित किया गया है। चूंकि आवेदकों के पास न्यायाधिकरण के समक्ष उपाय उपलब्ध है इसलिए हम सभी आवेदनों का निपटारा करते हुए उन्हें छह महीने की अवधि की अंतिम तिथि तक न्यायाधिकरण का रुख करने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के अलावा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) नेता असदुद्दीन ओवैसी और कई अन्य ने सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध करते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया है। इससे पहले एक वकील ने कहा था कि वक्फ के अनिवार्य पंजीकरण की छह महीने की अवधि समाप्त होने वाली है। उच्चतम न्यायालय ने 15 सितंबर को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी, जिनमें यह भी है कि केवल वे लोग ही किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में दे सकते हैं जो पिछले पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि केंद्र ने दुरुपयोग को देखते हुए 'वक्फ बाय यूजर' प्रावधान को हटा दिया और प्रत्याशित रूप से यह 'मनमाना' नहीं था। वक्फ बाय यूजर से आशय ऐसी संपत्ति से है, जहां किसी संपत्ति को औपचारिक दस्तावेज के बिना भी धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए उसके दीर्घकालिक उपयोग के आधार पर वक्फ के रूप में मान्यता दी जाती है, भले ही मालिक द्वारा वक्फ की औपचारिक, लिखित घोषणा न की गई हो।

असम में विशेष संक्षिप्त संशोधन कराने के चुनाव आयोग के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें असम में चुनाव नामावली का केवल विशेष संक्षिप्त संशोधन करने का निर्णय लिया गया है, जबकि बिहार सहित 12 अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन संशोधन कराया जा रहा है। यह याचिका गुवाहाटी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मृणाल चौधरी ने दायर की है। याचिका में 17 नवंबर को जारी चुनाव आयोग के आदेश पर सवाल उठाया गया है। याचिका में कहा गया है कि जहां एक ओर छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप और पुडुचेरी में विशेष गहन संशोधन का निर्देश दिया गया है, वहीं असम में कम स्तर का संशोधन चुना गया है। यह फैसला आयोग के अपने ही रुख के खिलाफ है।

आपदा तैयारियों के मुद्दे पर केंद्र व अन्य को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें अग्निशमन सेवाओं, सड़क आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा तैयारी में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और कर्मियों की कमी का आकलन करने और उसे पूरा करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ऐसे व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने 2019 में सूरत में आग लगने की घटना में अपनी बेटी को खो दिया था। शीर्ष न्यायालय ने केंद्र और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) सहित अन्य को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि नोटिस जारी करें, जिसका जवाब चार हफ़्तों के भीतर दिया जाए। याचिकाकर्ता व्यक्तिगत रूप से पेश हुआ और उसने दावा किया कि भारतीय राष्ट्रीय भवन संहिता, 2016 का सख्ती से पालन नहीं किया जा रहा है और देश भर में आग लगने की घटनाएं हो रही हैं।

बिश्नोई गिरोह से सुरक्षा पर विचार से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के व्यक्ति की याचिका पर विचार से इन्कार कर दिया, जिसने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से धमकी मिलने का दावा करते हुए 24 घंटे सुरक्षा मुहैया देने मांग की गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा, आपको कौन धमकी दे रहा है? लॉरेंस बिश्नोई उत्तर प्रदेश में भी काम करता है? वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता 24 घंटे सुरक्षा की मांग कर रहा है। जब पीठ ने कहा कि बिश्नोई गिरोह राजस्थान और पंजाब में सक्रिय है, तो वकील ने कहा, वह हर जगह सक्रिय है।

ईडी ने मसाला बॉण्ड मामले में सीएम विजयन व इसाक को भेजा नोटिस

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। ईडी ने केआईआईएफबी मसाला बॉण्ड मामले में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, पूर्व वित्त मंत्री थॉमस इसाक और मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. एम. अब्राहम को 467 करोड़ के फेमा उल्लंघन से संबंधित कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत यह नोटिस 12 नवंबर को जारी किया था। उन्होंने बताया कि यह नोटिस केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) व उसके प्राधिकारियों द्वारा फेमा प्रावधानों और आरबीआई के मुख्य निर्देशों के कथित उल्लंघन से संबंधित है, जिसकी राशि 466.91 करोड़ है। केआईआईएफबी के अध्यक्ष के रूप में विजयन, बोर्ड के उपाध्यक्ष पूर्व वित्त मंत्री इसाक व केआईआईएफबी के सीईओ अब्राहम के अलावा संस्थान को भी नोटिस जारी किए गए हैं। केरल सरकार ने मामले में गड़बड़ी से इन्कार किया है।

नए सभापति सभी को दें बोलने का अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में सोमवार को प्रधानमंत्री, सदन के नेता, नेता प्रतिपक्ष सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने नये सभापति सी पी राधाकृष्णन को यह दायित्व संभालने के लिए बधाई देते हुए उम्मीद जतायी कि सांसद के रूप में उनके अनुभव से सदन के कुशल संचालन में मदद मिलेगी। कई दलों के सदस्यों ने सदन के सभी पक्षों को बोलने का समान अवसर देने का अनुरोध किया।

राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि साधारण पृष्ठभूमि से उठकर सी. पी. राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति को प्रदर्शित करता है।

सितंबर में चंद्रपुरम पोनुसामी (सी. पी.) राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आपको बधाई देता हूं और भरोसा है कि इस सदन का हर सदस्य इसकी परंपराओं का सम्मान करेगा और आपकी गरिमा को बनाए रखेगा।

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए सदन के नेता जेपी नड्डा ने उम्मीद जतायी वह संसद के उच्च सदन का कुशलतापूर्वक संचालन करेंगे।

विपक्ष की ओर से खरगे ने सभापति का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस संवैधानिक मूल्यों और सदन की परंपराओं के साथ दृढ़ता से खड़ी है और कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहयोग करेगी। पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल (एस) के एचडी देवेगौड़ा ने उम्मीद जतायी कि वह इस सदन की लम्बी परंपरा के अनुसार इसका संचालन करेंगे। टीएमसी के डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि विपक्ष को सदन में अपनी बात रखने का मौका दिया जाना चाहिए। द्रमुक के तिरुचि शिवा, आप के राघव चड्ढा,माकपा के जान ब्रिटास, जद(यू) के रामनाथ ठाकुर, सपा के जावेद अली खान, राकंपा के प्रफुल्ल पटेल और राकंपा (एसपी) की फौजिया खान ने सभापति से सदन में बोलने देने की उम्मीद जताई।

डब्ल्यूएमओ को हवाईअड्डे पर जीपीएस स्पूफिंग के स्रोत का पता लगाने का सरकार ने दिया निर्देश

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को कहा कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अमृतसर, हैदराबाद, बैंगलोर और चेन्नई हवाई अड्डों पर 'जीपीएस स्पूफिंग' होने की खबर है, और वायरलेस निगरानी संगठन (डब्ल्यूएमओ) को 'स्पूफिंग' के स्रोत का पता लगाने का निर्देश दिया गया है। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने राज्यसभा को बताया कि कुछ उड़ानों ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के आस-पास जीपीएस स्पूफ़िंग की सूचना दी, जब वे रनवे 10 पर पहुंच रहे थे, और जीपीएस आधारित विमान उतारने की प्रक्रिया का इस्तेमाल कर रहे थे। नायडू ने कहा, दूसरे रनवे पर, जहां पारंपरिक नौवहन प्रणाली चालू थी, उड़ानों के परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे हवाई अड्डा है।

चुनाव सुधारों पर चर्चा की मांग को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन की तैयारी में विपक्षी दल

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन के घटक दल संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र के दौरान चुनाव सुधारों के विषय पर चर्चा की मांग करते हुए मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन कर सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी दलों के सांसद मंगलवार सुबह संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन की तैयारी में हैं। विपक्षी सदस्यों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर सोमवार को लोकसभा में हंगामा किया जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई। विपक्षी दलों के नेताओं ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र के लिए अपनी रणनीति पर चर्चा की।

प्रेमी के शव से शादी करने वाली युवती ने पुलिस पर मढ़े आरोप

नांदेड, एजेंसी

- कहा- प्रेमी की हत्या के लिए उसके भाई को पुलिस ने ही उकसाया था

महाराष्ट्र के नांदेड जिले में प्रेमी के शव से शादी करने के एक दिन बाद 21 वर्षीय युवती ने सोमवार को इतवारा थाने के दो पुलिसकर्मियों पर युवक की हत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया। युवती के दावे पर पुलिस की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मृतक के घर पहुंची आंचल ममीदवार ने प्रेमी की हत्या के लिए अपने भाई को फांसी देने की अपील की। आंचल ने बताया कि हत्या वाले दिन, मेरा भाई हिमेश मुझे सुबह इतवारा थाने ले गया और सक्षम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने को कहा। उसके इन्कार करने के बाद पुलिस के दो अधिकारियों ने उसके भाई को यह कहकर उकसाया कि उसे दूसरे लोगों से लड़ने के बजाय उस आदमी को मार देना चाहिए जिससे मैं प्यार करती हूं। हिमेश ने सक्षम की हत्या के बाद थाने वापस आने की चुनौती दी थी। उसने पुलिस से कहा कि वह सक्षम की हत्या करने के बाद थाने आएगा। फिर उसने उसे (सक्षम को) मार डाला। मेरी बस यही मांग है कि आरोपियों (उसके भाई और पिता) को भी उसी तरह मारा जाए जैसे सक्षम को मारा गया।

प. बंगाल : बीएलओ के प्रदर्शन के बीच सीईओ कार्यालय के बाहर तनाव

कोलकाता, एजेंसी

प. बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में लगे बीएलओ के एक वर्ग ने गणना प्रक्रिया के दौरान कथित अत्यधिक कार्यभार को लेकर सोमवार को सीईओ कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद अधिकारियों को प्रदर्शन स्थल पर पुलिस की तैनाती बढ़ानी पड़ी। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा का प्रतिनिधिमंडल चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक के लिए वहां पहुंचा तो प्रदर्शनकारियों ने विरोध में नारे लगाए और पुलिस बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया। हालांकि, अधिकारी और कई अन्य भाजपा विधायकों ने अधिकारियों के साथ बैठक जारी रखी।

बैरिकेड तोड़ने का प्रयास करते प्रदर्शनकारियों को रोकती पुलिस।

पुलिस ने शुभेंदु के दौरे से पहले कई स्तर पर बैरिकेड लगाए थे और अतिरिक्त बल तैनात किया था। भाजपा प्रतिनिधिमंडल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय परिसर में प्रवेश करने के कुछ ही मिनट बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की और इस बात पर जोर दिया कि उन्हें भी ज्ञापन सौंपने के लिए अंदर जाने दिया जाए। समिति के सदस्य बीएलओ के लिए बेहतर कार्य स्थितियों की मांग को लेकर कुछ दिनों से सीईओ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं।

यहां बर्फ ही बर्फ...

सर्दियां शुरू होने के साथ ही जम्मू-कश्मीर की वादियों में बर्फ भी पड़ने लगी है। पेड़ों और घरों पर यह बर्फ मनोहारी दृश्य भी उपस्थित कर रही है। शोपियां में एक ठंडे दिन में पड़े पाले ने सूखे पत्तों को इस तरह ढक लिया जैसे किसी ने चित्रकारी की हो।

जीपीएस स्पूफिंग : विमानों की सुरक्षा से खिलवाड़

जीपीएस स्पूफिंग की ताजा घटना इसी महीने के शुरू में भारत में हुई थी। इसकी वजह से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आठ सौ से ज्यादा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई थीं। इस घटना से भारतीय उड्डयन उद्योग के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। दरअसल, जीपीएस स्पूफिंग के कारण कई बार आधुनिक नेविगेशन सिस्टम भी निष्क्रिय साबित हो जाते हैं। आसमान में पायलट को रनवे ढूंढने में भी दिक्कत होती है। जाहिर है कि ऐसे में हजारों यात्रियों की जिंदगी दांव पर लग जाती है। कई बार यात्रियों की सुरक्षा के लिए फ्लाइट को डाइवर्ट करना पड़ता या लंबा इंतजार करना पड़ता है। जीपीएस स्पूफिंग स्मार्टफोन एप्स और लोकेशन डाटा में भी गड़बड़ी कर सकता है। इसके अलावा जीपीएस डाटा पर निर्भर नेटवर्क सिस्टम और महत्वपूर्ण ढांचों पर भी इसके जरिए साइबर हमले किए जा सकते हैं।

जीपीएस स्पूफिंग कितना बड़ा खतरा

जीपीएस स्पूफिंग एक साइबर हमला है जिसमें नकली जीपीएस सिग्नल का उपयोग करके नेविगेशन सिस्टम को गुमराह किया जाता है। इससे विमान को गलत स्थान, दिशा या समय की जानकारी मिलती है, ऐसे में विमानों के लिए यह एक बेहद गंभीर सुरक्षा खतरा बन जाता है। जीपीएस स्पूफिंग के कारण विमान को लगता है कि वह किसी दूसरी जगह है। हालांकि वह हकीकत में असल जगह से कई किमी दूर होता है। जीपीएस स्पूफिंग विमानों के नेविगेशन को गड़बड़ कर सकता है, इनर्शियल रेफरेंस सिस्टम जैसे बैकअप ऐसी स्थिति में मददगार होते हैं।

क्या है जीपीएस स्पूफिंग

यह एक साइबर हमला है जिसमें जीपीएस रिसीवर को गलत उपग्रह संकेत भेजकर धोखा दिया जाता है। यह जीपीएस सिग्नल को जाम करने से अलग है, इसमें सिग्नल रोकने के बजाय गलत जानकारी दी जाती है। जीपीएस स्पूफिंग के परिणामस्वरूप विमान, जहाज और वाहन गलत स्थान पर होने की रिपोर्ट दे सकते हैं।

कैसे की जाती है स्पूफिंग

अमेरिका का जीपीएस सिस्टम (नेवस्टार) 31 सैटेलाइट के समूह से बना है, ये सैटेलाइट पीआरएन कोड नागरिकों और अमेरिकी सेना दोनों को प्रसारित करते हैं। सेना के लिए भेजे जाने वाले कोड एन्क्रिप्टेड होते हैं, लेकिन नागरिकों को भेजे जाने वाले कोड एन्क्रिप्टेड नहीं होते। इसी वजह से वे साइबर हमले के शिकार हो जाते हैं। सबसे पहले हैकर यह पता लगता है कि किस जीपीएस सैटेलाइट का सिग्नल स्पूफिंग के समय आसपास होगा। इसके लिए सैटेलाइट की ऑर्बिट को देखा जाता है।

विमानों की सुरक्षा में भूमिका

- स्पूफिंग विमानन सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है क्योंकि यह नेविगेशन सिस्टम को भ्रमित कर सकता है, जिससे विमान गलत रास्ते पर जा सकता है।
- विमानों में इनर्शियल रेफरेंस सिस्टम जैसे बैकअप सिस्टम स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। जीपीएस विफल होने पर इनका इस्तेमाल किया जाता है।
- स्पूफिंग केवल वाणिज्यिक विमानों को ही नहीं बल्कि निगरानी विमानों को भी प्रभावित कर सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा होता है।
- जीपीएस जैमिंग के विपरीत स्पूफिंग का पता लगाना कठिन होता है क्योंकि इसमें रिसीवर को यकीन दिलाया जाता है कि सब कुछ ठीक है।

वार जोन में भी इस्तेमाल

स्पूफिंग और जैमिंग वार जोन में भी होती है, मिडिल ईस्ट में यह कई बार हो चुका है। युद्धरत देश स्पूफिंग में महंगी और शक्तिशाली मशीनों का इस्तेमाल करते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

अतीत की गलतियों पर आत्ममंथन करे जापान

बीजिंग। चीन ने जापान से अपने अतीत पर गहराई से आत्मनिरीक्षण करने, अपनी अनाप-शनाप टिप्पणियों को वापस लेने और ठोस कार्रवाई के माध्यम से चीन के प्रति अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को प्रदर्शित करने का आग्रह किया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को एक नियमित समाचार ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, अत्यधिक महत्व के मुद्दों पर, जापानी पक्ष को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि वे टाल-मटोल कर सकते हैं।

तेल टैंकरों पर यूक्रेन के हमलों की निंदा की

मास्को। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने काला सागर में दो तेल टैंकरों और एक बंदरगाह पर हाल ही में हुए यूक्रेनी हमलों की निंदा की। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार ज़खारोवा ने कहा कि गाम्बिया के झंडे तले रूसी बंदरगाह नोवोरोस्सिएस्क जा रहे दो टैंकरों पर शुक्रवार और शनिवार को हमले में मानवरहित नावों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी खुफिया सेवाओं ने इन हमलों की ज़िम्मेदारी ली है। प्रवक्ता ने कहा कि लक्षित नागरिक ऊर्जा अवसंरचना वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सैन्य बल मुख्यालय पर हमले की कोशिश

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश को सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम करते हुए प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के तीन चरमपंथियों को ढेर कर दिया। अर्धसैनिक बल के एक प्रवक्ता ने बताया कि रविवार रात चगाई जिले के नोकुंडी कस्बे में फ्रंटियर कोर के मुख्यालय पर एक आत्मघाती हमलावर द्वारा हमला किए जाने के बाद चरमपंथियों ने वहां घुसने का प्रयास किया।

खालिदा जिया को वेंटिलेटर पर रखा

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत बहुत खराब है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है तथा स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ उनके इलाज की निगरानी कर रहे हैं। यह जानकारी उनकी पार्टी के नेताओं ने सोमवार को दी। बीएनपी की अध्यक्ष जिया को 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जैविक हथियार: चुनौती से निपटने को खाका तैयार करने की जरूरत

जैविक हथियार संधि की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित सम्मेलन में बोले जयशंकर

- बीडब्ल्यूसी में अब भी बुनियादी ढांचे की कमी : विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने सोमवार को अनिश्चित अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा माहौल को देखते हुए जैविक हथियारों के संभावित दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए एक वैश्विक तंत्र की जरूरत बताई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सरकार से इतर तत्वों द्वारा जैविक हथियारों का दुरुपयोग किया जाना अब दूर की बात नहीं है और ऐसी चुनौती से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। उन्होंने जैविक हथियार संधि (बीडब्ल्यूसी) की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जैविक आतंकवाद एक गंभीर चिंता का विषय है, जिसके लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को पूरी तरह से तैयार रहना होगा।

हालांकि, बीडब्ल्यूसी में अब भी बुनियादी संस्थागत ढांचे की कमी है। विदेश मंत्री ने कहा कि इसमें कोई अनुपालन प्रणाली नहीं है, कोई स्थायी तकनीकी संस्था नहीं है और नए वैज्ञानिक घटनाक्रमों पर नजर रखने के लिए कोई तंत्र नहीं है। भरोसा मजबूत करने के लिए इन खामियों को दूर करना आवश्यक है। मंत्री ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के अंदर मजबूत अनुपालन उपायों की मांग की है, जिसमें आज की दुनिया के अनुरूप सत्यापन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिपूर्ण इस्तेमाल के उद्देश्य से सामग्री और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं मदद का समर्थन करता है। विदेशमंत्री ने कहा कि हमने वैज्ञानिक और तकनीकी विकास की व्यवस्थित समीक्षा की मांग की है ताकि शासन वास्तव में नवाचार की गति के साथ तालमेल बिठा सके। जयशंकर ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के भीतर मजबूत अनुपालन उपायों का आह्वान किया है, जिसमें आज की दुनिया के लिए तैयार की गयी सत्यापन व्यवस्था भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिपूर्ण उपयोग के लिए सामग्रियों और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहायता का समर्थन करता है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने एक राष्ट्रीय कार्यान्वयन मसौदा प्रस्तावित किया है जिसमें उच्च जोखिम वाले किरदारों की पहचान, दोहरे उपयोग वाले अनुसंधान की निगरानी, घटना प्रबंधन और निरंतर प्रशिक्षण शामिल है। उन्होंने कहा कि बीडब्ल्यूसी 50 वर्षों से एक साधारण विचार पर कायम है कि मानवता इसे अस्वीकार करे। लेकिन मानदंड तभी जीवित रहते हैं जब राष्ट्र उनका नवीनीकरण करते हैं। अगले 50 वर्षों में ठोस कार्रवाई की आवश्यकता होगी। विदेशमंत्री ने कहा कि हमें संधि को वर्तमान के अनुरूप बनाना होगा, हमें विज्ञान के साथ तालमेल रखना होगा और वैश्विक क्षमता को मजबूत करना होगा ताकि सभी देश जैविक जोखिमों का पता लगा सकें, उन्हें रोक सकें और उनका जवाब दे सकें।

नई दिल्ली में जैविक हथियार संधि की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते विदेश मंत्री एस जयशंकर।

भारत अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार

जयशंकर ने कहा कि भारत ग्लोबल साउथ के लिए एक विश्वसनीय भागीदार और वैश्विक जैव सुरक्षा के प्रतिबद्ध समर्थक की भूमिका के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा वातावरण अधिक अनिश्चित हो गया है और प्रौद्योगिकी में तीव्र विकास के कारण परिष्कृत जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों की उपलब्धता और सामर्थ्य में वृद्धि हुई है तथा निर्माण की लागत में कमी आई है। जयशंकर ने कहा कि कोविड-19 महामारी सहित हाल के प्रकोपों ने सभी को प्रभावित किया है।

श्रीलंका में ऑपरेशन सागर बंधु के तहत चक्रवात प्रभावित क्षेत्र से लोगों को निकालते हुए भारतीय वायुसेना के जवान।

सकारात्मक रही अमेरिका-यूक्रेन के बीच बातचीत

हॉलैंडेल बीच। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के समाधान की संभावनाओं को तलाशने के लिए अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को लगभग चार घंटे तक बातचीत की। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बाद में बताया कि बातचीत सकारात्मक रही लेकिन शांति समझौते को अमल में लाने के लिए अब भी काम किया जाना बाकी है। रुबियो ने कहा, यह केवल उन शर्तों की बात नहीं है जो लड़ाई को खत्म करती हैं। बल्कि यह उन शर्तों की भी बात है जो यूक्रेन को दीर्घकालिक समृद्धि के लिए तैयार करती हैं। मुझे लगता है कि हमने आज उस दिशा में प्रगति की है, लेकिन अभी और काम किया जाना बाकी है। फ्लोरिडा में यह उच्च स्तरीय बातचीत हुई।

श्रीलंका में फंसे भारतीयों को निकाला, राहत कार्य में तेजी

कोलंबो, एजेंसी

- तिरुवनंतपुरम पहुंचा 104 भारतीयों का अंतिम समूह

भारत ने श्रीलंका में चक्रवात दितवा के कारण मची तबाही के बाद कोलंबो में बचाव अभियान में तेजी लाते हुए वहां फंसे भारतीय नागरिकों के आखिरी समूह को सोमवार को निकाल लिया। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे 104 भारतीयों का आखिरी समूह 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत भारतीय वायु सेना के विमान से सुबह करीब साढ़े छह बजे तिरुवनंतपुरम पहुंचा।

उच्चायोग ने कहा कि श्रीलंका के बचाव प्रयासों में भारत ने अपनी मदद तेज कर दी है और अभियान का विस्तार कई प्रभावित क्षेत्रों तक किया है। अधिकारियों के अनुसार चेतक हेलीकॉप्टर ने कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जबकि वायु सेना के कई हेलीकॉप्टर ने कोटमाले में तलाश अभियान संचालित किया जो सबसे ज्यादा प्रभावित मध्य पर्वतीय क्षेत्र है तथा भूस्खलन एवं बाढ़ के कारण यहां सड़क संपर्क टूट गया है। कहा कि खोज एवं बचाव अभियानों के लिए भारत की विशेषीकृत आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी एनडीआरएफ और एचएडीआर की टीम कल कोलंबो पहुंची। उन्होंने श्रीलंका के अधिकारियों के साथ मिलकर कोच्चिकाडे में बचाव अभियान संचालित किया।

ईसा मसीह पर बनी पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

वर्सलीज। बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई हुई पेंटिंग रविवार को वर्सलीज में हुई नीलामी में 27 लाख डॉलर में बिकी। यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। इसमें ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य दर्शाया गया है। यह एक फ्रांसीसी संग्रह का हिस्सा थी और शुरू में यह माना जा रहा था कि यह उस समय मौजूद रूबेन्स की कई कार्यशालाओं में से किसी एक में बनाई गई कृति है। नीलामीकर्ता जीन-पियरे ने बताया कि पेंटिंग को रुबेनियानम से प्रमाणित कराया।

जमीन घोटाला मामले में हसीना को 5 साल की सजा

ढाका, एजेंसी

- बांग्लादेश की पूर्व पीएम की बहन और भांजी को भी सुनाई सजा

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को जमीन घोटाला मामले में सोमवार को पांच साल की जेल और उनकी भांजी एवं ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक दो साल जेल की सजा सुनाई। ढाका के विशेष न्यायाधीश की अदालत-4 के न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम ने हसीना की बहन शेख रेहाना को भी सात साल जेल की सजा सुनाई। भ्रष्टाचार के इस मामले में 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। कोर्ट ने तीन आरोपियों की गैरमौजूदगी में यह फैसला सुनाया। शेष 14 आरोपियों में से प्रत्येक को पांच साल की जेल हुई। अदालत ने हसीना, रेहाना और सिद्दीक समेत सभी 17 दोषियों में से प्रत्येक पर एक लाख टके का जुर्माना भी लगाया और जुर्माना नहीं भरने पर उन्हें छह महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी।

पाकिस्तान में एक आत्मघाती हमले में पुलिसकर्मी की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार को एक पुलिस वाहन के पास हुए आत्मघाती हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना लक्की मारवात जिले में हुई। ताजोरी पुलिस थाने की एक पुलिस वैन के समीप एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। विस्फोट में हेड कांस्टेबल अलाउद्दीन की मौत हो गई जबकि घायल हुए अन्य पुलिसकर्मियों को अस्पताल ले जाया गया। हमलावर का साथी भागने में सफल रहा।

भारतीयों से अमेरिका को हुआ फायदा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- मस्क बोले-एच1बी वीजा बंद करने से यूएस को होगा नुकसान

अमेरिका की एयरोस्पेस कंपनी 'स्पेसएक्स' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने एच1बी वीजा का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिका को भारत से आए प्रतिभाशाली लोगों का अत्यंत फायदा मिला है और चेतावनी दी कि यदि इसे बंद कर दिया गया तो यह अमेरिका के लिए बहुत बुरा होगा।

अमेरिका के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अरबपति कारोबारी ने एक पॉडकास्ट के दौरान यह टिप्पणी की, जो रविवार को प्रसारित हुआ। मस्क ने कहा कि हां, मुझे लगता है कि अमेरिका को उन प्रतिभाशाली भारतीयों से बहुत लाभ हुआ है जो अमेरिका आए... अमेरिका, भारत की प्रतिभा से अत्यंत लाभान्वित हुआ है। एच-1बी वीजा को लेकर टेस्ला के सीईओ ने कहा कि भले ही इस कार्य वीजा कार्यक्रम का कुछ दुरुपयोग हुआ है लेकिन इसे बंद नहीं किया जाना चाहिए।

अवैध आव्रजन से नकारात्मक प्रभाव

मस्क ने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में बड़े पैमाने पर अवैध आव्रजन हुआ, जिसने नकारात्मक प्रभाव पैदा किया। उन्होंने कहा अगर अमेरिका में अवैध रूप से आने और सरकारी लाभ पाने का बड़ा आर्थिक प्रलोभन होगा, तो स्वाभाविक रूप से लोग अमेरिका आने की कोशिश करेंगे। यह पूरी प्रोत्साहन संरचना ही गलत थी। जब उनसे पूछा गया कि भारत के युवा उद्यमियों के लिए उनका संदेश क्या है, तो मस्क ने कहा कि वह उन सभी का सम्मान करते हैं जो कुछ बनाना चाहते हैं। कहा कि आप जो पाना चाहते हैं, उससे अधिक देने का लक्ष्य रखें।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 03 .57 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

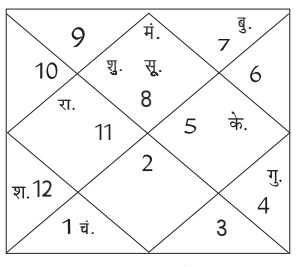

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अश्विनी 08 .51 तक तत्पश्चात भरणी।

मेष — आज आप कारोबार को लेकर मित्रों से सहायता ले सकते हैं। रुके हुए कार्य पुनः से प्रारम्भ होंगे। छात्र पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बेरोजगार लोगों को नई नौकरी मिल सकती है। किसी मांगलिक उत्सव में आप सम्मिलित हो सकते हैं।

वृष — आज कार्यक्षेत्र को लेकर मन में उत्साह की कमी देखने को मिलेगी। नजदीकी लोगों के साथ आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। आज आपको धैर्य और संयम के साथ अपने काम पर ध्यान देना चाहिये। दूसरों की सलाह पर अधिक ध्यान न दें।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपको पदोन्नति मिल सकती है। संतान के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी। जीवनसाथी और बच्चों से आपको प्रेम और सम्मान दोनों ही प्राप्त होंगे। आपके विचारों से लोग प्रभावित रहेंगे। सरकारी मामलों में आपको सफलता मिलने की संभावना है।

कर्क — आज परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा। सहकर्मियों की तुलना में आपका प्रदर्शन विशेष और अच्छा रहेगा। किसी बहूमूल्य वस्तु को खरीद सकते हैं। कच्चे माल के आयात-निर्यात में उत्तम धन लाभ हो सकता है। आपकी भावनाओं का अनादर हो सकता है।

सिंह — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निजी समस्याओं का निराकरण होगा। कुछ कठिन काम आसानी से अचानक बनने से मन प्रसन्न होगा। गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। सामाजिक कार्यों में आपकी प्रशंसा होगी।

कन्या — आज पारिवारिक आयोजन किसी कारणवश टल सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। किसी के उकसावे में आकर काम न करें। अन्य दिनों की अपेक्षा दिन कुछ कमजोर रहेगा। अधीनस्थ कर्मचारियों पर नाराज हो सकते हैं।

तुला — आज आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले बड़ों की राय अवश्य लें। भोग-विलास का भरपूर आनंद उठायेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। व्यवसाय में सारी परिस्थितियां आपके अनुकूल रहने वाली हैं।

वृश्चिक — आज आपके व्यक्तित्व में तीव्र आकर्षण रहेगा। इसके कारण आप लोकप्रिय रहेंगे। खर्च करने से पहले बजट का ध्यान अवश्य रखें। गले में खराश और बुखार जैसी समस्या हो सकती है। अनुसंधान संबंधी कार्यों में सफलता मिल सकती है।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। प्रेम संबंधों में कुछ अनबन हो सकती है। लोग आपकी बातों को अत्यन्त गंभीरता से लेंगे। विद्वान लोगों से भेंट हो सकती है। शाम के समय मित्रों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

मकर — आज नई परियोजनाओं में सफलता देर से मिलेगी। मानसिक स्थिति नकारात्मक हो सकती है। व्यर्थ में अपने शुभचिंतकों पर संदेह न करें। अधिक भागदौड़ से आपको बचना चाहिए। धन को लेकर दिक्कतें उत्पन्न हो सकती हैं।

कुंभ — आज कारोबारी यात्राओं से आपको लाभ मिलेगा। दूसरों की बातों में आकर अपना समय बर्बाद न करें। रचनात्मक गतिविधियों में सुखद समय बीतेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। परिवार में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के अवसर मिलेंगे।

मीन — आज नए व्यावसायिक संपर्क विकसित होने के योग बन रहे हैं। आपके विनम्र व्यवहार से विपरीत लिंगी लोग आपसे आकर्षित रहेंगे। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। घर में कुछ रिश्तेदार आ सकते हैं। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों को कारोबार में विस्तार के अवसर मिल सकते हैं।

सुडोकू -178

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		
		1						
8								3
7								
				9				
		2					6	
	4							

सुडोकू - 177 का हल

1	2	8	6	5	3	4	9	7
5	7	4	1	8	9	2	3	6
6	9	3	7	2	4	8	1	5
4	1	5	8	9	6	3	7	2
9	8	2	3	7	1	5	6	4
7	3	6	5	4	2	1	8	9
8	6	9	4	3	5	7	2	1
2	5	7	9	1	8	6	4	3
3	4	1	2	6	7	9	5	8

कप्तान के रूप में रोहित हमेशा टीम को यह दिखाते रहे हैं कि वह उनसे क्या चाहते हैं। टी20 और वनडे क्रिकेट में भारत जिस आक्रामक अंदाज की बल्लेबाजी से गुजरा है उसका बहुत सारा श्रेय रोहित और राहुल भाई को जाता है।

-आर अश्विन

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

बरेली, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

हाईलाइट

सिफत को राष्ट्रमंडल में निशानेबाजी की वापसी की उम्मीद

जयपुर : ओलंपियन सिफत कौर सामरा को भरोसा है कि भारत 2030 में जब राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा तो निशानेबाजी को इन खेलों में शामिल किया जाएगा और इससे देश के पदकों की संख्या में काफी इजाफा होगा। राष्ट्रमंडल खेलों के बर्मिंघम 2022 और 2026 ग्लास्गो 2026 दोनों सत्र के लिए निशानेबाजी को पदक प्रतियोगिता के रूप में शामिल नहीं किया गया लेकिन भारत की मेजबानी में देश के निशानेबाजों को अपनी प्रतिभा दिखाने और घरेलू दर्शकों के सामने पदक जीतने का मौका मिलेगा।

पीएनबी की ब्रांड एंबेसडर बनीं हरमनप्रीत

नई दिल्ली : पब्लिक सेक्टर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने सोमवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को अपना पहला महिला ब्रांड एंबेसडर बनाया है। यह घोषणा बैंक के कॉरपोरेट कार्यालय में 'बैंकिंग ऑन चैंपियंस' थीम के तहत समारोह में हुई। इस अवसर पर हरमनप्रीत कौर को उनके नाम और नंबर वाली एक फ्रेमयुक्त पीएनबी जर्सी, साथ ही एक कस्टम-उत्कीर्णित पीएनबी बैट भेंट किया गया।

फुटबॉल में रुकावट को खत्म करने का प्रयास

नई दिल्ली : खेल मंत्रालय ने फुटबॉल की मौजूदा रुकावट को खत्म करने के लिए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) और आई-लीग क्लबों समेत सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ तीन दिसंबर को बैठक बुलाई हैं। ऐसा माना जा रहा है कि केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया इन बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इसको लेकर खेल मंत्रालय ने सोमवार को ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) को एक पत्र जारी किया है। मंत्रालय के पत्र में कहा गया इस मामले पर असरदार तरीके से बातचीत के लिए सभी संबंधित स्टेकहोल्डर्स -आईएसएल क्लब, संभावित कमर्शियल पार्टनर्स, एफएसडीएल, ब्रॉडकास्टर्स और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, आई-लीग और लोअर डिवीजन क्लब्स वगैरह की मौजूदगी जरूरी होगी।

राष्ट्रीय निशानेबाजी में 16 हजार प्रतिस्पर्धी

नई दिल्ली : 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) की राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं की अलग-अलग कैटेगरी में क्वालीफाई करने वाले 16 हजार से अधिक निशानेबाज सोमवार से डॉ. कर्णी सिंह रेंज में शुरु हुई प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। दोहा में चार से नौ दिसंबर तक चलने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल को ध्यान में रखते हुए इस चैंपिनशिप को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के लिए 15 भारतीयों ने क्वालिफाई किया है। शॉटगन में क्वालिफ़िकेशन राउंड आज डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में शुरू हुए। शॉटगन के साथ-साथ पिस्टल स्पर्धाएं भी डॉ. कर्णी सिंह रेंज में होंगी, जबकि राइफल इवेंट भोपाल में मध्य प्रदेश स्टेट शूटिंग एकेडमी में होंगे। पिस्टल स्पर्धाएं 11 दिसंबर से शुरू होंगी और चार जनवरी, 2026 तक चलेंगे।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगा गिल की फिटनेस का आकलन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय टीम के उप कप्तान शुभमन गिल अनिवार्य फिटनेस आकलन के लिए सोमवार को बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पहुंचेंगे। इस आकलन के नतीजे के आधार पर नौ दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैच की सीरीज में उनकी वापसी पर फैसला किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते हुए गिल की गर्दन में चोट लगी थी और इसके बाद वह दूसरे टेस्ट और मौजूदा एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में नहीं खेल पाए। भारत की टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम में किसी हैरान करने वाले नाम को जगह मिलने की उम्मीद नहीं है, बशर्ते कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं हो। अजित अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की खेल विज्ञान टीम से गिल की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''गिल को इंजेक्शन लगाया गया था और उन्हें 21 दिन के आराम और रिहैबिलिटेशन की सलाह दी गई थी जिसमें चोट से प्रभावित मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए विशिष्ट व्यायाम शामिल थे। सूत्र ने कहा ट्रेनिंग के दौरान खेल विज्ञान टीम के उनकी मूवमेंट का आकलन करने तक कुछ नहीं कहा जा सकता। यह भी नहीं पता कि बल्लेबाजी करते हुए वह बिल्कुल भी असहज नहीं है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए गिल की वापसी की संभावना 50 प्रतिशत है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चीजों की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया 21 अक्टूबर से 30 नवंबर तक हार्दिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बाहर भी नहीं निकले और उन्होंने अपना रिहैब और 'रिटर्न टू प्ले' प्रोटोकॉल पूरे किए। उन्हें टी20 में खेलने की पूरी स्वीकृति (बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने की) मिली है और वह पंजाब के खिलाफ मैच के लिए बड़ौदा टीम से जुड़ भी गए हैं। वह चार दिसंबर को गुजरात के खिलाफ खेलेंगे और अगर भारतीय टीम प्रबंधन उन्हें पहले नहीं बुलाता है तो वह छह दिसंबर को हरियाणा के खिलाफ मैच में खेलने की भी योजना बना रहे हैं।

टी-20 प्रारूप में खेलेंगे हार्दिक पंड्या

भारतीय प्रशंसकों के लिए हालांकि अच्छी खबर भी है क्योंकि हार्दिक पंड्या को टी20 प्रारूप में खेलने की स्वीकृति मिल गई है और वह मंगलवार को हैदराबाद में बड़ौदा के लिए पंजाब के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मुकाबले के साथ लगभग ढाई महीने बाद अपना पहला मैच खेलेंगे। उनके चार दिसंबर को बड़ौदा और गुजरात के बीच होने वाले मैच में भी खेलने की संभावना है। राष्ट्रीय चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा दोनों मैच के दौरान उपस्थित रहेंगे जिसके कि टीम की घोषणा से पहले उनकी फिटनेस को परख सकें।

विराट कोहली की तारीफों के बांधे पुल

बल्लेबाजी कोच ने कहा- विराट के भविष्य को लेकर सवाल ही नहीं उठता, उनकी फिटनेस और फॉर्म बरकरार

रांची, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक का मानना है कि विराट कोहली के वनडे में भविष्य को लेकर अटकलें नहीं लगनी चाहिए क्योंकि इस दिग्गज खिलाड़ी की 50 ओवर के क्रिकेट में फिटनेस, फॉर्म और प्रभाव पहले की तरह बरकरार है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की सीरीज से पहले सवाल उठाए जा रहे थे कि क्या कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए मुख्य कोच गौतम गंभीर की योजना में शामिल हैं या नहीं। कोटक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि कोहली के भविष्य को लेकर बहस क्यों हो रही है।

कोटक ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में भारत की 17 रन की करीबी जीत के बाद कहा मुझे वास्तव में नहीं पता कि हमें इन सब बातों पर गौर करने की जरूरत क्यों है। वह बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और हमें उनके भविष्य के बारे में बात करने की क्या जरूरत है। वह जिस तरह से प्रदर्शन कर रहे हैं, उनकी फिटनेस जिस तरह से है उसे देखकर किसी भी चीज को लेकर कोई सवाल ही नहीं उठता। कोटक ने कहा कि भूमिकाओं को लेकर स्पष्टता, वास्तविक समय में सीख और सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव इस समय भविष्य की योजनाओं से कहीं ज्यादा मायने रखते हैं।

उन्होंने कहा वह वाकई शानदार है यार। जब तक वह इसी तरह बल्लेबाजी करता रहेगा, किसी और चीज़ के बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है। बल्लेबाजी कोच ने जोर देकर कहा कि न तो खिलाड़ी और न ही टीम प्रबंधन विश्व कप के बारे में सोच रहे हैं और सीनियर खिलाड़ियों के बारे में इस संदर्भ में चर्चा करने की तो बात ही छोड़ दीजिए। मुझे नहीं लगता कि इस बारे में चर्चा होनी चाहिए। रोहित और कोहली दोनों शानदार हैं। वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और टीम में योगदान दे रहे हैं। एक बार जब टीम आ जाती है और अभ्यास शुरू हो जाता है, तो हम बस उसका आनंद लेते हैं। हम 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के बारे में कोई बात नहीं कर रहे हैं।

कोटक ने कहा कि रविवार को कोहली का वनडे करियर का 52वां शतक न केवल उनकी विरासत की याद दिलाता है, बल्कि यह इस बात का भी उदाहरण है कि जिस प्रारूप को वह अब प्राथमिकता देते हैं, उसमें वह कितनी सहजता से जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

कोटक ने कहा यह एक शानदार पारी थी। उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की, जिम्मेदारी ली और एक बार फिर दिखाया कि वह कितने असाधारण खिलाड़ी क्यों हैं। पारी के दौरान कोहली की पीठ में मामूली तकलीफ के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा जहां तक मुझे पता है, वह ठीक हैं।

कोटक ने टेस्ट सीरीज में हार के बाद रोहित शर्मा और कोहली दोनों की टीम में वापसी पर भी बात की। उन्होंने कहा वे अनुभवी खिलाड़ी हैं और जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं और साझेदारियां निभा रहे हैं उससे बहुत फर्क पड़ता है। वे अपना अनुभव युवा खिलाड़ियों के साथ साझा करते हैं, और यह अपने आप में एक बड़ा फायदा है। कोटक ने इसके साथ ही मैच के बारे में बात करते हुए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हर्षित राणा की विशेष प्रशंसा की, जिनके कठिन परिस्थितियों में शुरुआती झटकों ने दक्षिण अफ्रीका को मैच जीतने से रोक दिया।

उन्होंने कहा शुरुआती विकेट लेने का बहुत सारा श्रेय हर्षित को जाता है। कूकाबुरा गेंद से आपको केवल शुरुआती दो से पांच ओवर तक ही स्विंग मिलती है और उसने इसका पूरा फायदा उठाया।

दूसरे एकदिवसीय मैच के लिए विराट कोहली रांची एयरपोर्ट से रायपुर के लिए रवाना हुए। एजेंसी

इस उम्र में भी खेलने की भूख के लिए स्टेन ने खुशी जताई

रांची : अपने कैरियर के सर्वश्रेष्ठ दौर से गुजरने के बाद अधिकांश खिलाड़ी घर पर अपने परिवार और कुत्ते के साथ रहना पसंद करते हैं, लेकिन 37 वर्ष के विराट कोहली अभी भी मैदान पर चुस्ती के साथ दौड़ते और डाइव लगाते देखे जा सकते हैं और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेल स्टेन खेलने को लेकर उनके इसी जुनून के कायल हैं। टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली ने दिखाया कि वनडे क्रिकेट में अब भी उनका कोई सानी नहीं है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में यहां अपने करियर का 52वां शतक लगाया। स्टेन ने जियोस्टार से कहा जब आप 37 या 38 साल के अधिकतर खिलाड़ियों से बात करते हैं तो वे कहते हैं कि उन्हें घर, अपने कुत्ते, अपने बच्चों को छोड़ना पसंद नहीं है। लेकिन कोहली मानसिक रूप से ऐसी स्थिति में हैं जहां वह पहले की तरह भारत के लिए खेलने के लिए उत्सुक हैं। आप इसे विकेटों के बीच दौड़, फ़ील्डिंग करते और डाइव लगाते हुए देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से युवा और तरोताज़ा हैं और क्रिकेट में बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कोहली ने पिछले 15-16 साल में 300 से अधिक वनडे खेले हैं इसलिए वह काफी अनुभव रखते हैं। यह उनके शरीर और दिमाग में है। अगर वह तीन दिन की बारिश के बाद भी यहां पहुचते तो भी उनकी तैयारी पर कोई असर नहीं पड़ता। वह मानसिक रूप से मजबूत हैं, अच्छी तरह से सोच सकते हैं और गेंद को बल्ले पर आते हुए देख सकते हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी यही करते हैं। स्टेन ने कहा वह स्वयं पर भरोसा रखते हैं क्योंकि वह पिछले लंबे समय से खेल रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अब भी पहले की तरह खेलने को लेकर उत्साहित रहते हैं।

रायपुर के लिए रवाना होते दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी। एजेंसी

कोहली को जमने के बाद रोकना लगभग असंभव : यान्सेन

रांची : दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला मार्को यान्सेन ने कहा कि विराट कोहली जैसे विश्वस्तरीय बल्लेबाज को एक बार जम जाने के बाद रन बनाने से रोकना लगभग असंभव हो जाता है तथा स्वीकार किया कि इस भारतीय स्टार की सूत्रधार की भूमिका निभाने की क्षमता उन्हें गेंदबाजी करने के लिए सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों में से एक बनाती है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां खेले गए पहले वनडे में कोहली ने शतक लगाया जिससे भारतीय टीम यह मैच जीतने में सफल रही। यान्सेन ने कहा कि विश्वस्तरीय बल्लेबाजों के सामने गेंदबाज के पास शुरू में ही कुछ अवसर होते हैं। जब आप विश्वस्तरीय बल्लेबाजों को गेंदबाजी करते हैं तो उन्हें आउट करना काफी मुश्किल होता है। मैं हमेशा बल्लेबाज को उसकी पहली 10 या 15 गेंदों पर आउट करने की कोशिश करता हूं क्योंकि वह तब विकेट से सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहा होता है। उन्होंने कहा लेकिन एक बार जब वह लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों में आप प्लान बी या सी पर चलते हैं। कोहली ने रविवार को अपना 52वां वनडे शतक जड़कर भारत को 17 रन से जीत दिलाई जिससे मेज़बान टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। यानसन ने भारत के 2017-18 के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान 17 वर्षीय नेट गेंदबाज के रूप में पहली बार कोहली को गेंदबाजी की थी।

आक्रामक बल्लेबाजी का श्रेय रोहित और द्रविड़ को : अश्विन

नई दिल्ली : भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सीमित ओवर प्रारूप में भारत की आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति का श्रेय पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को दिया। टीम को इस रवैये से पिछले कुछ वर्षों में काफी सफलता मिली है।

अश्विन ने कहा कि इन दोनों दिग्गजों ने ना केवल अधिक आक्रामक शैली अपनाने पर जोर दिया बल्कि खुद भी उदाहरण पेश किया। इससे टी20 अंतर्राष्ट्रीय और वनडे में भारत के रवैये में बदलाव आया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा कप्तान के रूप में रोहित हमेशा टीम को यह दिखाते रहे हैं कि वह उनसे क्या चाहते हैं। टी20 और वनडे क्रिकेट में भारत जिस परिवर्तनकारी बल्लेबाजी से गुजरा है उसका बहुत सारा श्रेय रोहित और राहुल भाई को जाता है।

शाहरुख खान ने रसेल को योगदान के लिए शुक्रिया कहा

नई दिल्ली : बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स से संन्यास लेने वाले वेस्टइंडीज के क्रिकेटर आंद्रे रसेल के योगदान की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर उनके लिये लंबा संदेश लिखा है।

आक्रामक हरफनमौला रसेल ने 16 दिसंबर को होने वाली मिनी नीलामी से पहले रविवार को आईपीएल से संन्यास की घोषणा के साथ बताया कि वह तीन बार की विजेता केकेआर के कोचिंग स्टाफ में पावर कोच के तौर पर शामिल होंगे। शाहरूख ने एक्स पर लिखा बेहतरीन यादों के लिये शुक्रिया आंद्रे। चमकते कवच में हमारा शूरवीर। केकेआर के लिये आपका योगदान इतिहास में दर्ज हो गया और अब एक खिलाड़ी के तौर पर नये अध्याय की शुरुआत। पावर कोच, जो अपना ज्ञान, अनुभव और ताकत का राज केकेआर के खिलाड़ियों के साथ साझा करेगा।

स्विट्जरलैंड के खिलाफ कमजोरियों को दूर करना चाहेगी भारतीय टीम

जूनियर हॉकी विश्व कप

मदुरै, एजेंसी

भारतीय टीम बेहतरीन फार्म में चल रही है लेकिन अभी तक उसे असली चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह मंगलवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के नाकआउट चरण से पहले अपने अंतिम ग्रुप लीग मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ जीत की लय जारी रखने और अपने कमजोर पक्षों को दूर करने की कोशिश करेगी। भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की। भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी।

सोमवार को चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में जापान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ।

जापान (लाल) और न्यूजीलैंड के खिलाड़ी चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में हॉकी पुरुष जूनियर वर्ल्ड कप के दौरान मुकाबला करते हुए। एजेंसी

भारत हांगकांग मास्टर्स एशिया कप हॉकी में जीता

नई दिल्ली : भारत ने हांगकांग में आयोजित हांगकांग मास्टर्स एशिया कप 2025 में 40 वर्ष से अधिक उम्र के पुरूष और महिला मास्टर्स वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। हांगकांग फुटबॉल क्लब पर 26 से 30 नवंबर तक हुई विश्व मास्टर्स हॉकी एशिया चैम्पियनशिप में भारतीय पुरुष टीम ने ग्रुप चरण में हांगकांग को 4-0 और 5-4 से तथा सिंगापुर को 4-0 और 3-2 से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

महिला वर्ग में भारत ने ग्रुप चरण में सिंगापुर को 7-2 से हराया जबकि हांगकांग से 1-1 से ड्रॉ खेला। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 2-4 से पराजय झेलनी पड़ी लेकिन फाइनल में हांगकांग को 2-0 से हराकर खिताब जीता। हॉकी इंडिया ने दोनों टीमों की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा चैम्पियंस ऐसे दिखते हैं।

अप्रत्याशित घटना | निजी कारणों का हवाला दिया, सूत्रों ने टीम का खराब प्रदर्शन बताया

महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच ने दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली, एजेंसी

एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों का हवाला देकर तुरंत प्रभाव से पद से इस्तीफा दे दिया है।

हॉकी इंडिया ने देर शाम जारी बयान में खबर की पुष्टि करते हुए कहा भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों से पद से इस्तीफा दे दिया है। हरेंद्र सिंह ने अप्रैल 2024 में ही पद संभाला था और समझा जा रहा था कि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 तक टीम के साथ रहेंगे। सूत्रों ने बताया, टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रही टीम के मुख्य कोच नीदरलैंड के शोर्ड मारिन की भारतीय टीम में इस पद पर वापसी हो सकती है।

अचानक हुए घटनाक्रम में हरेंद्र सिंह ने हॉकी इंडिया को ईमेल भेजकर सूचित किया है कि वह तुरंत प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह विशुद्ध रूप से उनका 'निजी फैसला' है।

सूत्रों ने बताया कि मारिन की भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच के रूप में वापसी हो सकती है जिनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रही थी। मारिन ने अगस्त 2021 में महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दिया था। सूत्रों ने इस्तीफे का कारण टीम का खराब प्रदर्शन बताया है। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने कहा पिछले डेढ साल में टीम ने अपेक्षित नतीजे नहीं दिये हैं जबकि सारी मनचाही सुविधायें कोच को दी गई।

फिटनेस भी बड़ा मसला रहा है और टीम में दर्जन भर खिलाड़ी चोटिल हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने बयान में कहा हम हरेंद्र सिंह को उनकी सेवाओं के लिये धन्यवाद देते हैं। भारतीय हॉकी के लिये उनकी प्रतिबद्धता जगजाहिर है। हम जल्दी ही उनके विकल्प की घोषणा करेंगे।

हरेंद्र सिंह लखनऊ विश्व कप 2016 विजेता भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच रहे थे। वह भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में वापसी से पहले 2021 से 2024 तक अमेरिका की राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के कोच थे। वह सितंबर 2017 में भारतीय सीनियर महिला टीम के मुख्य कोच बने जिसने उस साल महिला एशिया कप जीता था।

2024 अप्रैल में संभाला था पद

2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक तक रहना था टीम के साथ

- **नीदरलैंड के शोर्ड मारिन की हो सकती है वापसी**

भारतीय महिला हॉकी टीम का कोच रहना मेरे कैरियर की बड़ी उपलब्धि रही है। मैने निजी कारणों से इस्तीफा देने का फैसला किया है लेकिन मेरा दिल हमेशा इस बेहतरीन टीम के साथ रहेगा। हॉकी इंडिया के साथ सफर मेरे लिये खास रहेगा और मैं भारतीय हॉकी को शीर्ष स्तर तक ले जाने के उनके प्रयासों में सहयोग करता रहूंगा।

-हरेंद्र सिंह